Awarded for Excellence in Editorial Concept, Art & Visual Presentation

हिन्दी Abroad

www.hindiabroad.com | Vol 22 | Issue -42 | Friday, March 22, 2024 | $1 | Tel :-905-673-9929

Funded by the Government of Canada | Canada

मौसम

Fri	-2c
Sat	02c
Sun	00c
Mon	04c
Tue	07c
Wed	07c
Thu	06c

काशी में आने वाला प्रत्येक जीव शिव का अंश...

पृष्ठ-12 देखें

प्रेम और एकता का त्योहार होली...

पृष्ठ-13 देखें

फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड ने दिए क्रिटिक्स चॉयस अवार्ड्स...

पृष्ठ-14 देखें

केंद्रीय स्वास्थ्य हस्तांतरण योजना पर...

औटवा और क्यूबेक की बनी सहमति

इस योजना को लागू करने वाला देश का अंतिम राज्य था क्यूबेक, जिसने केंद्र सरकार के साथ 900 मिलीयन डॉलर के समझौते पर डील को दी मंजूरी

क्यूबेक। अंततः औटवा और क्यूबेक ने भी कैनेडा हैल्थ ट्रान्सफर परियोजना पर अपनी डील पक्की कर ली हैं। राज्य द्वारा 900 मिलीयन डॉलर के साथ डील पर सहमति को स्वीकार किया गया हैं। रेडियो-कैनेडा की रिपोर्ट के अनुसार इस अनुबंध को पूरा करने के लिए गत शुक्रवार को मॉन्ट्रीयल में स्वयं प्रधानमंत्री जस्टीन टुडो और क्यूबेक प्रीमियर फ्रान्सकोइस लेगाउल्ट ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। ज्ञात हो कि क्यूबेक प्रांत अभी तक इस केंद्रीय योजना का भागीदार नहीं बना था, लेकिन अब मौजूदा आवश्यकताओं को देखते हुए क्यूबेक प्रीमियर ने भी इसमें प्रतिभागिता का मन बनाते हुए अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए और इस प्रस्ताव में शामिल होने वाला कैनेडा का अंतिम राज्य बन गया हैं। टुडो सरकार द्वारा इस योजना में शामिल होने की अंतिम तिथि 31 मार्च से पूर्व ही क्यूबेक ने इस अनुबंध को पूरा करके पूरे देश में इसे लागू करने की टुडो सरकार की इच्छा को पूरा कर दिया। रेडियो - कैनेडा ने यह भी बताया कि इस अनुबंध में किसी भी प्रकार की कोई भी शर्त या लेखाकंन नहीं किया गया हैं, क्यूबेक द्वारा एकत्र किए गए फंडस को ही केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य आवश्यकताओं में निवेश किया जाएंगा और इसके सभी लाभ क्यूबेक वासियों को उचित प्रकार से समय के अनुसार दिए जाएंगे। ज्ञात हो कि कैनेडा द्वारा गत वर्ष फरवरी में इसे आरंभ किया गया था, जिसके लिए अनुमानित 46.2 बिलीयन डॉलर की निवेश योजना को तैयार किया गया था। इस योजना से देश के राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की स्वास्थ्य संबंधी सभी समस्याओं को हल करने में उनकी हर संभव मदद की जाएंगी। केंद्र सरकार प्रारंभ से ही यहीं मानती रही हैं कि यह योजना पूर्ण रुप से पारदर्शी हैं और इसके लिए सभी प्रकार के आंकड़ों को समय-समय पर सार्वजनिक किया जाता रहा हैं। जानकारों के अनुसार यह भी माना जा रहा है कि इस प्रस्ताव के सबसे अधिक खिलाफ नेताओं में से एक लेगाउल्ट भी रहे हैं और अब जब वे स्वयं क्यूबेक वासियों के हित के लिए इस योजना में शामिल हो रहे हैं तो अवश्य ही इसमें लोगों का हित शामिल होगा। उन्होनें इस योजना के साथ जुड़ने के लिए कई बार केंद्र सरकार के साथ उच्च स्तरीय बैठकें की और उसके पश्चात ही इस परियोजना में शामिल होने की पुष्टि के लिए हामी भरी।

टैक्स रिटर्न सॉफ्टवेयर करदाताओं को रेगा बहुत अधिक मदद

टोरंटो। याद करें जब आपको ऑनलाईन माध्यम से अपना टैक्स रिटर्न भरना पड़ता था ओर जब तक यह उचित प्रकार से भर नहीं जाता था, तब तक सभी करदाताओं को एक चिंता भरे माहौल में रहने के लिए मजबूर होना पड़ता था।

लेकिन अब इसी प्रकार की कठिन गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए एक नए सोफ्टवेयर को लॉन्च किया गया, जिसके कारण अब करदाताओं द्वारा स्वयं फाईलींग करना भी बहुत अधिक आसान हो जाएंगा।

करदाता संबंधित कार्य वित्तीय जानकारों की सलाह से और नए सोफ्टवेयर की मदद से आसानी से अपना रिटर्न भर सकते हैं। वित्तीय योजनाकार और मॉर्डन सेंटस की संस्थापक एंड्रीया थॉम्पसन ने अपने

वित्तीय अधिकारी को नियुक्त करने से पूर्व आपकों कुछ बातों की जानकारी अवश्य होनी चाहिए

संदेश में बताया कि अब कर भरने की ऑनलाईन विधि और अधिक आसान बना दी गई हैं, जिससे अधिक से अधिक करदाताओं को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि ऑनलाईन स्वयं फाईलींग की विधि को अपनाने से पूर्व इसकी उचित जानकारी ले लेना आवश्यक होता हैं, जिससे कोई भी गलती न हो और इससे आपको परिशानी नहीं उठानी पड़ सके। एक सच्चा करदाता समय से अपना टैक्स भरवाकर पूरे वर्ष चैन से रहता हैं, अन्यथा किसी भी सरकारी अधिकारी को देखकर करदाता स्वयं को अपराधी समझते थे। इन्हीं परेशानियों को समाप्त करते हुए इस आसान ई-फाईलींग की विधि को आरंभ किया गया हैं। एंड्रीया ने आगे कहा कि आज की पीढ़ी तेजी से हर कार्य करना चाहती हैं, इसलिए इस बार फाईलींग की नई विधि को आजकल के युवाओं के अनुसार परिवर्तित किया गया हैं, जिससे प्रत्येक आयुवर्ग युवाओं को इसमें शामिल करके आगे की कार्यवाही को पूरा किया जा सके। ज्ञात हो कि बहुत से लोगों को अपने करों की कोई भी जानकारी नहीं होती हैं, जिसके कारण कई बार भारी परेशानियां तक उठानी पड़ जाती हैं, इन्हीं संकटों से बचने के लिए असान व तीव्र फाईलींग प्रक्रिया को आरंभ किया गया हैं।

ओंटेरियो लिबरल्स ने प्रधानमंत्री की कार्बन टैक्स योजना से बनाई दूरी

ओंटेरियो। सत्ताधारी लिबरल पार्टी के आंतरिक सूत्रों के अनुसार इस बार ओंटेरियो लिबरल प्रमुख बोनी क्रोम्बी ने केंद्र सरकार की महत्वांकाक्षी योजना कार्बन टैक्स से उचित दूरी बनाएं रखने की घोषणा की हैं, एक प्रैसवार्ता में जब उनसे पूछा गया कि क्या वह केंद्र की इस परियोजना के समर्थन में हैं या नहीं तो उन्होंने कहा कि इस योजना के प्रति उनके मन में बहुत से प्रशन हैं, जिनका उत्तर जाने बिना वे इसमें शामिल नहीं हो सकती।

उनका मत यह है कि केंद्र सरकार को इस योजना के पारित होने से इसे सभी संबंधित लोगों के परामर्श हेतु जनता के मध्य जाना चाहिए और उनकी राय के अनुसार ही इसमें उचित बदलाव करके इसे पुनः पेश करना चाहिए। लिबरलस के ओंटेरियो नेताओं ने यह भी माना कि इस योजना को लागू करने के समर्थन में बोनी क्रोम्बी धीरे-धीरे अपने पांव पीछे ले रही हैं, यदि ऐसा होता हैं तो इसका केंद्रीय राजनीति पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा।

संसदीय नेता जॉन फ्रेजर ने सोमवार को बताया कि ओंटेरियो लिबरल उचित के साथ हैं, वे किसी भी ऐसी परियोजना में सहयोगी नहीं बनेगी, जिससे भावी जनता पर वित्तीय बोझ बढ़े, उन्होंने अपने प्रचार

लिबरलस के ओंटेरियो नेताओं ने यह भी माना कि इस योजना को लागू करने के समर्थन में बोनी क्रोम्बी धीरे-धीरे अपने पांव पीछे ले रही हैं, यदि ऐसा होता हैं तो इसका केंद्रीय राजनीति पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा।

सदेश में यह भी माना कि यदि वर्ष 2026 में जनता उन्हें चुनती हैं तो वह अवश्य ही वर्तमान सरकार के पारित नियमों में बदलाव लाएगी, जिसमें से कार्बन टैक्स भी सर्वोपरि शामिल हैं।

क्रोम्बी ने यह भी माना कि इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि हमें पर्यावरण के बढ़ते संकट की कोई भी चिंता नहीं, बल्कि हम यहीं चाहते हैं कि कोई भी ऐसी योजना को लागू करना जिससे आम जनता प्रभावित होती हैं, उन्हीं के परामर्श से चालू करनी चाहिए, जिससे भविष्य में उन्हें इसके आरंभ होने से परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

उन्होंने यह भी माना कि इस समय ओंटेरियो के नागरिकों के ऊपर पहले से ही कई प्रकार की कर वसूली का कार्यक्रम चल रहा हैं और उसके अतिरिक्त कार्बन टैक्स के नाम पर उनसे भी अधिक टैक्स वसूलना पूर्ण रुप से गलत हैं, जिसके लिए सभी को मिलकर आवाज उठानी चाहिए। लिबरल की केंद्र सरकार ने इस नई कार्बन कर नीति को गत वर्ष 2018 में लागू किया था, उस समय ओंटेरियो ने इस परियोजना में शामिल होने से इंकार कर दिया था, लेकिन बाद में फोर्ड सरकार ने पर्यावरण बदलावों को नियंत्रित करने के लिए साकार कदम उठाने का हवाला देते हुए इसमें शामिल होने की मजबूरी बताते हुए इसे ओंटेरियो में भी लागू कर दिया।

जानकारों का यह भी मानना था कि बोनी क्रोम्बी द्वारा अपनी ही केंद्रीय पार्टी के प्रति विरोध में खड़े होकर प्रस्तावित परियोजना के खिलाफ बयानबाजी करना सभी को अविश्वसनीय लग रहा हैं।

वहीं दूसरी ओर ऊर्जा मंत्री टॉड स्मिथ ने सोमवार को आयोजित प्रैसवार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए यह स्पष्ट कहा कि अभी तक बोनी क्रोम्बी ने यह स्पष्ट नहीं कहा कि वे इस परियोजना के पूर्ण रुप से विरोध में हैं, बल्कि वे इस परियोजना में सुधार चाहती हैं, जिसके लिए संसदीय कमेटी द्वारा अवश्य ही विचार किया जाएंगा और वांछित बदलावों को भी इसमें शामिल करने की योजना को तैयार किया जाएगा।

इस होली, स्टेन रिमूवर की एक साल की सप्लाई जीतें

टोरंटो। चमकीले रंग, संगीत, नृत्य और 'होली है' की आवाज़ें कुछ ऐसी सुखद यादें हैं जिन्हें हम होली के रंगीन त्योहार के आस-पास साझा करते हैं। इस वर्ष, जब आप खुद को होली के जीवंत रंगों में डूबोने की तैयारी करे रहे हैं, हम आपको आमंत्रित करते हैं कि आप अपनी सबसे ज़बरदस्त त्योहार की पोशाक पहनकर यह साझा करते हुए कि आप त्योहार को कैसे मनाते हैं, हमारे साथ उत्सव में शामिल हों। चाहे आप दोस्तों और परिवार को रंग लगा रहे हों, स्वादिष्ट मिठाइयों का आनंद ले रहे हों... हम सब कुछ सुनना चाहते हैं, खासकर अगर यह रंगों के साथ खेलने के बारे में है! होली के अपने बेहतरीन और शानदार पलों को #HoliWith OxiClean हैशटैग के साथ nstagram पर साझा करें और आपको OxiClean MaxForce Laundry Stain Remover Spray और OxiClean Versatile Stain Remover Powder की एक साल का सप्लाई जीतने का मौका मिल सकता है। दाग लगे कपड़े किसी को भी पसंद नहीं होते और कभी-कभी ऐसे मौके आते हैं जब आप उन्हें साफ करने की चिंता करने की बजाय उस लम्हे का आनंद लेना पसंद करेंगे। इसी तरह, जब आप इस साल होली मनाएं, तब अपने कपड़ों पर दाग लगने की चिंता किए बिना हर पल के रंग का लुत्फ उठाएं।

OxiClean का पानी से एक्टिवेट होने वाला फॉर्मूला सुरक्षित और कारगर सफाई के लिए बुदबुदाती ऑक्सीजन शक्ति को उत्पन्न करता है ङ्क और इसके साथ ही यह आपके कपड़ों पर कोमल भी रहता है। ये शानदार क्लोरीन-मुक्त, रंग-सुरक्षित स्टेन फाइटर्स आपकी धुलाई से ज़िद्दी दागों को निकालने के लिए ऑक्सीजन की शक्ति का उपयोग करते हैं ङ्क जबकि साथ ही आपके डिटर्जेंट की सफाई क्षमता में सुधार लाने के लिए आपके कपड़े धोने के पानी के श्वा को भी बढ़ाते हैं। उपयोग करने के लिए, बस अपने कपड़े धोने की रूटीन में OxiClean Ma&Force Laundry Stain Remover Spray और OxiClean Versatile Stain RemoverPowder को शामिल करें और सबसे ज़िद्दी और शक्तिशाली दागों का सफाया करें - चाहे वे इस होली में लगे हों या किसी अन्य खास पल में।

GUPTA ACCOUNTING OFFICE

SERVICES PROVIDED

- Accounting for Truck Drivers, Owner Operators & Brokers
- Accounting for Real Estate Agents & Brokers
- Accounting for Franchise Restaurant Businesses
- Accounting for Investment, Commercial & Rental Properties
- General Accounting & Bookkeeping Services
- HST, WSIB, EHT & Payroll Tax Returns
- Compilation of Financial Statements
- Business & Personal Tax Returns
- Business Registrations & Audits

www.surajgupta.ca
suraj@surajgupta.ca

SURAJ GUPTA CPA
PROFESSIONAL CORPORATION
TEL : 905-677-1334

2355 Derry Road East, Suite 33 (2nd Floor)
Mississauga, Ontario, L5S 1V6 (Derry/Torbram)

HAPPY HOLI

Welcome to India Sajawat and Puja Hut for Special 2024 Collection!
Incredible India - Incredible Art - Incredible Collection

We carry unique variety of Indian Hand Craft items including: Mandirs, Religious Murtis, Gift Items, Religious Photos, Village Art Pictures and Home Decors.

Visit us for the largest variety of Religious Books, Yoga Ramdev Baba Books, Bhajan CDs, DVDs, Real Rudraksha and Malas, Gem Stones, Feng Shui and Vastu Items, Musical Instruments, Weddings Accessories, Puja and Havan Items.

WE DO CUSTOM FRAMING ALSO.
See Our Advertisement on YOUTUBE.com

INDIA SAJAWAT AND PUJA HUT
31, Melanie Drive, Unit #5, Brampton, on l6t 5H8.
Tel: 905-458-6808, Cell: 647-220-3771
eMail: rishi_643@rogers.com, Website: www.sajawatpuja.com

Come visit our 5000 sq. ft. showroom in Brampton
Mon to Sat: 10 am to 8 pm, Sun: 10 am to 7 pm

Get 10% off with this ad

Published by
Hindi Abroad Media Inc.

Editor in Chief
Ravi R. Pandey

Sr. News Editor
Firoz Khan

Team
Rahul, Shiv, Jayshree, Sam chopra

New Delhi Bureau
Rangnath Pandey
(Ex Chief Sub Editor-Navbharat Times, New Delhi)
Vijay Kumar Pandey

Designing
Vijay kumar

7071 Airport Road, Suite 204A
Mississauga, ON
Canada, L4T 4J3
Tel : 905-673-9929,
Fax 905-673-9114
E-mail :
editor@hindiabroad.com
Website :
www.hindiabroad.com

Disclaimer : The opinions expressed in Hindi Aborad may not be those of the publisher. Contents of this publication are covered by copyright and offenders will be prosecuted under the law.

कैनेडियन संसद में पारित हुआ इजरायल-गाजा शांति प्रस्ताव

लेकिन अभी भी कुछ लिबरलस इस प्रस्ताव के विरोध में खड़े दिखाई दिए : एनडीपी

टोरंटो। हाऊस ऑफ कोमनस में एनडीपी सांसद द्वारा पेश किए गए इजरायल-गाजा शांति प्रस्ताव के मध्य अभी भी कुछ लिबरलस सामाजिक दरार उत्पन्न करने का प्रयास अवश्य कर रहे हैं। ज्ञात हो कि गत 7 अक्टूबर को हमास द्वारा किए गए इस निर्मम हमले के पश्चात इजरायल कभी नहीं चाहेगा कि वे इस युद्ध को समाप्त करें, लेकिन कैनेडियन सांसदों का यहीं मानना है कि दुनिया में शांति का माहौल ही सबसे अधिक उन्नति को प्रोत्साहित करने वाला उपाय हैं, जिसके लिए इस शांति प्रस्ताव का पारित होना अत्यंत आवश्यक हैं, जानकारों के अनुसार दो लिबरल सांसदों द्वारा इस प्रस्ताव प्रक्रिया में अनुपस्थित होकर इसे दो कम वोट दिलवाना भी एक चिंता का विषय हैं। एनडीपी प्रमुख जगमीत सिंह का यह भी माना कि इस प्रस्ताव के लिए कंसरवेटिवस ने पहले से ही नकारात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत कर इसके पारित नहीं होने देने का विचार स्पष्ट कर दिया हैं। उन्होंने यह भी माना कि फिलीस्तीनियो को समझना होगा कि कैनेडा की नई प्रस्तावना नीति वास्तव में उन्हें ही लाभ पहुंचाएंगी। ज्ञात हो कि सांसदों ने अभी तक इस नीति के लिए कोई भी संसदीय चर्चा या डिबेट आयोजित नहीं की थी, इसके उपरांत भी यह प्रस्ताव मार्जिन पर 204 की तुलना में 117 मत विरोध में मिलें, एनडीपी ने स्पष्ट रुप से यह भी दावां किया कि अभी भी लिबरल पार्टी में कुछ सांसद ऐसे हैं जो अप्रत्यक्ष रुप से इजरायल का साथ देना चाहते हैं और इसके लिए वे इजरायल को समर्थन देने के लिए उसके विरुद्ध आयोजित कोई भी प्रस्तावना बैठक में हिस्सा नहीं लेना चाहते। विदेश मंत्री मेनाली जौली ने भी अपने पिछले बयान में कहा था कि कैनेडा फिलीस्तीन के हिस्से वाले क्षेत्र पर कब्जा करने वाले कट्टरपंथी इजरायली नागरिकों और हमास नेताओं पर प्रतिबंध लगाएंगा। सरकार सक्रिय तौर पर इस दिशा में काम कर रही हैं। जौली ने यह भी कहा कि इसके लिए उन्होंने हाल ही में कई यूक्रेनी अधिकारियों से मुलाकात भी की थी। ज्ञात हो कि अमेरिका ने भी 7 अक्टूबर 2023 के बाद से हमास पर पांच राउंड में प्रतिबंध लगाए हैं। बीते सप्ताह भी अमेरिका ने हमास पर नए प्रतिबंध लगाएं थे। अमरिका ने वेस्ट बैंक में बढ़ रही हिंसा पर भी चिंता जताई। दरअसल वेस्ट बैंक में कट्टरपंथी इजरायली नागरि बस रहे हैं और साल 2023 में इनकी संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई हैं। इस पर पश्चिमी देशों में गहरी चिंता जताई जा रही हैं।

मंदी की सुगबुगाहट तेज़

जनवरी में 800 कंपनियों ने बैंकरप्सी फाइलिंग की

केवल जनवरी में ही 800 से अधिक कंपनियों ने बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया है। इससे पहले 2023 में देश में बैंकरप्सी फाइलिंग में करीब 40 फीसदी की तेजी देखने को मिली थी

ओटावा। कैनेडा में मंदी की सुगबुगाहट तेज़ हो रही है। देश में बैंकरप्सी के लिए अप्लाई करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। केवल जनवरी में ही 800 से अधिक कंपनियों ने बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया है। इससे पहले 2023 में देश में बैंकरप्सी फाइलिंग में करीब 40 फीसदी की तेजी देखने को मिली थी। हालात इस कदर बिगड़ गये हैं कि अभी जितनी कंपनियां बैंकरप्सी के लिए आवेदन कर रही हैं, वह संख्या पिछले 13 साल में सबसे अधिक है। आपको बता दें कि कोरोना काल के दौरान कंपनियों को 45,000 डॉलर का ब्याज मुक्त लोन दिया गया था जिसे चुकाने की डेडलाइन जनवरी 2024 में खत्म हुई थी। कैनेडा की जीडीपी में छोटी कंपनियों की करीब 33 फीसदी हिस्सेदारी है। सरकारी आंकड़ों की मानें तो देश की इकॉनमी मजबूत बनी हुई है। लेकिन छोटी कंपनियों और कई कंज्यूमर्स को संघर्ष करना पड़ रहा है। दिसंबर में कैनेडा की इकॉनमी के 0.3 फीसदी बढ़ने की संभावना है। इस तरह चौथी तिमाही में इसमें 1.2 फीसदी की तेजी की संभावना है। तीसरी तिमाही में देश की जीडीपी में 1.1 फीसदी गिरावट रही थी। इस प्रकार तकनीकी रूप से देश अभी मंदी की चपेट में आने से बचा हुआ है लेकिन इतनी बड़ी संख्या में कंपनियों का दिवालियापन के लिए आवेदन करना देश की अर्थव्यवस्था की ख़राब सेहत का संकेत है।

रोशेल की नई उत्पादन परियोजना में ब्रैम्पटनवासियों को मिलेगी 500 नई जॉब्स

ब्रैम्पटन.जयश्री

रोशेल के अधिकारियों की ताजा घोषणा के अनुसार जल्द ही ब्रैम्पटन में वे अपने ''स्मार्ट आर्मोड वेहीकलों'' के निर्माण क्षेत्र में विस्तार करने वाले हैं, जिससे न केवल क्षेत्र का विकास बढ़ेगा अपितु रोजगार में भी भारी वृद्धि की संभावना हैं। इस विस्तार से 500 नए जॉबस के पेदा होने की बात को सुनिश्चित किया गया हैं। इस परियोजना का निर्माण 140,000 वर्ग फुट के क्षेत्र में किया जाएंगा, इसके अतिरिक्त अब उत्पादन क्षेत्र में पेंटिंग, वेल्डींग और तकनीकी प्रचालन आदि सभी कार्यो को पूरा किया जाएंगा। अधिकारियों ने यह भी माना कि इस 65 मिलीयन डॉलर की परियोजना से संभवतः 500 नई नौकरियों का सृजन पक्का हैं, जिसके लिए युवाओं को भविष्य के लिए कई सुनहरे मौके मिलेंगे।

इस घोषणा के पश्चात सिटी ऑफ ब्रैम्पटन ने भी अपनी टिप्पणी में माना कि रोशेल की इस महत्वांकाक्षी योजना से सिटी में भी भारी उत्साह हैं और इससे शहर के विकास के साथ-साथ रोजगार को भी बढ़ोत्तरी मिलेगी और इससे ब्रैम्पटन ही नहीं पूरे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती करने में ब्रैम्पटन अतुलनीय भूमिका अदा करेगा। वहीं रोशेल के सीईओ रोमन शीमोनोव ने पत्रकारों को बताया कि कंपनी हमेशा नए-नए शोध कार्यों को प्रोत्साहित करती हैं जिसके लिए नई योजनाओं का विस्तार किया जा रहा हैं। उन्होंने यह भी माना कि नई विस्तार योजना से रोजगार की समस्या को भी हल करने में भारी सहयोग मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मदद मिलेगी। कंपनी की वैबसाईट के अनुसार यह उत्तरी अमेरिका की एक प्रख्यात कंपनी हैं जो वाहनों के निर्माण में निरंतर अपने कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। रोशेल के कस्टमरों की सूची में अमेरिकी सुरक्षा विभाग, अमेरिकी राज्य विभाग, नासा, अमेरिकी कस्टमस ओर सीमा सुरक्षा से संबंधित वाहनों के अलावा कैनेडियन राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां, गारडा वर्ल्ड और ब्रिंक्स आदि शामिल हैं, जिससे यह पता चलता है कि पश्चिमी दुनिया में सैन्य संबंधी वाहनों के निर्माण में यह कंपनी उल्लेखनीय भूमिका अदा कर रही हैं। इसका विस्तार ब्रैम्पटन के लिए खास होगा।

मलरौनी के अंतिम दर्शनों के लिए उमड़ी भारी भीड़

देश के 18वें प्रधानमंत्री ब्रायन मलरौनी को अंतिम विदाई देने पहुंचे दिग्गज व आम जनता

टोरंटो.रॉक्सी

ब्रायन मलरौनी को अपनी अंतिम विदाई देने के लिए पूर्व सहकर्मी, देश के दिग्गज नेता और लगभग सभी कैनेडियनस पार्लियामेंट हिल के निकट अधिकारिक लाईंग-इन-स्टेट पर पहुंचे। सैकड़ों लोगों में से एक अली ब्राउन ने बातचीत में मीडिया को बताया कि कैनेडा के 18वें प्रधानमंत्री के रुप में देशभर में विख्यात हुए ब्रायन मुलरोनी जैसा केयर टेकर अब भविष्य में कोई नहीं होगा। उन्होंने कैनेडियनस के लिए जितना परिश्रम किया शायद ही आने वाले समय में कोई इस देश के विकास के लिए कर पाएंगा। वह आज भी देश के लिए हीरो हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें, मंगलवार को पूरे देशभर में उनकी याद में शोक दिवस के रुप में मनाया गया, इसके लिए राष्ट्रीय भवनों पर कैनेडियन ध्वज को भी झुकाया गया। जानकारों के अनुसार इस पूरे समारोह में मुलरोनी का पूरा परिवार खड़ा था, जिसमें उनकी पत्नी मिला, उनकी बेटी कारोलाइन और तीन बेटे बेन, मार्क और नॉकोलस भी मौजूद थे।

इस अवसर पर देश के अधिकतर सभी कैबीनेट मंत्रियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की, इनके अलावा डिप्लोमेटस और अन्य वीआईपी अतिथियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की। इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ होगा कि देश की सभी राजनैतिक पार्टियों के मंत्रियों ने अपने श्रद्धासुमन उस महान नेता को अर्पित किए। मुलरोनी ने देश की सत्ता को लगभग 9 वर्षों तक वर्ष 1984 से 1993 तक संभाला। गत 29 फरवरी को फ्लोरिडा अस्पताल में उन्होंने अपनी अंतिम सांस ली थी। कैनेडियन इतिहास में उन्होंने कंसरवेटिव पार्टी के नेतृत्व में देश में दो बार बहुमत से सरकार बनाई और देश को एक नई ऊंचाईयों पर ले गए, जिसके लिए आज भी उन्हें याद किया जाता हैं। उनके मजबूत निर्णयों के लिए देश की राजनीति में उनका नाम सदैव विख्यात रहेगा जिसमें संयुक्त राष्ट्र के साथ मुक्त व्यापार, शीत युद्ध की समाप्ति और जीएसटी की शुरुआत आदि प्रमुख रुप से शामिल हैं।

अंतिम दर्शनों में सबसे पहले पहुंचने वालों में गर्वनर जनरल मैरी सीमॉन, उनके पति वीट फ्रेजर और प्रधानमंत्री जस्टीन ट्रुडो शामिल थे, इन लोगों ने ही सबसे पहले बुक्स ऑफ कोन्डोलेन्सस पर अपने संदेश दिए, जिसके पश्चात आंगतुकों की मानों भीड़ ही उमड़ पड़ी और सैकड़ों कैनेडियनस ने मुलरोनी को याद करते हुए संदेश लिखे। कई विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने भी अपनी श्रद्धांजलि देश के पूर्व प्रधानमंत्री को अर्पित कर उन्हें याद किया। जानकारों के अनुसार मुलरोनी ने 84 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली, 1 मार्च को उनकी बेटी कैरोलीन मुलरोनी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी जानकारी सबसे पहले दी थी। कैरोलीन मुलरोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि देश के 18वें प्रधानमंत्री का निधन हो गया। मुलरोनी परिवार ने कहा कि पिछली गर्मियों में 2023 की शुआत में प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के बाद हुई हृदय प्रक्रिया के बाद उनमें प्रतिदिन सुधार हो रहा था। वही प्रधानमंत्री जस्टीन ट्रुडो ने अपने संदेश में कहा कि मुलरोनी को कैनेडा बहुत पसंद था। मैं उनके निधन के बारे में जानकर स्तब्ध हूं। उन्होंने कैनेडा के लोगों के लिए काम करना कभी बंद नहीं किया था। उन्होंने हमेशा देश को घर कहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने की कोशिश की।

मैं वर्षों तक मेरे साथ साझा की गई अंतर्दृष्टि को कभी नहीं भूलूंगा - वह एक उदार, अथक और अविश्वसनीय नेता के रुप में सदैव प्रत्येक कैनेडियनस के मन में जीवित रहेंगे। क्यू के बाई कोमो में एक मजदूर वर्ग के परिवार में जन्मे ब्रायन मुलरोनी शुरुआती करियर की बात करें, तो वह पॉलिटिकल साइंस का अध्ययन करने वाले एक यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट के रुप में प्रधानमंत्री जॉन डिफेनबेकर के सलाहकार बन गए थे। पॉलिटिक्स में उन्होंने कई वर्षों तक पर्दे के पीछे रहकर काम किया।

पूर्व प्रधानमंत्री मलरौनी को अंतिम विदाई देने पहुंचे दिग्गज

पूर्व प्रधानमंत्री ब्रेन मलरौनी के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन हेतु औटवा के सर जॉन ए. मैक्डोनाल्ड भवन में रखा गया, जोकि पार्लियामेंट हिल के सामने हैं।

सुबह से ही यहां मलरौनी को श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लग गया था। इसमें प्रधानमंत्री जस्टीन ट्रुडो से लेकर अनेक गणमान्य लोगों ने अपने श्रद्धा सुमन पूर्व प्रधानमंत्री को अर्पित किए। स्थानीय लोगों के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करने का समय सोमवार को दोपहर 12:30 बजे से सायं 6 बजे तक रखा गया, जबकि मंगलवार को यह समय प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक था। भारी संख्या में लोगों का वहां पहुंचना मलरौनी की ख्याति को दर्शा रहा था। इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री को अपने अंतिम सुमन गुरुवार और शुक्रवार को भी अर्पित किए जा सकते हैं, जिसके लिए लोग मॉन्ट्रीयल के सेंट. पैट्रीक स्थित बासीलीका में जा सकते हैं। राज्य स्तरीय पर मलरौनी का अंतिम कार्यक्रम आगामी शनिवार को मॉटरे-डेमे बासीलीका में होगा। जहां कारोलाइन मलरौनी, जीन चारेस्ट और वीन ग्रेटजकी उपस्थित होंगे।

जल्द होगा गारडीनर एक्सप्रैसवे की विस्तार योजना का आरंभ

तीन वर्षों में पूर्ण होगी परियोजना : सिटी अधिकारी

यह मरम्मत कार्य आगामी 14 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा, जिसमें यह माना जा रहा है कि एक लेन को बंद रखा जाएगा।

टोरंटो। सिटी अधिकारियों ने पत्रकारों को बताया कि आगामी सोमवार, 25 मार्च को गारडीनर एक्सप्रैसवे की विस्तार योजना को आरंभ कर दिया जाएंगा। सबसे पहले इस परियोजना के अंतर्गत दुफेरीन स्ट्रीट और स्ट्राचन एवैन्यू के मध्य के सड़क मार्ग को चैड़ा करने का काम किया जाएगा। यह मरम्मत कार्य आगामी 14 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएंगा, जिसमें यह माना जा रहा है कि एक लेन को बंद रखा जाएंगा। इस समय के दौरान लेक शोर बाउलवर्ड से जैमसन एवैन्यू के पूर्वी छोर को भी बंद रखना पड़ेगा। जानकारों के अनुसार आगामी 29 और 30 मार्च को एक्सप्रैसवे की सभी लेन को खुला रखा जाएंगा, इसके अतिरिक्त 7 और 8 अप्रैल को भी दो दिनों के लिए एक्सप्रैस वे को खोला जाएंगा। परियोजना की रिपोर्ट के अनुसार आगामी 2027 तक एक्सप्रैसवे के विस्तार को अंतिम रुप दे दिया जाएंगा, जब तक किसी न किसी एक्सप्रैसवे लेन को बंद रखना होगा, जिसके लिए पहले से सूचना जारी की जाएंगी। ज्ञात हो कि इस 60 साल पुराने एक्सप्रैसवे की मरम्मत कार्य को पूरा करके इसका नवीनीकरण बेहद आवश्यक हो गया था। इसके लिए छः चरण की निर्माण परियोजना को पारित किया गया हैं, इससे पूर्व प्रथम चराण में जारीस स्ट्रीट से चैरी स्ट्रीट के निर्माण कार्य को पूरा किया गया था, रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इस एक्सप्रैसवे से प्रतिदिन अनुमानित 20,000 वाहन गुजरते हैं, जिसके कारण इसके कम लेनस पर हमेशा भारी दबाव बना रहता हैं, जिसे कम करने के लिए इसकी अतिरिक्त दो लेन के निर्माण की योजना को भी पारित किया गया और वर्तमान में सभी मरम्मत कार्यों को भी स्वीकृति दी गई हैं। सिटी और टोरंटो के अनुसार यातायात की सुगम व्यवस्था के लिए सभी प्रकार के कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने की योजना को तैयार किया गया हैं, विशेष रुप से निकटवर्ती ईलाकों में रहने वालों को रात्रि में निर्माण कार्य के शोर-गुल से कोई परेशानी न हो, इसलिए सभी प्रकार के कार्यों के लिए प्रातः 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक का समय सुनिश्चित किया गया हैं।

स्थानीय लोगों से भी इस संबंध में उचित मदद की अपील जारी करते हुए आगामी समय की पाबंदी को भी दोहराया गया हैं, यातायात संबंधी सभी दिशा-निर्देशों को समय-समय पर सार्वजनिक किया जा रहा हैं, जिससे लोगों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या का सामना नहीं करना पड़े। गौरतलब है कि इस बार का फीफा वर्ल्ड कप 2026 टोरंटो में आयोजित किया जा रहा हैं, जिसके कारण भी इस परियोजना को समय से पूरा करना अति महत्वपूर्ण हो गया हैं।

हैलिफ़ैक्स में पियरे पोइलिव्रे की 'एक्स द टैक्स' रैली के लिए जुटे सैकड़ों लोग

हैलिफ़ैक्स। हैलिफ़ैक्स में कैनेडा की कंज़र्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलिव्रे के साथ सेंट पैट्रिक दिवस रैली में सैकड़ों लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में, पोलिव्रे ने गिनीज का एक घूंट लेते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि 1 अप्रैल को शराब पर फेडरल टैक्स में दो प्रतिशत की वृद्धि होने वाली है, साथ ही नोवा स्कोशिया में ईंधन पर 3.3 प्रतिशत प्रति लीटर कार्बन टैक्स में वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा, जस्टिन ट्रूडो और एनडीपी ने मिलकर 23 प्रतिशत कार्बन टैक्स बढ़ोतरी के साथ अप्रैल फूल दिवस पर आपका मजाक उड़ाया है। गौरतलब है कि नोवा स्कोशिया प्रीमियर टिम ह्यूस्टन ने हाल ही में फेडरल सरकार से कार्बन टैक्स वृद्धि को रद्द करने के लिए कहा है। लेकिन फेडरल एनवायरमेंट मंत्री स्टीवन गुइलबुल्ट ने इस सप्ताह ब्रिजवाटर, एनएस में जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सबसे प्रभावी उपाय बताते हुए इसे खारिज कर दिया।

पोलिव्रे ने अपने 45 मिनट के भाषण के दौरान घर बनाने, बजट को संतुलित करने, संसाधन विकास, सार्वजनिक सुरक्षा और सैन्य खर्च के बारे में भी बात की। रैली में उपस्थित कई लोगों ने जीवन यापन की लागत के बारे में चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से कार्बन टैक्स बढ़ने के कारण। राहुल तिवारी डार्टमाउथ में रहते हैं और लगभग एक दशक पहले भारत से कैनेडा आकर बस गए थे।

उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति और आवास की लागत ऐसे मुद्दे हैं जो उन्हें रैली में लाए हैं। तिवारी ने कहा, ÷जैसे-जैसे साल बीतते हैं, मैं देखता हूं कि यह पहले जैसा नहीं रहा। यह सब दिखावटीपन, नाटक, कल्पना है, कार्रवाई नहीं।

तापमान में मामूली बढ़ोत्तरी के कारण ओंटेरियो में शीतनिंद्रा से बाहर आए बीयरस

टोरंटो। बसंत के मौसम में कैनेडा की जलवायु में आएं अचानक परिवर्तन ने एक बार फिर से मौसमविद्दों की चिंता को बढ़ा दिया हैं, इस समय जहां कैनेडा में ठंड का माहौल बना रहता था, वहीं ठंडा तापमान तेजी से सामान्य हो रहा हैं, जिसके कारण जंगलों में रहने वाले बीयरस अब अपनी शीतनिंद्रा को छोड़कर बाहर खुले क्षेत्रों की ओर अपना रुख कर रहे हैं, इस असमय हुई घटना पर अपनी टिप्पणी देते हुए पर्यावरण विद्दों का मानना है कि इस प्रकार से अचानक जलवायु परिवर्तन देश की स्थितियों में बदलाव कर सकता हैं, जिसके लिए हमें प्राकृतिक संतुलन बनाने की आवश्यकता होगी। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान वानिकी रिपोर्ट के अनुसार कई वन्य प्राणी अपनी शीतनिंद्राओं को त्यागकर शहरों की ओर अपना प्रस्थान कर रहे हैं।

फिलहाल जंगलों के निकटवर्ती क्षेत्रों में चेतावनी जारी कर दी हैं कि इस प्रकार के भयानक जंगली जानवरों को देखने पर घबराएं नहीं ओर स्थिति को जूझ-बूझ कर हल करें। हिंटरलैंड के कॉ-ओर्डिनेटर और भौतिकविद् एनी लैन्गलोइस ने मीडिया को बताया कि वर्तमान मौसम परिवर्तनों पर केंद्र सरकार को अपना पहला कदम उठाना होगा, जिसके कारण वर्तमान परिस्थितियों को हल करते हुए केंद्र सरकार को अब स्वयं इसमें दखल देना होगा, तभी हम चुनिंदा जंगली जानवरों का संरक्षण कर सके ओर सूत्रों के अनुसार इससे पूर्व ये कैनेडियन अत्यधिक ठंड वाले महीनों में गहरी निंद्रा में सो जाते हैं, और जैसे ही गर्मियां आरंभ होती थी, वैसे ही वे अपनी निंद्रा को समाप्त कर अपने होने की पुष्टि करते हैं। लैन्गलोइस ने मीडिया में यह भी बात कहीं कि वन्यजीव केवल अपने जीवन-यापन के लिए ही संसाधनों में परिवर्तन करते हैं, वहीं दूसरी ओर मनुष्य केवल अपनी निजी स्वार्थ के लिए निकटवर्ती संसाधनों से छेड़कानी करता हैं । एनी ने अपने साक्षात्कार में यह भी कहा कि इन वन्यजीवों को विशेष रुप से भोजन की तलाश होती हैं और जब तक उन्हें भोजन नहीं मिलता तब तक उनका प्रस्थान जारी रहेंी। बसंत में आमतौर पर हल्की ठंड रहती थी, जिसके कारण बीयरों को ओर अधिक गहरी नींद आती थी, लेकिन इस बार कई बार बीयरों को देखा गया हैं। मौसमविद्दों ने इस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों को समझना होगा कि हमारी लापरवाही के कारण ही जंगलों में अनियमितताएं बढ़ती जा रही हैं और अपनी भूख को शांत करने के लिए वे शहरों का रुख अपना रहे हैं, इसी श्रेणी में कई भालूओं को शहरों के सीमावर्ती क्षेत्रों में देखा गया हैं। जानकारों के अनुसार ये भालू वास्तव में ड़रपोक होते हैं और मनुष्यों से अधिक ड़रते हैं, लेकिन इनके विशालकाय शरीर को देखकर आम नागरिक इससे ड़र जाते हैं और हमला करते हैं, जिसके कारण अपने बचाव में ये भालू भी हमला करते हैं।

बीसी प्रीमियर डेविड एबी ने पियरे पॉलीव्रे के पत्र को किया खारिज

पोलिव्रे के पत्र में कहा गया है कि ट्रुडो की सरकार द्वारा स्थापित कार्बन कर प्रणाली प्रांतों पर थोपी गई है जिसके लिए उन्हें लगातार बढ़ते कर को स्वीकार करना होगा

ब्रिटिश कोलंबिया। बीसी प्रीमियर डेविड एबी ने विपक्षी कंजर्वेटिव नेता पियरे पोलिव्रे के उस पत्र को खारिज कर दिया, जिसमें उनसे फेडरल कार्बन कर वृद्धि को रोकने में मदद करने के लिए कहा गया था।

इसे 'बैलोनी फैक्ट्री' अभियान रणनीति कहा गया। शुक्रवार को भेजे गए पोलिव्रे के पत्र में एबी को 1 अप्रैल की कर वृद्धि के विरोध में सात अन्य प्रीमियर्स के साथ शामिल होने के लिए कहा गया है। पत्र में कहा गया है कि 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी एक लीटर ईंधन पर अतिरिक्त 18 सेंट के बराबर है और बीसी और कैनेडियन लोग इसे वहन नहीं कर सकते हैं। पोलिव्रे ने एक पेज के पत्र में कहा, आपसे अनुरोध है कि आप 1 अप्रैल की कर वृद्धि को लागू न करें। उन सात अन्य प्रीमियर्स में शामिल हों जो प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो से बढ़ोतरी रोकने की मांग कर रहे हैं। पोलिव्रे के पत्र में कहा गया है कि ट्रुडो की सरकार द्वारा स्थापित कार्बन कर प्रणाली प्रांतों पर थोपी गई है जिसके लिए उन्हें लगातार बढ़ते कर को स्वीकार करना होगा।

लेकिन वैंकूवर से लगभग 1,400 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में टेरेस में एक असंबद्ध संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए एबी ने कहा कि अगर बीसी ने पोलिव्रे के अनुरोध को स्वीकार कर लिया तो प्रांत को कम पैसे वापस मिलेंगे। पोलिव्रे के पत्र में कहा गया है कि बीसी और पूरे कैनेडा में लोगों को राहत की जरूरत है, न कि कर वृद्धि की।

पिता को दिए अभूतपूर्व प्रेम के लिए बेटों ने दिया कैनेडियन्स को धन्यवाद

मुलरोनी के अंतिम दर्शन पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे दिग्गजों और स्थानीय लोगों का प्रेम देख कृतज्ञ हुए पूर्व प्रधानमंत्री के तीनों बेटे

टोरंटो.विजय कुमार

पूर्व प्रधानमंत्री ब्रायन मुलरोनी की मृत्यु पर मानों पूरा कैनेडा ही रो रहा हो, उनके अंतिम दर्शन के लिए उमड़ी भीड़ इस बात का स्पष्ट प्रमाण दे रही हैं, मंगलवार को उनके पार्थिव शरीर को जनता की अंतिम श्रद्धांजलि के लिए औटवा के प्रख्यात भवन में रखा गया, जिसके पश्चात पूर्व प्रधानमंत्री के बेटों बेन, मार्क और निकोलस मुलरोनी ने आने वाले सभी दिग्गजों और स्थानीय कैनेडियनस का तहेदिल से धन्यवाद देते हुए संदेश दिया कि आपके प्रेम को देखकर हम सभी बहुत अधिक भाव-विभोर हो गए हैं, आपके प्रेम से हमें इस दुःख की घड़ी में बहुत अधिक हिम्मत मिली हैं।

पिता को याद करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रायन मुलरोनी की आत्मा भी यह देखकर प्रसन्न हो रही होगी कि जिस देश के विकास के लिए वे इतने वर्षों तक कार्यरत रहें, वे आज भी उन्हें इतना अधिक प्रेम करती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पिता कैनेडा से बहुत अधिक प्रेम करते थे और विशेष रुप से कैनेडियनस के लाभ हेतु नई-नई योजनाओं के लिए प्रयास करते थे, अपने मित्रों और प्रियजनों के लिए वे तत्पर कार्य करने को प्राथमिकता देते थे, जिसके कारण आज भी उन्हें इतनी अधिक संख्या में लोगों का प्रेम मिल रहा हैं, लोगों का मानना है कि इस प्रकार के व्यक्तित्व वाले लोग बहुत कम मिलते हैं, जिस अपने जीवन पर्यन्त केवल देश हित के बारे में ही विचार करते थे। ज्ञात हो कि इस अवसर पर कई विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने भी अपनी श्रद्धांजलि देश के पूर्व प्रधानमंत्री को अर्पित कर उन्हें याद किया।

जानकारों के अनुसार मुलरोनी ने 84 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली, 1 मार्च को उनकी बेटी कैरोलीन मुलरोनी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी जानकारी सबसे पहले दी थी। कैरोलीन मुलरोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि देश के 18वें प्रधानमंत्री का निधन हो गया। मुलरोनी परिवार ने कहा कि पिछली गर्मियों में 2023 की शुआत में प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के बाद हुई हृदय प्रक्रिया के बाद उनमें प्रतिदिन सुधार हो रहा था।

वही प्रधानमंत्री जस्टीन ट्रुडो ने अपने संदेश में कहा कि मुलरोनी को कैनेडा बहुत पसंद था। मैं उनके निधन के बारे में जानकर स्तब्ध हूं। उन्होंने कैनेडा के लोगों के लिए काम करना कभी बंद नहीं किया था। उन्होंने हमेशा देश को घर कहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने की कोशिश की। मैं वर्षों तक मेरे साथ साझा की गई अंतर्दृष्टि को कभी नहीं भूलूंगा - वह एक उदार, अथक और अविश्वसनीय नेता के रुप में सदैव प्रत्येक कैनेडियनस के मन में जीवित रहेंगे। क्यू के बाई कोमो में एक मजदूर वर्ग के परिवार में जन्मे ब्रायन मुलरोनी शुरुआती करियर की बात करें, तो वह पॉलिटिकल साइंस का अध्ययन करने वाले एक यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट के रुप में प्रधानमंत्री जॉन डिफेनबेकर के सलाहकार बन गए थे। पॉलिटिक्स में उन्होंने कई वर्षों तक पर्दे के पीछे रहकर काम किया। 1976 में अगले संघीय प्रगतिशील कंजर्वेटिव नेता बनने के लिए पहले कानून की डिग्री हासिल की।

प्रधानमंत्री ने प्रीमियर फ्यूरी पर 'राजनीतिक दबाव' के आगे झुकने का आरोप लगाया

ओटावा। प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रुडो ने लिबरल न्यूफ़ाउंडलैंड और लैब्राडोर प्रीमियर एंड्रयू फ्यूरी पर कार्बन टैक्स मूल्य वृद्धि के ख़िलाफ़ राजनीतिक दबाव के आगे झुकने का आरोप लगाया है। मॉन्ट्रियल में बोलते हुए ट्रुडो ने कहा कि कैनेडा में ऐसे राजनीतिक नेता जो प्रदूषण पर फेडरल सरकार की प्राइसिंग पॉलिसी के ख़िलाफ़ हैं, वे अल्पकालिक विचारक राजनेता हैं। आपको बता दें कि फ्यूरी ने पिछले सप्ताह प्रधान मंत्री को एक पत्र भेजा था जिसमें ट्रूडो से मुद्रास्फीति और ब्याज दरें स्थिर होने और जीवन यापन की लागत की चिंता पर्याप्त रूप से शांत होने तक अगले महीने कार्बन टैक्स वृद्धि को रोकने के लिए कहा गया था। नई प्राइसिंग पॉलिसी के तहत अप्रैल में प्रति टन कार्बन उत्सर्जन पर टैक्स को 65 डॉलर से बढ़ाकर 80 डॉलर किया जाना है। ट्रूडो ने कहा, मुझे लगता है कि मिस्टर फ्यूरी लगातार राजनीतिक दबाव के आगे झुक रहे हैं। प्रधान मंत्री ने आगे कहा, मुझे लगता है कि न्यूफाउंडलैंड और लैब्राडोर और पूरे देश में कैनेडियंस अपनी सरकारों से सही काम करने की उम्मीद करते हैं, और इस समय सही काम सिर्फ जलवायु परिवर्तन से लड़ना नहीं है।

सरकारी लाभ योजना को प्राप्त करने के लिए लाखों एन.बी. कर्मचारियों ने दिए आवेदन

टोरंटो। गत जनवरी में एन.बी. प्रीमियर ब्लाएने हिग्गस ने अपनी घोषणा में कर्मचारी वर्ग को राहत देते हुए यह घोषणा की थी कि जल्द ही 70,000 डॉलर से कम आय वालों को राहत स्वरुप 300 डॉलर की वित्तीय सहायता की जाएंगी। इसके लिए उन्होंने आवेदन मांगे, जिसके स्वरुप लाखों कर्मचारियों ने अपने आवेदन जमा करवा दिए हैं। लेकिन अब यह कहा जा रहा हैं कि अधिकतर आवेदनों में यह बात स्पष्ट नहीं कि कर्मचारियों की पिछले दो वर्षों से मासिक आय 3000 डॉलर से कम रही हैं। इसलिए उन्हें विचारणीय दस्तावेजों की श्रेणी में रखा गया हैं।

इस घोषणा के बाद रिवरव्यू टाऊन की काउन्सिलर और वरिष्ठ एडवोकेट सेसीले कासीसटा ने कहा कि यह जनता हैं और इन्हें ही सरकार चुनने का अधिकार हैं, इसलिए कोई भी सरकार यदि इनके साथ कौताही बरतती हैं तो यह मतदान में उससे अपना बदला पूरा करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रीमियर को अपनी घोषणा पर अवश्य पुनः विचार करना चाहिए और उसमें उचित संशोधन करते हुए सभी आवेदनों पर विचार करना चाहिए, जिससे भविष्य में उन्हें कोई नुकसान नहीं सहना पड़ें। वहीं सरकार ने दावां किया था कि वे 250,000 संबंधित कर्मचारियों को इसका लाभ देंगे, इसके लिए 75 मिलीयन डॉलर की वित्तीय योजना को तैयार किया गया था, इसके लिए गत 27 फरवरी को योजना का आरंभ किया गया और आवेदन मंगवाएं गए, जिसके पश्चात सरकार के पास आगामी 31 मार्च तक 196,000 आवेदन पहुंचने की संभावना जताई जा रही हैं, केवल 34 दिनों में यह संख्या अत्यधिक हैं, जिसके लिए सरकारी अधिकारियों ने उम्मीद तक नहीं की थी।

इसके अतिरिक्त अब यह घोषणा करना कि इनमें से केवल 35,100 आवेदन ही मानकों पर खरे उतर रहे हैं, लाखों लोगों को परेशानी में ड़ाल रहा हैं, जिसके लिए अन्य संबंधित विशेषज्ञों का कहना है कि इस विषय पर अवश्य सरकार को पुनः विचार करना चाहिए और उचित लाभ की योजना को पारित करते हुए संबंधित कर्मचारी वर्ग को लाभ देना चाहिए।

कैनेडियन वीजा का इंतजार करते हुए गाजा में मेरा भाई भूख के कारण मर गया : सावसन काराशूली

ओंटेरियो। 62 वर्षीय ओंटेरियो निवासी सावसन काराशूली ने केंद्र सरकार से अपील करते हुए गुहार लगाई हैं कि जल्द ही गाजा में रह रहे कैनेडियनस को निकालने की योजना को पूरा करें, उन्होंने बताया कि गत दिनों 4 मार्च को उसके भाई इस्माईल करशौली की फेसबुक पोस्ट में दी गई जानकारी में बताया गया कि भूख के कारण वह मर गया हैं, सूत्रों के अनुसार वह गत दो माह से भूखा-प्यासा किसी प्रकार से अपना जीवन बीता रहा था और अंत में वह भूख से हार गया।

उन्होंने केंद्र सरकार को अपना वादा याद दिलाते हुए कहा कि वे अपनी गाजा पीड़ितों को बचाने की योजना को जल्द ही कार्यन्वित करें, नहीं तो उसके भाई की भांति अन्य कैनेडियनस भी जल्द ही मृत्यु को प्राप्त हो जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि अब उसके मृत भाई की 25 वर्षीय बेटी लीना करशौली को कैनेडियन वीजा के इंतजार में गाजा में अकेली रह रही हैं। सावसन ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि उनकी सरकार इसी प्रकार से विलंभ करती रही तो अनेक कैनेडियनस से उन्हें हाथ धोना पड़ेगा। इस अवसर पर आयोजित साक्षात्कार में उसका बेटा मारकस भी उपस्थित था, उसने अपने मां की बात को काटते हुए कहा कि इससे पूर्व कोई अप्रिय घटना घटे और उसकी ममेरी बहन के शरीर पर कपड़े बचे नहीं तब तक का इंतजार नहीं करें और जल्द ही उन्हें बुलाने की कवायद को पूरा किया जाएं। कैनेडियन सरकार की नई सुरक्षा योजना के अनुसार जल्द ही 1,000 फिलीस्तनियों को कैनेडा लाने के प्रस्ताव को पूरा किया जाएंगा।

गौरतलब है कि गाजा शहर में कुवैत गोल चक्कर पर मंगलवार शाम को हुए इजरायली हवाई हमले में कम से कम 23 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। यह जानकारी फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने दी।

स्थानीय सूत्रों ने सिन्हुआ से कहा कि युद्धक विमानों ने एक स्थानीय स्वैच्छिक समूह, सहायता खरीद समिति को निशाना बनाया, जब वे चौराहे के समीप थे, जिससे कई लोग घायल हो गए, जिन्हें बाद में गाजा सिटी के अस्पतालों में भर्ती किया गया। सूत्रों के अनुसार, स्थानीय फिलिस्तीनी जनजातियों ने गाजा शहर और उसके उत्तर में सहायता वाले ट्रकों की सुरक्षा के लिए समूह का गठन किया है।

हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि गाजा पट्टी पर चल रहे इज़रायली हमलों में फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 31,819 हो गया है, जबकि 73,934 अन्य घायल हुए हैं। गाजा शहर में शिफा चिकित्सा परिसर में हुए इजरायली हमले में लगभग 250 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए।यह जानकारी हमास द्वारा संचालित मीडिया कार्यालय ने मंगलवार को दी। इसने कहा कि इजरायली सैनिकों ने अपने छापे के दौरान मरीजों, विस्थापित लोगों और नागरिकों पर गोलियां, गोले और मिसाइलें दागीं, जिसके परिणामस्वरूप 250 से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।

बयान में मरने वालों की सही संख्या नहीं बताई गई है। बयान में कहा गया है कि छापेमारी में हथियारों, पुलिस कुत्तों, दर्जनों टैंकों, ड्रोन और हेलीकॉप्टरों से लैस सैकड़ों इजरायली सैनिक शामिल थे। कार्यालय ने इस घटना के लिए इजरायल और अमेरिका को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया और इस घटना को उसने नरसंहार कहा है। कार्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय और संयुक्त राष्ट्र संगठनों से गाजा पर आक्रामकता को रोकने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करने का आह्वान किया। एक अलग बयान में हमास ने कहा कि अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दबाव और जबरन वसूली के साधन के रूप में नागरिकों के खिलाफ बढ़ती बर्बर आक्रामकता का उपयोग करने का प्रयास सफल नहीं होगा।

इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में कहा कि इजरायली सेना और जनरल सिक्योरिटी सर्विस शिन बेट ने लगातार दूसरे दिन शिफा परिसर में अपना अभियान जारी रखा। बयान के अनुसार, इज़रायली बलों ने अब तक 50 से अधिक तोड़फोड़ करने वालों को मार गिराया है और लगभग 180 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इजरायल रक्षा बलों ने मंगलवार को एक कमांडर की मौत की घोषणा की।

एनडीपी प्रस्ताव को कैनेडियन संसद में किया गया पारित

टोरंटो। हाऊस ऑफ कोमनस में एनडीपी द्वार फिलीस्तीनी राज्य के दर्जे पर लाया गया प्रस्ताव अनेक संशोधनों के बाद पारित कर दिया गया। प्रस्ताव की मूल भाषा को और अधिक आसान करते हुए 14 संशोधनों में से एक में सरकार से बातचीत के जरिए दो-राज्य समाधान के हिस्से के रुप में फिलीस्तीन राज्य की स्थापना की दिशा में काम करने की कवायद आरंभ की जाएंगी।

शुरु में लगभग 7.30 बजे ईटी पर होने वाले इस मतदान में भारी मतभेद देखने को मिला, जिससे सांसदों में भ्रम पैदा हो गया। देर शाम लिबरलस ने मान्यता देने वाले और नरसंहार की ओर इशारा करने वाले खंडों को बदलकर विपक्षी प्रस्ताव में संशोधन किया। जिन बिंदुओं पर एनडीपी ने जोर दिया और जिससे कुछ यहूदी समुदाय नाराज भी हो गए। अन्य संशोधनों के साथ-साथ हमास को एक ''आतंकवादी संगठन'' के रुप में बताया गया, यह भी पुष्टि की गई कि इजरायल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है और यह मांग करना शामिल है कि हमास सभी बंधकों को रिहा कर दें और अपने हथियार डाल दें। संशोधित प्रस्ताव में इजरायल को हथियारों के आगे हस्तांतरण को रोकने और हमास सहित हथियारों के अवैध व्यापार को रोकने के प्रयासों को बढ़ाने

फिलीस्तीनी राज्य के दर्जे पर पेश किए इस प्रस्ताव पर बनाई गई सभी की सहमति

की भी शुरुआत की जाएंगी। कंजर्वेटिव सांसद मिशेल रेम्पेल गार्नर ने शाम को शर्मिंदगी भरा करार बताते हुए कहा कि विदेश नीति को ग्यारह घंटे की संशोधन प्रक्रिया क साथ आकार नहीं दिया जा सकता हैं।

रेम्पेल गार्नर ने वोट से पहले मीडिया को बताया कि यह एक गंभीर मुद्दा हैं और इतना महत्वपूर्ण है कि कैनेडा लीडरशिप दिखाए और इसे सही करें। लेकिन जो हुआ वह बिल्कुल इसके विपरीत है। मतदान से बाहर आते हुए, विदेशमंत्री मेलानी जौली ने कहा कि एक बड़ी आम सहमति बनाना महत्वपूर्ण था। कई सांसदों के साथ काम करके यह सुनिश्चित करना कि हम दुनिया को एक महत्वपूर्ण संदेश भेज रहे हैं। दो लिबरल सांसदों ने इस प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। एनडीपी प्रमुख जगमीत सिंह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उनकी पार्टी में लिबरलस को इजरायली सरकार को हथियार बेचने को रोकने, अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय दोनों का समर्थन करने और चरमपंथी सैटलर्स पर पतिबंध लगाने के लिए मजबूर किया। हाऊस ऑफ कोमनस में चच्रा के दौरान जौली ने कहा कि हम विपक्ष के प्रस्ताव के आधार पर विदेश नीति नहीं बदल सकते। बीते साल हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर आतंकी हमला कर 1200 से ज्यादा लोगों की हत्या कर दी थी और करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया था।

इसके बाद इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर जवाबी हमला शुरु किया। गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायली सैन्य अभियान में अब तक 30,000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी हैं। ज्ञात हो कि कैनेडा हमेशा यही कहता है कि हमास एक 'आतंकवादी समूह' और इजरायल को अपनी रक्षा करने का अधिकार हैं। पिछले दिनों औटवा ने गाजा में बिगड़ते मानवीय संकट के कारण इस संघर्ष में युद्धविराम का आह्वान किा था।

मिसिसॉगा लक्जरी होम डेवलपमेंट की दो परियोजनाओं पर रोक

सिटी अधिकारियों के अनुसार परियोजना की डिटेल में ग्रीन लैंड संबंधी सुरक्षा की जानकारी अधूरी होने के कारण फिलहाल इन परियोजनाओं को रोका गया हैं

मिसिसॉगा.शेजल

सिटी ऑफ मिसिसॉगा की आयोजित बैठक में दो लक्जरी सिंगल-डीटेचड होम डेवलपमेंट परियोजनाओं को उचित जानकारी उपलब्ध नहीं करवाने के कारण फिलहाल के लिए रोक दिया गया हैं। इस बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए सिटी अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि मारिया एंड मारियो पोला और डायमंड लक्जरी डेवलपमेंटस की ये परियोजनाएं कुछ समय के लिए टाल दी गई हैं, इन डेवलपरों ने सिटी को अपनी कार्य-योजना में यह उचित प्रकार से नहीं बताया कि इन परियोजनाओं के कारण हरित भूमि की कितनी सुरक्षा हो सकेगी और भविष्य में उसके लिए क्या उपाय किए गए हैं?

यह फैसला सिटी की प्लानिंग मीटिंग में लिया गया, जिसमें सिटी स्टाफ ने माना कि योजना की रिपोर्ट में कुछ बाते अनिश्चित होने के कारण यह फैसला लिया गया, जिसका मूल कारण योजना में कुछ जानकारियां अधूरी रखी गई या उचित प्रकार से बताई नहीं गई। जिसमें यह भी शामिल था कि आवासीय परिसर और ग्रीन लैंड के मध्य कितनी ऊंची बाउन्ड्री बनाई जाएंगी, इसके अलावा उचित जोन मानकों का भी ख्याल

परियोजना को मान्य करवाने से पूर्व संबंधित डेवलपरों को पूर्ण हरित सुरक्षा की कार्य-योजना को समझाना होगा

रखा गया हैं या नहीं। ज्ञात हो कि यह रिपोर्ट सिटी के सामने गत 28 फरवरी को प्रस्तुत की गई थी, जिसके लिए सिटी ने पिछले वर्ष ही हरित भूमि सुरक्षा नियमों के अनुसार सभी डेवलपरों को पर्यावरण सुरक्षा के नियमों को कड़ाई से पालन करने का परामर्श जारी किया था। इसमें यह भी कहा गया कि इन परियोजनाओं के लिए प्रयोग होने वाली लकड़ियों के लिए सैकड़ों वृक्षों को काटा जाएंगा, जिसके लिए उन्हें पुनः रोपण की व्यवस्था को भी प्रदर्शित करना होगा। आवेदकों ने इस संबंध में भी कोई पूर्ण जानकारी नहीं दी हैं, जिसके कारण ये योजनाएं रोक दी गई हैं। गौरतलब है कि 2.66 हैक्टेयर भूमि में बनने वाले इस भवन को मिसिसॉगा के लक्जरी भवनों में से एक माना जा रहा था, लेकिन फिलहाल इस योजना के अधर में अटक जाने से रियल स्टेट में चिंता का माहौल व्याप्त हो रहा हैं। जबकि डेवलपरों का मानना है कि वे जल्द ही सिटी की सभी अनिवार्यताओं को पूरा करके इसके लिए अप्रवूल प्राप्त कर लेंगे।

सिटी ऑफ मिसिसॉगा एक बार फिर से उपचुनाव करवाने के लिए हो सकता हैं मजबूर : सूत्र

मिसिसॉगा.पूनम

सिटी के जानकारों के अनुसार केवल दो वर्षों के इतने कम समय में सिटी में उपचुनाव करवाने का बोझ बढ़ता जा रहा हैं, जहां आगामी 10 जून को सिटी अपने मेयर को चुनने के लिए उपचुनाव करवा रहा हैं, वहीं यदि इस चुनाव में शामिल वार्ड 5 के काउन्सिलर कारोलयन पैरीश सिटी के मेयर बनते हैं तो उनके वार्ड के काउन्सिलर को चुनने के लिए तुरंत एक और उपचुनाव घोषित करना होगा। इस बारे में सुनिश्चित निर्णय पैरीश के नामांकन के बाद ही हो जाएंगा।

मेयर पद के लिए नामांकन करने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल हैं। ज्ञात हो कि पैरीश ने इससे पूर्व यह घोषणा की थी, वह अभी भी विचार कर रहे हैं कि यदि उन्हें यह प्रतीत होता है कि वह मेयर के चुनाव को अवश्य जीतेंगे तभी वे इस पद के चुनाव में अपना नामांकन भरेंगे अथवा वह इसमें भाग नहीं लेगें। फिलहाल इस चुनाव के लिए उनके अलावा छः और उम्मीदवार मैदान में हैं जिसमें ब्राड बट, जो हॉर्नेनेक, जॉन कोवक, मैट मलरौनी, श्यू मैक्फेडन और एल्वीन टेडजो शामिल हैं।

पैरीश ने अपने संबोधन में हमेशा माना है कि उन्हें बहुत से रनवे पार करके लिए मेयर का पद मिल पाएंगा। सिटी ऑफ मिसिसॉगा में पिछले दो वर्षों से कई उपचुनाव आयोजित हो चुके हैं जिसमें वार्ड 2 काउन्सिलर पैट मुलीन के केवल नौ माह के कार्यकाल के बाद अपने पद से इस्तीफा दे देने के बाद और करेन रास के इस्तीफे ने सिटी के बोझ को और बढ़ा दिया था, फिलहाल वर्तमान उपचुनावों के संबंध में सुनिश्चित घोषणा नामांकन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही की जाएंगी।

होमऑनरों और संबंधित बढ़ते संपत्ति ठगी के मामलों को रोकने के लिए उठाएं उचित कदम : विशेषज्ञ

टोरंटो। लोग अपने सपनों का घर खरीदने के लिए सालों-साल मेहनत की कमाई से एक-एक पैनी जोड़ते हैं, दूसरी ओर ऐसे भी लोगों की कमी नहीं हैं जो अपने घर का सपना देख रहे लोगों को ठगने के लिए जाल बिछाकर बैठे हुए हैं। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे कई ठगी के मामले सामने आएं, जिसमें ऋणदाताओं को निशाना बनाया गया, ये ठग आपके गिरवी रखे मकान के कागजातों में हेरा-फेरी करके इसके नाम पर बैंक से और अधिक ऋण उठा लेते हैं और आपके द्वारा ऋण चुका देने के बाद भी बैंक यहीं कहता हैं कि अभी आपका ऋण शेष हैं, जब आपको पता चलता हैं कि आपके साथ ठगी हुई हैं। विशेषज्ञों की राय में इन सभी मामलों को नियंत्रित करने के लिए अब गृहस्वामियों और संबंधित लोगों को आगे आना होगा, तभी इस प्रकार के मामलों को रोका जा सकता हैं।

ये ठग जाली दस्तावेज बनाकर किसी दूसरे की संपत्ति को अवैध रुप से बेच देते हैं या उस पर बैंक से ऋण उठा लेते हैं। पिछले वर्ष टोरंटो पुलिस द्वारा ऐसे दो मामलों की जांच आरंभ की गई, जब घरों के मालिकों द्वारा ऐसी शिकायत दर्ज की गई कि उनके साथ धोखाधड़ी की गई हैं और इसमें से एक गृहस्वामी का घर तो ठग ने अपने नाम से किसी अन्य को बेच दिया। इस बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए रियल स्टेट लॉयर और एलडी लॉ एलएलपी के पार्टनर डैनियल ला

गाम्बा ने मीडिया को बताया कि इस प्रकार के ठगी के मामलों से बचा जा सकता हैं, इसके लिए बस आपकी सावधानी और सतर्कता की आवश्यकता हैं। इस प्रकार के ऋणों के लिए ठग सबसे पहले गृहस्वामी की झूठी आईडी बनाता हैं, एक जॉब लैटर तैयार करता हैं और अच्छी क्रेडिट रिपोर्ट या किसी उच्च अधिकारी का रैफरेंस तैयार करवाता हैं।

इसके बाद वह गृहस्वामी के संबंधित संपत्ति के झूठे दस्तावेज अपने नाम से बनवाकर बैंक में जाकर ऋण के लिए आवेदन करता हैं, वहां भी वे अपने काम को पूरा करवाने के लिए संबंधित अधिकारियों को घूस आदि का सहारा लेता हैं या अपनी मजबूरी का हवाला देते हुए बैंक अधिकारियों पर काम जल्दी करने को कहता हैं। जिसके बाद उसका काम होते ही वह उस प्रांत को छोड़कर ही कहीं बाहर चला जाता हैं और बैंक व वास्तविक गृहस्वामी आपस में पछताते हैं। इसलिए हमेशा अपने घर के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखें, जिससे कोई भी इसका अनुचित लाभ न उठा सके और आप किसी बड़ी परेशानी में न फंस जाएं।

इसके अलावा ऋण लेने पर समय= पर बैंक कर्मियों से संपर्क रखें जिससे किसी भी गलत लेन-देन पर वे सीधे आपसे संपर्क कर सके और अनुचित कार्यवाही पर तुरंत आपको सूचना दें। इसके साथ-साथ यदि आपकी संपत्ति इंश्योरड भी हैं तो भी कौताही न बरतें और सदा सतर्क रहें। अपने भुगतान की जानकारी बैंक से लेते रहें और किसी भी समय ये अचानक बढ़ जाएं या बैंक का लेटर आता हैं कि आपकी संपत्ति के ऋण भुगतान की किस्तों में बढ़ोत्तरी की गई हैं तो सावधान हो जाएं और तुरंत बैंक जाकर इसकी पूर्ण जानकारी प्राप्त करें। इसके लिए सबसे सुरक्षित तरीका अपनी संपत्ति का टाईटल इंश्योरेंस करवाना हैं, जिससे हमेशा आप सुरक्षित रहें ओर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने पर आपको नुकसान न हो। ज्ञात हो कि टाईटल इंश्योरेंस कंपनी एफसीटी आपको कम से कम एक बार अवश्य किसी भी ठगी या ऋण की सूचना अवश्य देते हैं, जिसके लिए आप सूचना के चार दिनों के अंदर जाकर कार्यवाही कर सकते हैं।

एफसीटी कैनेडा के वरिष्ठ कानूनी काउन्सेल जॉन ट्रेसी ने कहा कि किसी भी बड़ी लेन-देन या ऋण उठाने पर संबंधित सभी को सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सतर्क किया जाता हैं, जिससे संबंधित तुरंत इस ओर ध्यान देकर अपने हितों की रक्षा कर सके।

लोन संबंधी अपराध बढ़ रहे हैं कैनेडियन बिजनेस में : इक्वीफैक्स

टोरंटो। इक्वीफैक्स की ताजा कैनेडा की अंतिम तिमाही रिपोर्ट में यह माना गया कि देश में क्रेडिट डीलिंगक्रन्सी बढ़ रही हैं, आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा हुआ जिन्होंने बैंकों से लोन या क्रेडिट कार्ड जारी करवाकर समय से उसका भुगतान नहीं किया। इस वर्ष ऐसे मामलों का प्रतिशत 14.3 तक पहुंच गया हैं। वहीं वर्ष 2022 में जहां यह 12.5 प्रतिशत था, वहीं इस वर्ष इसके 16.3 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही हैं। जानकारों के अनुसार क्रेडिट डिलिंगक्रन्सी के मामलों में साल-दर-साल 1.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी कैनेडियन बैंकों के लिए चिंता का विषय हैं, इसे रोकने के लिए जल्द ही ठोस कदम उठाना अनिवार्य होगा। वहीं इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में दिवालिया घोषित करने वाले ऑफिसों की संख्या 41.4 प्रतिशत तक पहुंच गई हैं। इसमें अधिकतर व्यापारी उच्च ब्याज दर, उपभोक्ताओं की कम और महामारी काल में लिए ऋण का भुगतान आदि की समस्याओं से जूझ रहे थे।

श्री राम रथ यात्रा का आयोजन करेगा विश्व हिंदू परिषद

टोरंटो। विश्व हिंदू परिषद कैनेडा और यूएसए, कई मंदिरों और हिंदू समूहों के सहयोग से, 25 मार्च, 2024 को पूरे कैनेडा में श्री राम रथ यात्रा शुरू कर रहे हैं। भगवान राम से जुड़ी यह रथ यात्रा, कैनेडा के विभिन्न शहरों से होकर गुजरेगी। यात्रा का उद्देश्य शांति, सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत के संदेशों को बढ़ावा देना है । इसकी कल्पना ÷तीर्थ यात्रा÷ के रूप में की गई है, जो कैनेडा में रहने वाले सभी हिंदू श्रद्धालुओं के लिए सुलभ तीर्थ यात्रा है, जो विभिन्न कारणों से भारत में धार्मिक स्थलों की यात्रा नहीं कर सकते हैं।

श्री राम रथयात्रा के विशिष्ट मार्गों, भाग लेने वाले शहरों और कार्यक्रमों के बारे में अधिक जानकारी लॉन्च तिथि के करीब उपलब्ध होने की संभावना है। आयोजकों ने हिंदू समुदाय के सदस्यों और हिंदू संस्कृति का अनुभव करने में रुचि रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को उत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। आयोजकों का कहना है कि जो लोग श्री राम रथ यात्रा, इसके यात्रा कार्यक्रम और रथ यात्रा के दौरान होने वाले कार्यक्रमों के बारे में अधिक जानने में रुचि रखते हैं, वे वीएचपी कैनेडा और यूएसए की वेबसाइटों पर विजिट कर सकते हैं अथवा आयोजकों से सीधे भी संपर्क किया जा सकता है। आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से श्री राम रथ यात्रा को सफल बनाने की अपील की है।

मिसिसॉगा ईस्ट-कुकसिले निवासियों से टॉमी कोक्कट के नामांकन का समर्थन करने का अपील

मिसिसॉगा.राहुल

टॉमी कोक्कट के नामांकन के लिए अपना समर्थन दिखाने के लिए मिसिसॉगा ईस्ट-कुकसिले के निवासियों से अपील की गई है। टॉमी कोक्कट क्षेत्र से कंजरवेटिव पार्टी की उम्मीदवारी के लिए अभियान चला रहे हैं। यह अभियान उन निवासियों को कैनेडा की कंजर्वेटिव पार्टी (सीपीसी) का सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है जो कैनेडियन नागरिक हैं या 14 वर्ष से अधिक के स्थायी निवासी हैं। यह सदस्यता उन्हें नामांकन प्रक्रिया में भाग लेने और उनकी राइडिंग के लिए सीपीसी उम्मीदवार के रूप में टॉमी कोक्कट को वोट देने की अनुमति देती है। एक सदस्यता में परिवार के अधिकतम पांच सदस्यों को शामिल किया जा सकता है। कंजरवेटिव पार्टी के समर्थकों का कहना है कि सीपीसी में शामिल होने और नामांकन प्रक्रिया में भाग लेने से, मिसिसॉगा ईस्ट-कुकसेल के निवासियों को अपने समुदाय के भविष्य को आकार देने और फेडरल मंच पर उनका प्रतिनिधित्व करने वाले को प्रभावित करने का अवसर मिलता है।

मिसिसॉगा परिवहन सेवाओं ने बढ़ाएं किराये

मिसिसॉगा.साम चोपड़ा

मिसिसॉगा परिवहन के किरायों की वृद्धि को सुनिश्चित करते हुए सिटी ऑफ मिसिसॉगा ने अपने ताजा संदेश में कहा कि अब माईवे के विकास हेतु यह आवश्यक था। सूत्रों के अनुसार आगामी 1 अप्रैल से सभी माईवे कैश और सिंगल प्रैस्टो के किरायों में 6.25 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी को स्वीकार किया गया हैं। इसके अलावा नकदी यात्राओं पर 25 सेंटस तक की बढ़ोत्तरी सुनिश्चित की गई हैं जिसमें अब किराया 4 डॉलर के स्थान पर 4.25 डॉलर लिया जाएंगा, वहीं सिंगल प्रैस्टो कार्ड पर यह 3.20 डॉलर से बढ़ाकर 3.40 डॉलर तक लिया जाएंगा। इस बढ़ोत्तरी के बाद बसों के कार्य घंटों में भी बढ़ोत्तरी करते हुए इसे 57,000 सर्विस आवरस नियुक्त किया गया हैं। इसके लिए मिसिसॉगा के पिछले बजट में ही प्रस्तावना तैयार कर ली गई थी, लेकिन उसे कार्यन्वित अभी किया गया।

कैनेडियन वंडरलैंड में लगे नए झूले, प्रवक्ता ने कहा,पुराने को कहें गुडबाय

टोरंटो। कैनेडियन वंडरलैंड के संबंधित प्रवक्ता ने मीडिया को सूचित करते हुए कहा कि वंडरलैंड का नया 'एक्सट्रीम स्काईफ्लायर' जल्द ही आरंभ हो जाएंगा, जिसके लिए एक बार फिर से कैनेडियन वंडरलैंड पूरी दुनिया में प्रख्यात होने की आशा जताई जा रही हैं। इससे पूर्व लगे झूले को वर्ष 1996 से वाघन एम्युजमेंट पार्क से यहां स्थानांतरित करके लगाया गया था, जिसके बाद लगभग 1.2 मिलीयन चक्कर लगाने के बाद अब इसे और अधिक अच्छे झूले से बदला गया हैं, पार्क में यह बदलाव पूर्ण रुप से आगामी 3 मई को आरंभ कर दिया जाएंगा और लोगों को नए 'एक्सट्रीम स्काईफ्लायर' का आनंद मिलेगा। इसके अलावा आगामी 25 मई तक 'मूशेहोर्न फाल्स' और 'जाइंटबूमेरेंग वाटर स्लाईड' को भी चालू किया जाएंगा, वंडरलैंड के कई स्थानों का भी नवीनीकरण कार्य पूरा हो चुका हैं, जिसके लिए सभी को विस्तृत जानकारी वंडरलैंड की अधिकारिक वैबसाईट पर दी जा रही हैं। बदले हुए वंडरलैंड में कई अन्य बदलावों को भी सुनिश्चित किया गया हैं।

10 अगस्त 2023 को, पार्क ने मूसहॉर्न फॉल्स की घोषणा की , जो 2024 सीज़न के लिए स्प्लैश वर्क्स के लिए एक नया वॉटरस्लाइड है। स्लाइड में छह-व्यक्ति राफ्टों को छोटी-छोटी बूंदों और मोड़ों के नीचे यात्रा करते हुए दिखाया जाएगा, इससे पहले कि एक बड़ी बूंद 13-मीटर (42 फीट) की दीवार में गिरती है, जो अंतिम स्पलैश पूल में जाती है। ÷मूसहॉर्न फॉल्स÷ नाम न्यू ब्रंसविक के फंडी नेशनल पार्क में मूसहॉर्न ट्रेल पर झरने से प्रेरित है । ट्रेल और पार्क यूनेस्को द्वारा नामित फंडी बायोस्फीयर क्षेत्र के भीतर स्थित है। 8 फरवरी 2024 को, कनाडा के वंडरलैंड ने घोषणा की कि एक्सट्रीम स्काईफ्लायर 2024 सीज़न के लिए स्थायी रूप से बंद हो जाएगा। आकर्षण को हटाने से पहले 1.17 मिलियन से अधिक सवारी दी गई। पार्क द्वारा भविष्य में विस्तार और विकास के लिए इस बंद का हवाला दिया गया था। ओंटारियो सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप पार्क 2020 सीज़न के लिए बंद रहेगा।

इसके कारण उस सीज़न के हैलोवीन हंट और विंटरफेस्ट कार्यक्रम भी रद्द हो गए। कैनेडा के वंडरलैंड ने 30 अक्टूबर 2020 को खाली पार्क की विशेषता वाले हंट का जश्न मनाने के लिए नाइटटाइम वॉक शीर्षक से चार डरावनी विगनेट्स की एक श्रृंखला पोस्ट की। पार्क को मई 2021 में फिर से खोलने का प्रयास किया गया, लेकिन इसे उसी वर्ष जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया। 2021 के संक्षिप्त सीज़न के दौरान मेहमानों को अपनी यात्रा की तारीख और समय बुक करने के लिए एक ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली की आवश्यकता थी।

ओंटेरियो के अनुमानित 300 से अधिक मरीजों को उनकी पसंद के एलटीसी होम्स में नहीं भेजा गया

टोरंटो। दीर्घकालीन कल्याण मंत्रालय के आदेशानुसार इससे संबंधित कई मरीजों को निकट के एलटीसी होमस में स्थानांतरित किया गया, जिसमें से उत्तरी ओंटेरियो के उन मरीजों को 70 किलोमीटर से 150 किलोमीटर के अंदर दायरे में ही भेजा जाएं, जिससे इन मरीजों को इनकी पसंद का एलटीसी होमस नहीं मिल पाया हैं, जिसकी शिकायत दर्ज करते हुए यह माना गया कि जल्द ही उन्हें अपनी पसंद के होमस में भेजा जाएं, वहीं सरकार का दावां है कि सभी को उनकी पसंद के होमस में भेजना संभव नहीं, क्योंकि सभी की पसंद एक-दो एलटीसी होमस ही हैं, जिसके कारण ऐसा करना उचित नहीं होगा, क्योंकि चुनिंदा एलटीसी होमस पर दबाव कम करने के लिए ही यह व्यवस्था की गई थी। संबंधित मंत्रालय ने भी इस संबंध में जारी आंकड़ों में माना कि अभी तक इस बारे में 293 मरीजों ने माना कि उन्हें अपनी पसंद के होमस नहीं मिले थे।

इन मरीजों को सितम्बर 2022 से इस वर्ष के जनवरी के मध्य स्थानांतरित किए गए। चो के कार्यालय द्वारा जारी रिपोर्ट में यह भी माना गया कि इसमें से 1.7 प्रतिशत मरीजों को अस्पतालों से डिस्चार्ज भी कर दिया गया हैं।

अपने एक साक्षात्कार में चो ने यह भी माना था कि उनकी सरकार की यहीं कोशिश है कि अधिक से अधिक मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिल सके, इसलिए संबंधित मरीजों को भी इस बारे में विचार करते हुए अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को अधिक तवज्जो देनी चाहिए, न कि अन्य संसाधनों की ओर ध्यान देना चाहिए।

छापेमार कार्रवाई में ड्रग्स, हथियार, बारूद जब्त, 4 लोग गिरफ़्तार

टोरंटो। यॉर्क रीजनल पुलिस ने ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में सिलसिलेवार छापों के बाद चार लोगों को गिरफ्तार किया है और कथित तौर पर हथियारों और बारूद के साथ लगभग 40 किलोग्राम अवैध दवाएं जब्त कीं।

यॉर्क रीजनल पुलिस की गन्स, गैंग्स और ड्रग एन्फोर्समेंट यूनिट के नेतृत्व में हुई इस जांच में संदिग्ध ड्रग तस्करों के एक संगठित समूह को निशाना बनाया गया। यह कारवाई जनवरी से मार्च तक चली। पुलिस ने कहा कि उन्होंने दो किलोग्राम कोकीन, 34 किलोग्राम कैनबिस, 263 ग्राम एमडीएमए, और 900 मिलीलीटर कोडीन के साथ-साथ अतिरिक्त गोला-बारूद के साथ एक भरी हुई हैंड गन बरामद कीं।टोरंटो और यॉर्क तथा डरहम क्षेत्रों में पुलिस द्वारा पांच घरों में तलाशी वारंट निष्पादित करने के बाद टोरंटो निवासी 22 वर्षीय जैक होल्मन और 27 वर्षीय अलेक्जेंडर खटरा, व्हिटबी के 28 वर्षीय रागवन रविनथिरन और रिचमंड हिल के 18 वर्षीय नूह बूज़ो को गिरफ्तार किया गया था।

स्वास्थ्य संबंधी कोई भी कौताही करने से बचें : हैल्थ इन्सपेक्टरस

मिसिसॉगा.नीलम

मिसिसॉगा के दो प्रख्यात रेस्टोरेंटस के साथ-साथ ब्रैम्पटन के बफेट स्पॉटस को भी पील पब्लिक हैल्थ इन्सपेक्टरस ने नोटिस जारी करते हुए स्पष्ट कहा कि भविष्य में इस संबंध में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, 13 मार्च से 20 मार्च तक चले पील पब्लिक हैल्थ जांच सप्ताह के दौरान इन्सपेक्टरस द्वारा यह खाद्य सुरक्षा निर्देश जारी किए गए। ओंटेरियो के खाद्य परिसर नियमों के अंतर्गत पील प्रांत के अधिकारियों ने यह निरीक्षण कार्य को पूरा किया और जिन रेस्टोरेंटस और संबंधित हॉलस ने नियमों का उल्लंघन किया उस पर कार्यवाही की बात को स्वीकारा हैं।

इस बार शहर के सभी रेस्टोरेंटस, कॉकटेल बारस, बैकरीज और टेकआउट फूड संस्थान को पील पब्लिक हैल्थ की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं। पील प्रांत ने यह भी माना कि हमारा लोक स्वास्थ्य निरीक्षक द्वारा इस अवसर पर कई शैक्षणिक बातों को जारी किया गया हैं, जिसके अंतर्गत उन्हें नियमों को मानना होगा और भविष्य की कार्यवाही को पूरा करना होगा।

- स्टोर कीपर को सभी खाद्य उत्पादों को उनके खराब होने की अंतिम तिथि तक स्टोर नहीं करना होगा। उससे पूर्व ही उसका निपटान आवश्यक है।

- फूड रखने का स्थान पूर्ण रुप से साफ-सुथरा होना चाहिए,किसी भी प्रकार की अनदेखी को बर्दाश्त नहीं किया जाएंगा।

- इसके अलावा उन स्थानों को भी साफ-सुथरा रखना होगा जहां ये उत्पाद नहीं रखे गए हैं, जिससे किसी भी प्रकार का बैक्टेरिया वहां तक न पहुंचे। यह गंदगी भी नहीं सहन होगी।

- खाना बनाने के स्थान पर किसी भी प्रकार की बदबू, धुंआ, भभक, विषाद आदि को हटाने के लिए उचित रुप से वेन्टीलेशन की व्यवस्था हो। इसके लिए भी कोई अनुमति नहीं होगी।

- प्रचालकों को सभी प्रकार के अपने खाद्य परिसरों को कीड़े-मकौड़ों आदि से मुक्त रखने के लिए उचित प्रबंध करने होंगे, जिससे भविष्य में उन्हें कोई परेशानी नहीं उठानी पड़े।

- तापमान से संबंधित खाद्य उत्पादों के लिए सभी प्रकार के व्यजंनों को उनके मानकों के अनुसार ही सुरक्षित रखना होगा, जिसके कारण उनकी पौष्टिकता खराब नहीं हो।

- प्रचालकों को यह भी कहा गया कि फ्रीज आदि में रखने वाले सामान का तापमान उचित डिग्री पर ही रखे अधिक ठंडा करके खाद्य उत्पादों को अधिक समय तक सुरक्षित रखने का प्रबंध नहीं होना चाहिए।

यौन पीड़ित फिलीस्तीनी महिलाओं की अवश्य मदद करेगा कैनेडा : जौली

इजरायली राजदूत को लताड़ा, विदेश मंत्री मेलानी जौनी ने कहा कि यह बर्दाश्त नहीं होगा

ऐसी पीड़ित महिलाओं के लिए कैनेडा देगा 1 मिलीयन डॉलर की सहायता राशि

ओटवा। विदेश मंत्री मेलानी जौली ने मंगलवार को जारी अपने सोशल मीडिया पर दिए बयान में माना कि इस समय फिलीस्तीन के कई क्षेत्रों में महिलाओं के साथ बहुत अधिक घिनौना कृत्य किया जा रहा हैं, जिसे रोकना होगा और उनकी सहायता के लिए सभी मित्र देशों को आगे आना होगा। गत दिनों 'एक्स' पर दिए बयान में जौली ने यह भी कहा कि इसके लिए उन्होंने स्वयं इजरायली राजदूत से बातचीत की हैं और कहा कि यौन पीड़ित महिलाओं के लिए विशेष राहत कार्य अपनाएं जाएं और गाजा में हो रहे इस प्रकार के कृत्यों को रोकने के लिए नए बयान जारी किए जाएं, जौली ने यह भी माना कि इस समय वेस्ट बैंक और गाजा में फिलीस्तीनी महिलाओं की स्थिति सबसे अधिक दयनीय हैं। गत दिनों इस संबंध में गत दिनों आयोजित एक वैश्विक बैठक में संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अबदुल्लाह बिन जायद के साथ संबंधित सहायता कार्यों पर गहन चच्रा की गई। जौली ने माना कि इस समय गाजा पीड़ितों को हर संभव सहायता दी जाएंगी। जौली ने 'एक्स' पर दिए अपने संदेश में यह भी बताया कि कैनेडा हमेशा से मानवीय मूल्यों को महत्व देता हैं, इसी श्रेणी में कार्यों को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा स्थितियों पर अन्य देशों के साथ सहायता में कार्य किया जाना सुनिश्चित किया गया हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इसके लिए समुंद्रीय कॉरिडोर पर कार्य किया जाएंगा, जिससे हजारों पीड़ितों की उचित मदद की जा सके। गत शुक्रवार को आयोजित इस बैठक में यूएई के अलावा यूरोपीयन संघ, जर्मनी, ग्रीस, ईटली, द नीदरलैंडस, साइप्रस, ब्रिटेन और संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की और इस भयावह होती वैश्विक समस्या पर जल्द ही उचित कार्य करने की चुनौती को स्वीकार किया। इजराइल ने गाजा पट्टी में भुखमरी को हथियार के रूप में उपयोग करने के आरोपों को खारिज कर दिया है, क्योंकि 07 अक्टूबर से 1,95.000 मीट्रिक टन से ज्यादा मानवीय सहायता ले जाने वाले 9,200 ट्रक फिलिस्तीनी क्षेत्र में प्रवेश कर चुके हैं।

तेजी से सुधर रहा हैं कैनेडा का एयरलाईन मार्केट

मॉन्ट्रीयल। संबंधित जानकारों का मानना है कि कैनेडियन एयरलाईन मार्केट में तेजी से सुधार आ रहा हैं, इसी श्रेणी में आगामी मई तक संबंधित विमानन कंपनियां किरायों में वृद्धि की योजना बना रही हैं, जिसके अंतर्गत अब लोगों को हवाई यात्राओं के लिए कम खर्च वाली सभी परियोजनाओं को भूलना होगा और नियमित यात्रा के लिए अधिक भुगतान करना होगा। कोविड-19 महामारी काल के बाद से कैनेडियन हवाई कंपनियां गहरे घाटे का सामना कर रही थी, जिसके कारण कई बार उन्होंने संबंधित केंद्रीय मंत्रालय से भी इस विषय पर गुहार लगाते हुए किरायों में वृद्धि को सुनिश्चित किया था, जिसके लिएअब मंजूरी मिल गई हैं और अगले 12 माह के अंदर विमानन कंपनियां नई सुविधाओं के साथ-साथ किरायों में बढ़ोत्तरी करेगी और लंबे समय तक की फ्लाईटों में इसे नियमित किया जाएंगा। फिलहाल एयर कैनेडा और वेस्टजेट ने यह भी बताया कि परिस्थितियों को देखते हुए ही वे अपनी कीमतों को बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार करेंगे, वहीं पॉर्टर एयरलाईन्स इस बारे में सुनिश्चित निर्णय ले चुका हैं। वे आगामी दिनों में इसमें अवश्य वृद्धि कर सकते हैं।

कैनेडियन सिनेमा जगत वित्तीय संकट से गुजर रहा हैं : स्टडी

टोरंटो। फिलहाल किए ताजा शोध में यह बात स्पष्ट की जा रही हैं कि इस समय कैनेडा का स्वतंत्री सिनेमा जगत गहरे वित्तीय संकट से गुजर रहा हैं। देश के अधिकतर सभी थियेटरों को स्वयं को उचित प्रकार से चलाने के लिए और अधिक वित्तीय फंडींग की आवश्यकता बताई जा रही हैं। नेटवर्क ऑफ इंडीपेन्डेन्ट कैनेडियन एक्सीबीटरस द्वारा जारी इस रिसर्च द्वारा तैयार रिपोर्ट में बताया गया कि देश के लगभग 60 प्रतिशत स्वतंत्र सिनेमा संचालकों को गत वर्ष दिसम्बर से इस वर्ष फरवरी तक भारी हानि का सामना करना पड़ा हैं। इसमें से 67 प्रतिशत अर्थात् दो-तिहाई का कहना है कि यदि इस उद्योग को नियमित रुप से चलाना है तो और अधिक पब्लिक फंडींग मुहैया करवाई जाएं, रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वर्तमान में अगले तीन वर्षो के लिए अतिरिक्त 50,000 डॉलर की फंडींग जारी करने की बात को स्वीकारा गया हैं। वही नाईस की निदेशक सोनया विलीयम ने माना कि यह आंकड़े केवल एक पिक्चर हैं, वास्तविक स्थिति इससे भी अधिक खराब हैं, इसमें जल्द ही कोई उचित बदलाव नहीं किया गया तो इसके परिणाम दुःखद होंगे।

सही फंडींग ही इस पूरे संकट को निपटा सकते हैं। उन्होनें यह भी बताया कि कोविड-19 महामारी से ही यह उद्योग गहरे वित्तीय संकट से जूझ रहा हैं और केंद्रीय सरकार द्वारा अनुचित सहयोग की मार ने इस उद्योग को और अधिक बुरे दौर से गुजरने के लिए मजबूर कर दिया हैं। इस समय भारी वित्तीय संकट के कारण कई प्रकार की परियोजनाएं अधर में अटकी हुई हैं, पिछले सप्ताह आयोजित कैनेडा के सबसे बड़े डॉक्यूमेन्ट्री फिल्म फेस्टीवल में अपने संबोधन में हॉट डॉक्टस के अध्यक्ष ने भी माना कि भविष्य में कैनेडियन सिनेमा का आनंद लेने के लिए अब दर्शकों को सहयोग देना होगा। भविष्य में होने वाली गतिविधियों को भी सीमित वित्त के कारण छोटे स्तरों पर आयोजित किया जा रहा हैं।

नाईस ने यह भी मांग करते हुए कहा कि अब स्टूडियो इस उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए दो-तीन-या चार सप्ताह तक फिल्मों को चलाएं जिससे उसकी उचित लाभ की राशि वसूली जा सके और फिल्म निर्माताओं और संबंधितों को वित्तीय लाभ दिया जा सके। विलीयम ने यह भी कहा कि सिंगल स्क्रीन सिनेमा को अन्य संबंधित उद्योगों द्वारा मदद दी जानी चाहिए। फिलहाल उन्होंने इस बात पर अफसोस जताते हुए कहा कि भविष्य में कोई भी ऐसी योजना नहीं दिख रही जिससे इस उद्योग को प्रोत्साहन में मदद मिल सके।

बैंक घोटाला, महिला ने गवाएं 17,000 डॉलर

ओंटेरियो। स्कारबो निवासी एंजेला फेंन्ज ने पत्रकारों को बताया कि बैंक ऑफ मॉन्ट्रीयल में एक बैंक जांच के दौरान घोटाले का शिकार बनने के कारण उसे 17,000 डॉलर का चूना लग चुका हैं। उसने बताया कि ठगी से पूर्व बैंक के संबंधित विभाग की शाखा का नाम लेकर उससे कहा गया था कि वह एक बीएमओ सिक्योरिटी डिपार्टमेंट से संबंधित हैं और उनके साथ सहयोग करें।

उसने घटना की संपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि गत वर्ष अप्रैल में उसके पास एक कॉल आई जिसमें कहा गया कि वे बैंक से बात कर रहे हैं। संबंधित अधिकारी ने बताया कि उसके बैंक खाते में किसी प्रकार की संदिग्धता देखी जा रही हैं जिसके कारण अज्ञात स्त्रोंतों द्वारा उसकी धनराशि को नुकसान पहुंचाया जा सकता हैं। इसलिए वह अपना बैंक कार्ड नंबर हमें दें दे, जिसे देते ही लगभग एक घंटे के अंदर ही उसके खाते से तीन समान किस्तों पर लगभग 14,000 डॉलर निकाल लिए गए। पीड़ित महिला ने यह भी बताया कि उसके बैंक में कुल 17,382 डॉलर की राशि जमा थी, जिसे चालक ठग ने तुरंत ही अपने खाते में हस्तांतरित कर लिया। धन के निकलते ही उसने फौरन अपने बैंक में कॉल किया और इस ठगी की सूचना दी जिसके लगभग तीन घंटे बीत जाने के बाद भी बैंक स्टाफ ने यह नहीं बता सकें कि उनके धन को किस खाते में हस्तांतरित किया गया। वहीं जब फैन्ज ने बैंक अधिकारियों से बातचीत की और तो उन्होंने इस बारे में कोई अधिक मदद करने से भी साफ इंकार कर दिया और बताया कि बैंक अब उनका निकाला गया धन भी खाते में नहीं ड़ाल सकता। उन्हें अपनी सतर्कता स्वयं रखनी चाहिए थी, इस प्रकार की ठगी के लिए बैंक की कोई भी जिम्मेदारी नहीं होती हैं। वह आज स्वयं को बहुत अधिक असहाय समझ रही थी। उसके एक छोटी सी भूल के कारण उसकी कुल जमापूंजी आज उसके पास नहीं हैं, इसलिए बैंक ने कई बार चेतावनियां भी जारी की हैं कि किसी भी व्यक्ति को चाहे वह अपने आपको कितना भी बड़ा अधिकारी या आपका प्रियजन बताता हो कभी भी ओटीपी शेयर नहीं करना चाहिए, इसके कारण आपको कभी भी कोई बड़ा चूना लगा सकता हैं।

शहर में पहली बार दिखें बाल्ड ईंगल का घोंसला टूटा पाया गया : स्टीवन

टोरंटो। टोरंटो शहर के निवासी स्टीवन जोकि एक पक्षी प्रेमी भी हैं, ने इस बात पर गहरी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि शहर में पहली बार दिखने वाले बाल्ड ईंगल के घोंसले का इस प्रकार से अचानक टूटा पाया जाना प्राकृतिक गतिविधियों की ओर अच्छा ईशारा नहीं हैं।

स्टीवन ने इस बारे में जारी अपने संदेश में मीडिया को बताया कि गत दिनों जब टोरंटो में यह बात फैली कि शहर में एक बाल्ड ईंगल का घोंसला देखा गया हैं तो कई प्रकृति प्रेमियों ने इस विलुप्त होती पक्षी प्रजाति के लिए प्रसन्नता जाहिर की थी। लेकिन कुप्रबंधन के शिकार के कारण टोरंटो में एक विशालकाय वृक्ष पर बने इस घोंसले का अचानक टूटा पाया जाना किसी खतरे से कम नहीं विशेष रुप से अमेरिकी बाज के नाम से विख्यात इस पक्षी की प्रजाति के लिए, घोंसले का टूटना इस बात का प्रमाण हैं कि इस घोंसले से नर बाज जा चुका हैं और मादा अकेले रहने के स्थान पर यहां से उड़ गई हैं। इससे अब इनके बीच होने वाले संबंध से पैदा होने वाले नई बाल्ड ईंगलों की प्रजाति अब कहीं ओर पैदा होगी। डोडो नाम से प्रख्यात ये बाज आमतौर पर अपना घोंसला किसी नदी या झील के किनारे पर बनाते हैं, जिससे ये छोटी मछलियों को अपना शिकार आसानी से बना सके। उत्तरी अमेरिका में किसी समय में यह बाज बहुत अधिक संख्या में पाएं जाते थे, लेकिन इनके पंखों के कारण दुनिया भर में प्रसिद्ध हुए इन बाजों की प्रजाति पिछले कुछ शताब्दियों से तेजी से विलुप्त हो गए, लेकिन इस प्रकार की घटनाओं से इनकी संख्या में इजाफा होने की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन इस प्रकार से इनके घोंसले का टूटना एक बार फिर से उम्मीदों पर पानी फेर गया।

ओंटेरियो प्राकृतिक मंत्रालय ने भी इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि ये बाज वैसे तो मछलियां खाना बहुत पसंद करते हैं लेकिन ये एक बत्तख को भी आसानी से पकड़ सकते हैं। गत माह टीआरसीए ने इस बात को सुनिश्चित किया था कि शहर में एक बाल्ड ईंगल का घोंसला देखा गया हैं, जिससे संबंधित पक्षी प्रेमियों से इस सूचना पर बहुत अधिक प्रसन्नता जताई, लेकिन वर्तमान समाचार ने सभी पक्षी प्रेमियों का दिल तोड़कर रख दिया और अब भविष्य में कब इस प्रकार की सूचना सुनने को मिलेगी, इस बात पर भी संदेह जताया जा रहा हैं। टीआरसीए ने यह भी माना कि डोडो के घोंसले के निकट अत्यधिक शोर शराबे के कारण वे उस स्थान पर सुविधा के साथ टिक नहीं सके और इसके कारण डोडो के जोड़े ने स्वयं अपना घोंसला तोड़कर वहां से उड़ गए। उत्तरी अमेरिका में इस प्रजाति के विलुप्त होने का एक बड़ा कारण पेस्टीसाईडस भी बताया जाता हैं जिसके कारण बड़ी संख्या में ये पक्षी मर गए थे और इसके बाद इनके पुनः उत्थान हेतु कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

होली अतुलनीय रंगों और समरसता का त्योहार

संजीव ठाकुर

होली की अनंत बधाइयां ,शुभकामनाये,फाल्गुनी रंगो से मनाई जाने वाली होली न सिर्फ भाईचारे, सौहार्द्र और प्यार,स्नेह का त्यौहार है। यह महान पर्व शत्रुता हरण करने वाला भी पवित्र त्यौहार है। होलिका दहन और रंगों के खेलने की की परंपरा अलौकिक है ।होलिका दहन के रूप में समाज में व्याप्त बुराई को नष्ट करने की अद्भुत परंपरा सिर्फ हमारे देश में ही है। ऐसी विलक्षण तथा इस होलिका दहन तथा होली के इस पावन पर्व पर जुड़ी हुई है। प्राचीन सांस्कृतिक कथा के अनुसार हिरण्यकश्यपु नामक राक्षस राजा हुआ करता था। प्राचीन काल मे ब्रम्हाजी की तपस्या से उसने वरदान प्राप्त कर लिया था,कि उसे न देवता मार सके न ही कोई अन्य जीव जन्तु ,न दिन मे मरे न रात मे ,न अस्त्र से न शस्त्रों से ,न धरती पर न आकाश मे उसकी मृत्यु हो ,इस तरह उसने अमरत्व प्राप्त कर

लिया था। धीरे धीरे उसे इतना घमंड हो गया कि वह अपने को भगवान विष्णु और ब्रह्मा से बढकर भगवान समझने लगा ,राज्य मे कोई व्यक्ति किसी भगवान की पूजा नही कर सकता था ,केवल हिरण्कश्यपु की ही पूजा हो सकती थी ।

कालांतर में उसके एक पुत्र हुआ ,बालक बडा ही धार्मिक प्रवृत्ति का था और भगवान विष्णु का भक्त भी,यह बात राजा को अत्यंत नागवार गुजरती थी ,उसने अपने पुत्र को बहुत समझाने का प्रयास किया कि उसका पिता राजा हिरण्यकषिपु ही एकमात्र भगवान है ,पर बालक अपने पिता के इस अधर्मी आदेश को नही मानता था,

बालक प्रह्लाद के ऊपर सख्ती करने हेतु उसके पिता हिरण्यकशयपु ने उसे समुद्र मे फेंकने का आदेश दिया ,उसे हाथी कुचलने का आदेश दिया,पहाड से नीचे फेंका गया पर भगवान विष्णु की भक्ति और दया से बालक प्रह्लाद जीवित सकुशल बच गया ।अंत मे राजा ने अपनी बहन और बालक प्रह्लाद की बुआ होलिका का सहारा लिया ,होलिका को जी तपस्या से एक ऐसे कपडे का वरदान प्राप्त था, जिसे पहनने पर वह अग्नि से जल नही सकती थी। इसी वरदान का फायदा उठाते हुए ,होलिका ने बालक प्रह्लाद को गोद मे लेकर अग्नि स्नान किया ,पर होलिका की चुनरी उड कर प्रह्लाद पर लिपट गई ,और दुष्ट होलिका जलकर भस्म हो गई,प्रह्लाद फिर बच गए। इस तरह होलिका दहन का त्यौहार होलीका नामक बुराई को अग्नि से खत्म करने की प्रथा चली आई है।

प्रह्लाद को राजा ने एक विशाल खंबे से बांध दिया और तलवार लेकर उसपर टूट पडा और पूछा बता तेरा भगवान कहां है , बालक ने बड़ी निडरता से कहा भगवान हर जगह हैं ,आप मे, मुझ मे ,आपकी तलवार मे इस,इस खंबे मे भी ।

तब हिरण्यकश्यपु ने क्रोध से कहा तो देख तेरा भगवान तुझे कैसे बचाता है और उसने उसे मारने के लिए तलवार उठाई ,तभी खंबे को फाड़कर एक भयानक जीव निकला ,जो न नर था न दानव उसने राजा को गोद मे लिया और अपने नुकीले नाखून से राजा का पेट फाड दिया ।

बालक प्रह्लाद की अनन्य भक्ति को देखकर उसको भक्त प्रह्लाद कहा जाने लगा। भगवान विष्णु के अवतार नरसिंह भगवान ने हिरण कश्यप का वध कर अहम दंभ और बुराइयों को खत्म किया और तब से होली का त्योहार प्राचीन समय से भारत देश में मनाया जा रहा है।

होली पूरे विश्व में अनूठा, अद्भुत, अतुलनीय भाईचारे प्रेम रूप में मनाया जाता है, एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर खुशियां मनाई जाती है, एक दूसरे को मिठाई भी खिलाई जाती है। होलिका दहन के दूसरे दिन रंगों का त्योहार बहुत ही खुशी से आजादी तो क्यों मनाया जाता है देश की इस महान परंपरा को नमन प्रणाम।

होली पर्व पर शहीदों को सहृदय सलाम!

हम ने रंगों से खेला और उत्सव मना लिया ,
मनभावन पकवान परोसे, मन बहला लिया।
नमन वीरों को जिनके पास केवल 'लाल रंग',
जो खेले दिल खोल कर अमरता को पा लिया।
हमारे यहां खुशी, उदासी पसरी उनकी चौखट,
सदा ऋणी रहेंगे, स्मृति में सिर झुका लिया।
जो हो ली उसको भूलना ही बेहतर व भलाई है,
खुशी ! ॥श्रद्य4 तन में वैसा ही मन हो सच्चाई है।
हर्ष ! द्वार पर त्योहार खड़ा रंगों का थाल लिए ,
गिले भुला कर रंगें सभी को हाथों में गुलाल लिए।

कविता गुप्ता

दोहा छंद

ढोल नँगारा हे बजत, गावत हावँय फाग।
रंगे जम्मों रंग मा, छेंड़त सुग्घर राग ।।
माते हें पी के सबो, भाँग नशा मा आज ।
छेरी कस नरियात हें, लागत नइहे लाज ।।
आये हे होली परब, बाँटव मया दुलार।
खुशी मनावव आज गा, बैर भाव ला टार।।
भर पिचकारी मा सबो, डारत हावँय रंग ।
गली-खोर मा देख ले, करत सबो हुड़दंग।।
धरके हाथ गुलाल ला, बोथव सबके गाल।
बने मनावव फाग ला, करहू झन जंजाल।।
रंग मया के घोर लव, खेलव होली संग।
अपन मयारू मीत ला, बने लगावव रंग।।

मुकेश उइके 'मयारू'

आज तो होली है

लाओ रंग गुलाल पिचकारी,
आज तो होली है।
छोड़ दो,सारी दुनियादारी।
आज तो होली है।
मन में जितने भी,शिकवे गीले हैं।
होली के अवसर पर,हम जो मिले हैं।
भूल जाये, भूल जाये,बीती बातें सारी।
आज तो होली है...
रंगों का उत्सव मनाए सब संग में।
हर एक को रंग देंगे,आज एक रंग में।
एक हो जाय, ,सबकी चिन्हारी।
आज तो होली है...
तन मन में, ऐसे पक्का रंग घोले,
उतरे कभी न ,चाहे कितनो धोले।
रंगमय हो जाये जिंदगी सारी,
आज तो होली है.....
किसी का भी दम,न अकेले में घूँटे,
कारवां से कोई भी,तन्हा अब न छूटे।
आपस में करले, दृढ़ रिश्तेदारी।
आज तो होली है.....

जीवन चन्द्राकर 'लाल'

कौन सी होली?
रंगों की ये, होली हम सब,
खेल सकेंगे, क्या उमंग से?
पड़ी है सारी, गलियां सूनी,
मित्र भी नहीं, कोई संग में।।
फ़ीके लगते, चटक रंग भी,
फाग गीत भी, लगता फ़ीका।
नज़र लगी, खुशियों को किसकी,
कोई लगा दो, काला टीका।।
जंग छिड़ी है, युद्ध मचा है,
देखने को क्या, यही बचा है!
हर पल अब, लगता है जी लें,
जीवन जो भी, बचा-खुचा है।।
खून का रिश्ता, लाल हो रहा,
पैसा जी का जंजाल हो रहा।
लूट के अपने ही भाई को,
भाई अब मालामाल हो रहा।।
स्वार्थ की दुनिया, सोच तंग है,
हँसी है झूठी, खुशी बेरंग है।
कौन सी होली, लोग खेलते?
सोच के यह, नादान दंग है।।

तुषार शर्मा 'नादान'

खुशियों की होली

रंग प्रीत की सज गई आज।
है खुशियों की होली।।
उड़े गगन में तितली जैसे,
मंजुल दिखे नजारे।
रंग देख पुलकित हैं सारे।
करते हँसी ठिठोली।।
पायल मेरी शोर मचाती,
नयना काजल आँजे,
राह ताकती तेरी साजन,
यौवन तुझसे साजे,
हिय तरसे बातें सुनने को,
मधुरस तेरी बोली।।
सतरंगी नभ छटा बिखेरी,
चली आज पिचकारी।
रक्तिम से दिखते कपोल सब,
हो कारी या गोरी।।
प्रीत रगों में घुला आज जस,
दूध भांग की गोली।।
व्याकुलता मन में छाई है,
अगन लगी है काया,
करो स्वप्न साकार आज तुम,
अवसर है यह आया।।
आओ साजन! रंग लगाओ,
भीगे मेरी चोली।।
है खुशियों की होली।
है खुशियों की होली।।

प्रिया देवांगन 'प्रियू'

अटकाव

ताबीज तब ही काम आते हैं
जब बोलने की तमीज हो।
वक्त तब ही काम आता है
जब वक्त की कदर की हो।
अजीज तब ही काम आते हैं
जब उनसे तहबीज हो।
भक्ति तब ही काम आती है
जब उसमें शक्ति जगाई हो।
अपने तब ही काम आते हैं
जब उनसे अपनापन रखा हो।
इंसान तब ही काम आते हैं
जब उनमें इंसानियत बची हो।
दिल्लगी तब ही काम आती है
जब दिलदार अपना हो।

डॉ.राजीव डोगरा

नेताओं को जांचने-परखने का सिलसिला

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की 80 सीटों के लिये जबर्दस्त फाइटिंग देखने को मिल रही है।नेताओं द्वारा पुराने मुद्दों को तरासा जा रहा है तो नये मुद्दों को भी धार दी जा रही है। सभी दलों के नेता विरोधियों की गुगली से बचने के नजरें लक्ष्य पर जमाये हुए हैं। एक तरफ इंडी गठबंधन की पार्टियां समाजवादी पार्टी और कांग्रेस चुनाव में बेरोजगारी,मंहगाई, ईवीएम मशीन,साम्प्रदायिकता के सहारे बीजेपी और मोदी को घेरने में लगे हैं तो बीजेपी और एनडीए के अन्य नेता इंडी गठबंधन को परिवारवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण राष्ट्रवाद के सहारे गोल-गोल घुमाने में लगे हैं।दोनों की गठबंधन अपनी लकीर लम्बी खींचने में लगे हैं।इस बीच प्रत्याशियों के नाम की घोषणा का सिलसिला भी जारी है। कुल मिलाकर सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव के महेनजर तमाम राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारी को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। इस समय देश में प्रमुख रूप से दो गठबंधन नजर आ रहे हैं। एक तरफ एनडीए तो दूसरी तरफ इंडी गठबंधन है। वहीं कई क्षेत्रीय दल अपने-अपने राज्यों में चुनाव के लिये ताकत दिखा रहे हैं।बहुजन समाज पार्टी भी एक ऐसा ही क्षेत्रीय दल है। इसी लिय राजनीतिक मैदान में जीत समीकरण स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा हैं। अखिलेश यादव पीडीए यानी पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक पॉलिटिक्स को स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं, बसपा प्रमुख मायावती दलित अल्पसंख्यक पिछड़ा समीकरण को साधने का प्रयास कर रही हैं। इसी प्रकार कांग्रेस की कोशिश पिछड़ा अल्पसंख्यक वोट बैंक को अपने पाले में लाने की है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के स्तर पर अपने कोर वोट बैंक को साधने के साथ-साथ हिंदुत्व की राजनीति और विकास को जमीनी स्तर पर सेट किया गया है। वोटरों को अपने पहले में लाने की कोशिश हर दल कर रहा है। लेकिन ओपिनियन-एग्जिट पोल के रिजल्ट कुछ अलग ही तस्वीर दिखा रहे हैं। इसमें भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए बड़ी बढ़त बनाती दिख रही है।

बहरहाल,यूपी में मोदी-योगी मैजिक के आगे सब फेल हो रहे हैं। विपक्ष को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। भारतीय जनता पार्टी अपने दम पर 50 फीसदी से अधिक वोट पाते दिख रही है। यह स्थिति तब है, जब देश में नरेंद्र मोदी अपने कार्यकाल का दस साल पूरा कर रहे हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार सात वर्ष पूरे कर चुकी है। डबल इंजन की सरकार को लेकर यूपी में अभी तक एंटी इनकंबैंसी नहीं दिख रहा है। इसमें भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए उत्तर प्रदेश के चुनावी मैदान में बड़ी बढ़त बनती दिख रही है।

कोरा रंग

लाख रंग फैले हैं फ़िज़ाओं में, पर रंग मुझपर कोई चढ़ता नहीं है, तेरे कोरे रंग में रंगी हूँ इस तरह, की रंग मुझपर से तेरा उतरता नहीं है। तन को छूते गुलाल आज भी, पर रंग कोई मन पर आकर ठहरता नहीं है, सुनाई देती है, फाल्गुन के गीतों की गुंजन, पर संगीत विरह का थमता नहीं है। सजती है मिठाईयों की थाल वैसी हीं , पर चमक मेरे चेहरे का अब दिखता नहीं है, मदहोशी में डगमगाते है दुनिया के कदम, पर थमी सी दुनिया का दर्द, मेरा मिटता नहीं है। वो कृष्णा आज भी खेले है, वृन्दावन में होली, पर यूँ रूठा सखा मेरा, कि अब मिलता नहीं है। ठिठोलियाँ चूमती हैं, हर घर के दर को, पर इंतज़ार ऐसा आया तेरा, कि ढलता नहीं है। झूमता है बसंत, फूलों में आज भी, पर अब तेरा गुलाब, किताबों में मेरी खिलता नहीं है, बहाने मुलाक़ातों के बनते हैं अब भी, पर तू है कि साथ मेरे अब चलता नहीं है। उस मणिकर्णिका के घाट पर, जला तू इस तरह, कि वो मंजर आँखों से मेरी पिघलता नहीं है, रंग छीन गए सारे सपनों के मेरे, बस ये रंग कोरा है जो मुझसे बिछड़ता नहीं है।

मनीषा मंजरी

आओ खेले होली

संजीव-नी।
आओ खेले होली.
अंतस में रंग ले रंग को,
भीग जाए तन और मन,
ऐसी खेलें होली पिया के संग,
भुला दे सब बैर और दुश्मनी,
ऐसी बना ले दुनिया रंगों की प्यारी,
तू तू ना रहे मैं मैं ना रहूं,
सब रंग जाएं एक रंग में,
प्यारा सा त्यौहार मनाए,
गम और दुख को चलो,
आज फिर दूर भगाएं,
भिगो लें तन और मन को ,
उस पवित्र रंग के संग,
आओ फिर खेले होली,
पिया के संग,
ले आशीर्वाद बुजुर्गों का,
फिर अनुराग करें ईश्वर का,
ऐसी खेले होली,
राग, द्वेष दुर्बलता हटाएँ,
आओ उन सब को,
बहुत दूर भगाएं,

ईश्वर से करे प्रार्थना,
सारे कष्ट हमारे दूर करो ना,
इस देश की करो रक्षा,
हटा दें इस धरा से करोना,
आओ खेले होली पीय के संग,
बनकर राधा और किशन,
रंग जाए इस पिचकारी से,
दुनिया सारी और,
इंद्रधनुषी रंग फैल जाए,
आकाश और धरा पर,
हो जाए रंगों से सराबोर,
होली का यह सतरंगी पावन पर्व,
होली की शुभकामनाओं के साथ।।

संजीव ठाकुर

सम्पादकीय

हिन्दी Abroad

चुनावी बॉन्ड 'काला धन' कैसे?

चुनावी बॉन्ड को सर्वोच्च अदालत 'असंवैधानिक' करार दे चुकी है और उन पर रोक भी लगा दी गई है, लिहाजा यह अध्याय यहीं समाप्त हो जाना चाहिए था। अब चुनाव आयोग अपनी वेबसाइट पर वे ब्योरे जारी कर रहा है, जो भारतीय स्टेट बैंक ने भेजे हैं और जारी करने का आदेश सर्वोच्च अदालत का है। कांग्रेस समेत विपक्ष के दल इस चुनावी चंदे को 'बहुत बड़ा घोटाला' चित्रित कर रहे हैं, जो हास्यास्पद राजनीति है। यदि बॉन्ड के जरिए फरवरी, 2024 तक करीब 7700 करोड़ रुपए का चंदा भाजपा को मिला है, तो नवम्बर, 2023 तक 1334.35 करोड़ रुपए का चंदा कांग्रेस के हिस्से भी आया है। गणना कर लें कि फरवरी, 2024 तक कितना पैसा कांग्रेस के खजाने तक पहुंचा होगा! सूची में दूसरा स्थान तृणमूल कांग्रेस का है, जिसे 1397 करोड़ रुपए का चंदा मिला है। एक क्षेत्रीय दल को इतना चंदाऽ! सूची में बीआरएस, बीजद, द्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस, टीडीपी, राजद, एनसीपी, सपा, अकाली दल, अन्नाद्रमुक आदि क्षेत्रीय दल भी हैं, जिन्हें उनकी हैसियत के मुताबिक करोड़ों में चंदा दिया गया है। क्या कांग्रेस समेत वे सभी दल 'घोटालेबाज' हैं? चुनावी बॉन्ड पर शीर्ष अदालत के फैसले पर कोई सवाल नहीं, अलबत्ता देश का बौद्धिक और जागरूक वर्ग कमोबेश चिंतन कर सकता है कि ऐसा चुनावी चंदा 'घोटाला' कैसे माना जा सकता है? विश्व में ऐसा कोई देश नहीं है, जहां राजनीतिक दलों को चंदा न दिया जाता हो। जहां आम चुनाव के लिए सरकारें आर्थिक संसाधन मुहैया कराती हैं, वहां भी औद्योगिक घराने और वैचारिक तौर पर जुड़ी आम जनता चुनावी चंदे देती रही है। यह एक सार्वजनिक परंपरा और प्रक्रिया है। औसत करदाता को आयकर या अन्य कर-योग्य संपदा में छूट भी मिलती है, लिहाजा देश की आजादी और संविधान को ग्रहण करने के बाद चंदा देने की परंपरा रही है। इस चंदे के संदर्भ में 'काला धन' का खूब शोर मचाया जा रहा है, लेकिन जो पैसा देश के बुनियादी ढांचे के विकास और जन-कल्याण की परियोजनाओं में निवेश किया जाता रहा है, उस आर्थिक स्रोत को 'काला धन' करार कैसे दिया जा सकता है? दरअसल चुनावी बॉन्ड के तौर पर व्यक्ति, संस्थान, औद्योगिक ईकाई और समूह जितना पैसा निवेश करते हैं, वह अनिवार्य रूप से उनके खातों में दिखाया जाता है। जिन राजनीतिक दलों को बॉन्ड के जरिए चंदा मिला है, उसे दलों ने भी अपने अधिकृत खातों में दिखाया होगा।

बंदूकों पर बंदी लगाओ

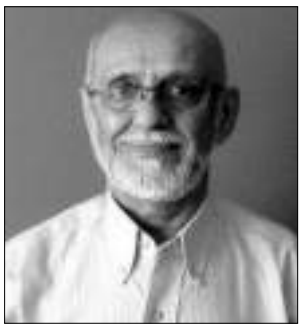

फिरोज़ ख़ान

बन्दुक और जुर्म का चोली दामन का साथ है. पता नहीं आज तक लाखों लोगों की जाने बंदूकों के कारण गई हैं। आज हम यहाँ युद्धों में इस्तेमाल हुई या हो रही बंदूकों की बात नहीं करेंगे। शहरों में और बस्तियों में जहाँ लोग अधिकतर शांति से मिल जुल कर रहते हैं वहां भी यह दिखाई देती हैं।

बंदूकें पुलिस के पास भी होती हैं लेकिन वह उन की अपनी आत्म रक्षा या जनता की सुरक्षा के लिए होती हैं। बंदूकें किसी का जीवन बचाती हैं तो कई की जानें भी लेती हैं.केनेडा में बंदूकों पर बंदी का मुद्दा समय, समय पर चर्चा में रहता है। एक बात बताता चलूँ. पश्चिमी देशों को बंदूकों से बहुत लगाव है। यदि किसी ने 1960, 70 की हॉलीवुड फ़िल्में देखि हों तो उन्हें याद होगा कि उस समय बहुत सारी फिल्मों में गन वाइयलंस बताया जाता था. और इसी लिए उस समय कई लोग पश्चिम को वाइल्ड वेस्ट कहते थे।

बंदूकों पर बंदी का मामला फिर एक बार चर्चा का विषय बन गया है. जस्टिन ट्रुडो की सरकार ने एक बहुत तगड़ी रकम और समय खर्च किये थे इस मुद्दे पर जनता से चर्चा करने पर. अचानक , पिछले दिनों ट्रुडो के एक मंत्री बिल ब्लेयर ने घोषणा कर दी कि जो बन्दूक से सम्बंधित अपराध हो रहे हैं उन में बंदूकों का कोई कसूर नहीं है! बल्कि उन का इस्तेमाल करनेवालों का कसूर है! वाह भाई, यह तो वही बात हुई कि उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे।

इस से पूर्व ओंटारियो के प्रीमियर डग फोर्ड ने घोषित किया था कि बंदूकों पर बंदी लगाना उन का विषय नहीं है! टोरंटो और अन्य शहरों में लोग बंदूकों के कारण मरते हैं तो मरा करें. फोर्ड, ब्लेयर और ट्रुडो जैसों को कोई फर्क नहीं पड़ता।

बंदूकों पर बंदी का मुद्दा फिर एक बार उस समय चर्चा में आया जब पिछले साल इसी समर सीज़न में टोरंटो के डेंफोर्थ इलाके में एक दुर्घटना हुई थी. और अभी ताजा एक ऐसी ही घटना हुई. टोरंटो के रेप्टर ने जब बास्केट बोल के खेलमे जीत हासिल की तो उस के उपलक्ष में शहर में 10 लाख से भी अधिक लोग जमा हो गए थे और उसी समय गोलियां चलने की घटना हुई. बंदूकों पर बंदी की चर्चा कोई पहली बार नहीं हो रही. दर असल यह चर्चा पिछले दस सालों हो रही है। लेकिन किसी भी पक्ष को इस की चिंता नहीं है।

इस साल अक्टूबर में केनेडा में चुनाव होने हैं. लिबरल, एनडीपी या कंज़र्वेटिव इसे चुनावी मुद्दों में शामिल नहीं करनेवाले। इन सब के लिए यह 'मुद्दा' ही नहीं है। यहाँ राइफल या शॉटगन की बात नहीं की जा रही है. यहाँ मुद्दा है छोटी रिवॉल्वर प्रकार की गन का जिस का इस्तेमाल असामाजिक लोगों द्वारा बड़ी आसानी से हो रहा है। बंदूकें शूटिंग के खेलों में भी इस्तेमाल होती हैं। हम उन की बात भी नहीं कर रहे।

टोरंटो, केनेडा और पश्चिम के कई देशों में कई लोगों को बंदूकों का संग्रह कर ने का शौक है। कई लोग अपने घरों में दीवालों पर बंदूकों को सजाते हुए मिलेंगे। यह एक खतरनाक शौक है. इन्हीं लोगों के घरों में से चोरी की गई बंदूकों से कई लोगों की जानें गई हैं।

पूर्व प्रधान मंत्री स्टीफन हार्पर ने तो कामल ही कर दिया था. गन विक्रेताने किस को गन बेचीं उस व्यक्ति की और गन की पूरी जानकारी एक रजिस्टर में लिखना जरूरी होता था. हारपर ने तो उस रजिस्टर को ही ख़त्म कर दिया था!

यदि लिबरल के ट्रुडो इस मुद्दे पर चुप्पी साध रहे हैं तो कंज़र्वेटिव के नेता एंड्र्यू शीयर तो उन से भी एक कदम आगे है। वे तो केनेडा की गन लॉबी के इशारों पर नाच रहे हैं. एक बात बता दें कि अमरीका की तरह केनेडा में भी गन लॉबी है और वह बंदूकों पर बंदी लगाने के सख्त खिलाफ है. यही गन लोबीवाले पोलिटिकल पार्टियों को चुनावी चंदा देती हैं. कुछ याद आया? जी हाँ, बिलकुल भारत की तरह। कौव्वे हर जगह काले ही होते हैं।

कुछ सालों पहले टोरंटो पुलिस ने लोगों से बिना कोई सवाल पूछे गन खरीद ली थी. उस समय शहर में से बदूकों की संख्या काफी कम हो गई थी. लेकिन किसी भी शहर की पुलिस ऐसा कब तक कर सकती है? बंदूकों पर बंदी हर हाल में लगनी ही चाहिए. बंदी न लगाने के लिए कोई भी कारण हमें मंजूर नहीं।

गौरैया की विलुप्ति की त्रासदी चिंताजनक

ललित गर्ग

विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च को दुनियाभर में मनाने का उद्देश्य गौरैया पक्षी की लुप्त होती प्रजाति को बचाना है। पेड़ों की अंधाधुंध होती कटाई, आधुनिक शहरीकरण और लगातार बढ़ रहे प्रदूषण से गौरैया पक्षी विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी है। इस दिवस की थीम पिछले कुछ वर्षों से एक ही रही है कि, 'आई लव स्पैरोज' (गौरैया)। यह थीम इस दुनिया को पक्षियों, जानवरों और मनुष्यों के लिए एक बेहतर जगह बनाने के सपने एवं उनके संरक्षण से प्रेरित है। एक वक्त था जब गौरैया की चीं-चीं की आवाज से ही लोगों की नींद खुला करती थी लेकिन अब ऐसा नहीं है। यह एक ऐसी पक्षी है जो मनुष्य के इर्द-गिर्द रहना पसंद करती है। गौरैया पक्षी की संख्या में लगातार कमी एक चेतावनी है कि प्रदूषण और रेडिएशन प्रकृति और मानव के ऊपर क्या प्रभाव डाल रहा है। गौरैया पृथ्वी पर सबसे आम और सबसे पुरानी पक्षी प्रजातियों में से एक है। ये छोटे, मनमोहक एवं शांति देने वाले पक्षी सदियों से हमारे जीवन का हिस्सा रहे हैं और प्रकृति में संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दिन, हम उनकी सुंदरता एवं उपयोगिता की सराहना करने के लिए कुछ समय निकाल सकते हैं और सीख सकते हैं कि हम उनकी सुरक्षा में कैसे मदद कर सकते हैं।

भारत और दुनियाभर में गौरैया पक्षी की संख्या में लगातार कमी आ रही है। दिल्ली में तो गौरैया इस कदर दुर्लभ हो गई है कि ढूंढे से भी यह पक्षी देखने को नहीं मिलता, इसलिए वर्ष 2012 में दिल्ली सरकार ने इसे राज्य-पक्षी घोषित कर दिया था। गौरैया की लुप्त होती प्रजाति और कम होती आबादी बेहद चिंता का विषय है। दुनिया भर की कई संस्कृतियों में, गौरैया सादगी, खुशी और सुरक्षा का प्रतीक है। यह उनकी पारिस्थितिक भूमिका के अलावा हमारी साझा मानव संस्कृति और लोककथाओं में भी उनके महत्व को दर्शाता है। घरों को अपनी चीं-चीं से चहकाने वाली गौरैया अब दिखाई नहीं देती। इस छोटे आकार वाले खूबसूरत एवं शांतिपूर्ण पक्षी का कभी इंसान के घरों में बसेरा हुआ करता था और बच्चे बचपन से इसे देखते हुए बड़े हुआ करते थे। अब स्थिति बदल गई है। गौरैया के अस्तित्व पर छाए संकट के बादलों ने इसकी संख्या काफी कम कर दी है और कहीं-कहीं तो अब यह बिल्कुल दिखाई नहीं देती। इस नन्हें से परिंदे को बचाने के लिए ही पिछले कुछ सालों से विश्व गौरैया दिवस मनाते आ रहे हैं। गौरैया देशी पौधों वाले क्षेत्रों में पनपती है, तो क्यों न हम अपने बगीचे में कुछ पौधे लगाकर गौरैया को नया जीवन देने का उपक्रम करें।

पहली बार यह दिवस नेचर

फॉरएवर सोसाइटी द्वारा भारत में गौरैया और अन्य सामान्य पक्षियों की घटती आबादी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ मनाया गया था। नासिक निवासी मोहम्मद दिलावर ने घरेलू गौरैया पक्षियों की सहायता हेतु नेचर फोरेवर सोसाइटी की स्थापना की थी। इनके इस कार्य को देखते हुए टाइम ने 2008 में इन्हें हिरोज ऑफ दी एनवायरमेंट नाम दिया था। पर्यावरण के संरक्षण और इस कार्य में मदद की सराहना करने हेतु एनएफएस ने 20 मार्च 2011 में गुजरात के अहमदाबाद शहर में गौरैया पुरस्कार की शुरुआत की थी। गौरैया के अस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा मानवता पर भी एक प्रश्नचिह्न भी है। गौरैया जैसे बेजुबान पक्षियों का बड़ी संख्या में विलुप्त होना पर्यावरण संतुलन के लिये तो बड़ा खतरा है ही लेकिन इसका असर मानव जीवन पर भी होगा। यह धरती केवल इंसानों के लिये नहीं है, बल्कि वन्य जीवों के लिये भी है, इसलिये पक्षियों का विलुप्त होना या मरना हमारे लिये चिन्ता का बड़ा कारण बनना चाहिए। पक्षी विज्ञानी हेमंत सिंह के अनुसार गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। यदि इसके संरक्षण के उचित प्रयास नहीं किए गए तो हो सकता है कि गौरैया इतिहास का प्राणी बन जाए और भविष्य की पीढ़ियों को यह देखने को ही न मिले। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसायटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्डस' ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को 'रेड लिस्ट' में डाला है। आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह ह्रास ग्रामीण और शहरी, दोनों ही क्षेत्रों में हुआ है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है।

गौरैया का भौगोलिक दायरा बहुत बड़ा है। वे अंटार्कटिका को छोड़कर हर महाद्वीप के मूल निवासी हैं और विभिन्न जलवायु और वातावरण में रहने के लिए अनुकूलित हैं। लेकिन गौरैया पक्षी मानवीय लोभ की भेंट तो चढ़ ही रहे हैं, जलवायु परिवर्तन के कारण भी इनकी संख्या लगातार कम हो रही है। कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए पक्षियों का शिकार एवं अवैध व्यापार जारी है। गौरैया जैसे पक्षी विभिन्न रसायनों और जहरीले पदार्थों के प्रति अति संवेदनशील होते हैं। ऐसे पदार्थ भोजन या फिर पक्षियों की त्वचा के माध्यम से शरीर में पहुंचकर उनकी मौत का कारण बनते हैं। भोजन की कमी होने, घोंसलों के लिए उचित जगह न मिलने तथा माइक्रोवेव प्रदूषण जैसे कारण इनकी घटती संख्या के लिए जिम्मेदार हैं। जन्म के शुरुआती पंद्रह दिनों में गौरैया के बच्चों का भोजन कीट-पतंग होते हैं। पर आजकल हमारे बगीचों में विदेशी पौधे ज्यादा उगाते हैं, जो कीट-पतंगों को आकर्षित नहीं कर पाते। जीवन के अनेकानेक सुख, संतोष एवं रोमांच में से एक यह भी है कि हम कुछ समय पक्षियों के साथ बिताने में लगाते रहे हैं, अब ऐसा क्यों नहीं कर पाते? क्यों हमारी सोच एवं जीवनशैली का प्रकृति-प्रेम विलुप्त हो रहा है? मनुष्य के हाथों से रचे कृत्रिम संसार की परिधि में प्रकृति, पर्यावरण, वन्यजीव-जंगल एवं पक्षियों का कलरव एवं जीवन-ऊर्जा का लगातार खत्म होते जाना जीवन से मृत्यु की ओर बढ़ने का संकेत है।

खुद को परिस्थितियों के अनुकूल बना लेने वाली यह चिड़िया अब भारत ही नहीं, यूरोप के कई बड़े हिस्सों में भी काफी कम रह गई है। ब्रिटेन, इटली, फ्राँस, जर्मनी और चेक गणराज्य जैसे देशों में इनकी संख्या जहाँ तेजी से गिर रही है, तो नीदरलैंड में तो इन्हें 'दुर्लभ प्रजाति' के वर्ग में रखा गया है। मोबाइल फोन तथा मोबाइल टॉवरों से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगें गौरैया के अस्तित्व के लिए खतरा बन रही हैं। कई बार लोग अपने घरों में इस पक्षी के घोंसले को बसने से पहले ही उजाड़ देते हैं। कई बार बच्चे इन्हें पकड़कर पहचान के लिए इनके पैर में धागा बांधकर इन्हें छोड़ देते हैं।

इससे कई बार किसी पेड़ की टहनी या शाखाओं में अटक कर इस पक्षी की जान चली जाती है। इतना ही नहीं कई बार बच्चे गौरैया को पकड़कर इसके पंखों को रंग देते हैं, जिससे उसे उड़ने में दिक्कत होती है और उसके स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर पड़ता है। पक्षी विज्ञानियों के अनुसार गौरैया को फिर से बुलाने के लिए लोगों को अपने घरों में कुछ ऐसे स्थान उपलब्ध कराने चाहिए, जहां वे आसानी से अपने घोंसले बना सकें और उनके अंडे तथा बच्चे हमलावर पक्षियों से सुरक्षित रह सकें। मनुष्यों को गौरैया के लिए कुछ ना कुछ तो करना ही होगा, वरना यह भी मॉरीशस के डोडो पक्षी और गिद्ध की तरह पूरी तरह से विलुप्त हो जायेंगे।

WEConnect
COMMUNITY SERVICES

Vaughan | **Toronto** | **Mississauga**

FREE Income Tax Clinic

Starting March 8th, 2024, you can either make an in-person appointment for March 23 or April 13th or avail Virtual Clinic Services over phone.

Book your Appointment Today

WhatsApp: Jayashree : 416-301-1291

Email us weconnecttaxclinic@gmail.com

Avail Virtual / Drop off Service OR

In-person Clinic on

March 23, 2024 MAPLE	April 13, 2024 NORTH YORK
Weconnect Community Services At Maple Community Centre 10190 Keele Street, North York , ON M2J 5H4	Weconnect Community Services 121 Parkway Forest Dr. Main Fl. North York , ON M2J 5H4

Connecting Communities & Empowering People

We Thank Our Sponsors For Their Continued Support

GREENWIN

हिन्दी Abroad

मणि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव-द्वितीय दिवस

काशी में आने वाला प्रत्येक जीव शिव का अंश : आचार्य भरत

वाराणसी.संवाददाता

धर्मसम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज की तपोस्थली धर्मसंघ में स्थापित मणि मंदिर के चतुर्थ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में दूसरे दिन गुरुवार को विविध आयोजन हुए। प्रातःकाल देव विग्रहों के श्रृंगार के पश्चात आरती पूजन हुआ। सांयकाल धर्मसंघ पीठाधीश्वर स्वामी शंकरदेव चैतन्य ब्रह्मचारी जी महाराज के पावन सानिध्य में आचार्य भरत पाण्डेय के श्रीमुख से शिव महापुराण कथा का शुभारंभ हुआ। उसके पश्चात देर शाम भजन संध्या आयोजित हुई जिसमें बिहार के लोकप्रिय बाल कलाकार आर्यन बाबू, काशी के अमलेश शुक्ला अमन आदि कलाकारो ने मणि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में हाजिरी लगाई। भजन संध्या का शुभारंभ आर्यन बाबू के भजनों से हुई। भोजपुरी सिनेमा अवार्ड में बेस्ट चाइल्ड एक्टर का खिताब जीतने वाले आर्यन बाबू ने सबसे पहले सरस्वती वंदना से संध्या का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने गौरी के ललनवा, निमिया की डारी मइया, बम बम बोल रहा है काशी, श्री राम जानकी बैठे है मेरे सीने में, कीजो केशरी के लाल आदि गीतों से प्रांगण में मौजूद भक्तों को निहाल कर दिया। उसके बाद काशी के भजन गायक अमलेश शुक्ला ने मणि मंदिर की शोभा लगती है प्यारी, शिव तांडव सुनाया। उनके साथ आस्था शुक्ला ने राम आएंगे और हर हर शम्भू सुनाकर झूमने पर मजबूर कर दिया। गायिका खुशी तिवारी एवं श्वेता तिवारी ने चले राम दूनों भइया, अंगनवा में, हम जानते नू बानी आदि गीत सुनाया। यथार्थ दुबे ने भी भजन सुनाया। इनके साथ संगत में बलिराम पाण्डेय तबले पर, संतोष की बोर्ड पर, पैड पर विवेक, ढोलक पर भोलागुरु रहे। संचालन विकास पाण्डेय ने किया। इसके पूर्व शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ पण्डित जगजीतन पाण्डेय द्वारा व्यासपीठ के पूजन से हुआ। प्रथम दिवस कथा व्यास भरत पाण्डेय ने कथा महात्म्य का वर्णन किया। उन्होंने कहा की भगवान शिव समस्त ऐश्वर्य के दाता हैं और भगवान विश्वेश की पावन नगरी मैं जो व्यक्ति आता है वह स्वयं शिव का अंश बन जाता है। उन्होंने कहा कि नारायण के प्रत्येक पूर्ण अवतार मैं हमेशा भगवान शिव ने सेवा की है राम अवतार मैं हनुमान के रूप में कृष्ण अवतार में वंशी के रूप में सेवा की है। कल का कार्यक्रम- प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिन प्रातः 5 बजे से पांच दिवसीय पंचकोशी यात्रा का शुभारंभ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर से होगा। पहले पड़ाव कर्दमेश्वर महादेव मंदिर, कंदवा में यात्रा रुकेगी जहाँ आचार्य भरत पाण्डेय द्वारा शिवमहापुराण कथा श्रवण कराया जाएगा।

अनूप जलोटा के भजनों से गुंजायमान हुआ मणि मंदिर

वाराणसी.संवाददाता

धर्मसम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज की तपोस्थली धर्मसंघ, दुर्गाकुण्ड में स्थापित मणि मंदिर के चतुर्थ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का बुधवार को भजन संध्या के साथ शुभारंभ हुआ। धर्मसंघ पीठाधीश्वर स्वामी शंकरदेव चैतन्य ब्रह्मचारी जी महाराज के पावन सानिध्य में शुरू हुए महोत्सव का प्रथम दिन भजन सम्राट अनूप जलोटा की प्रस्तुतियों के नाम रहा।

उन्होंने सबसे पहले 'काशी बदली, अयोध्या बदली, अब मथुरा की बारी है' सुनाया तो समूचा प्रांगण हर हर महादेव के उदघोष से गूँज उठा। इसके बाद अपना प्रसिद्ध भजन 'बोलो राम राम राम' सुनाया, 'दुनिया चले श्रीराम के बिना, रामजी चले ना हनुमान के बिना', 'सीताराम-सीताराम कहिए, जाहि बिधि राखे राम ताहि बिधि रहिये', 'इतनी शक्ति हमे देना दाता', 'जग में सुंदर है दो नाम', 'श्याम तेरी बंशी', 'गोविंद जय जय गोपाल जय जय', कौन कहता है भगवान आते नही, हम मीरा के जैसे बुलाते नही, रंग दे चुनरिया, कभी कभी भगवान को भी भक्तों से काम पड़े, जैसे भजनों से पूरा माहौल भक्तिमय कर दिया।

अंत मे गोविंद जय जय गोपाल जय जय से संध्या का समापन किया। इसके अलावा राकेश तिवारी ने गणेश वंदना, पंकज शर्मा ने शंकर शिवदानी भोलानाथ विश्वनाथ, प्रणव शंकर ने तीनो लोक मे भजनों की प्रस्तुति दी। धर्मसंघ के महांमत्री पण्डित जगजीतन पाण्डेय ने अनूप जलोटा सहित अन्य कलाकारों का स्वागत किया।

इनकी रही उपस्थिति- कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो. ब्रजभूषण ओझा, प्रो. रामनारायण द्विवेदी, प्रो. उपेंद्र त्रिपाठी, कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, शालिनी यादव, राघवेंद्र चौबे, डॉ. उदयन मिश्र, राजमंगल पाण्डेय आदि उपस्थित रहें। मणि मंदिर, धर्मसंघ पहुँचने पर पद्मश्री अनूप जलोटा ने कहा कि यह अत्यंत दिव्य प्रांगण है, जहाँ बार बार गाने की इच्छा होती है, प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में आने का अवसर मिला तो खुद को आने से रोक नही सका।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने काशी और अयोध्या की सूरत बदल दी है, अब मथुरा की बारी है। बहुत जल्द मथुरा में भी प्रभु की बंशी बजने वाली है। कल का कार्यक्रम- प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को आचार्य भरत पाण्डेय के श्रीमुख से शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ होगा। कथा पंचकोशी यात्रा के साथ विभिन्न पड़ाव पर चलती रहेगी। इसके अलावा सायंकाल 6 बजे से बिहार के जाने माने गायक आर्यन बाबू द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

हिन्दी Abroad

SUBSCRIPTION FORM

सब्सक्रिप्शन फार्म

प्रिय पाठकों

कैनेडा का सर्वश्रेष्ठ हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र 'हिन्दी अब्रॉड' की प्रति अब आप घर बैठे ही मंगवा सकते हैं। प्रति मंगवाने के लिए इस फार्म को भरकर और चैक लगाकर भेजे दें।

नाम :- .....

पता :- .....

सिटी :- ..... पोस्टल कोड .....

दूरभाष :- ..... सैल फोन .....

ई-मेल :- .....

मैं हिन्दी अब्रॉड को सब्स्क्राइब करना चाहता/चाहती हूं

(हस्ताक्षर)

अब... हिन्दी अब्रॉड घर बैठे पाएं सिर्फ $150 में पूरे साल

7071 Airport Road, Suite 204A Mississauga, ON Canada. L4T 4J3
Tel : 905-673-9929, Fax 905-673-9114
E-mail : editor@hindiabroad.com
Web : wwwhindiabroad.com

प्रेम और एकता का त्योहार होली

होली एक प्रमुख हिंदू धार्मिक पर्व है जो भारतीय सभ्यता और संस्कृति में गहरी रूप से स्थापित है

होली एक प्रमुख हिंदू धार्मिक पर्व है जो खुशी, आनंद, प्रेम और एकता की भावना को दर्शाता है। यह फागुन मास के शुक्ल पक्ष में मनाया जाता है और इसे विभिन्न नामों से जाना जाता है, जैसे- रंगपंचमी, धुलेंदी और धुलंडी। होली भारतीय संस्कृति और इतिहास में गहरे रूप से स्थापित है।

होली एक प्रमुख हिंदू धार्मिक पर्व है जो भारतीय सभ्यता और संस्कृति में गहरी रूप से स्थापित है। यह फागुन मास के शुक्ल पक्ष में मनाया जाता है। हर साल होली का आयोजन बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ किया जाता है। इस त्योहार में लोग एक-दूसरे को गुलाल और अबीर लगाते हैं, पानी के रंग उड़ाते हैं और मिठाई खाते हैं। यह पर्व विभिन्न आदतों, परंपराओं और धार्मिक आराधना का प्रतीक है। होली का महत्व भी सभी को मिलकर मनाने की एक वजह बनता है और इसके माध्यम से विभिन्न समुदायों और सामाजिक वर्गों के बीच एकता और भाईचारा को स्थापित किया जाता है।

होली एक रंगबिरंगा, आनंदमय और प्रेम का त्योहार है, जो सभी को खुशी और आनंद का एहसास दिलाता है। होली के दिन हमें बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों के बीच विभिन्न गतिविधियों, नृत्य, संगीत, खाने-पीने और खुशी के साझा लाभ को अनुभव करना चाहिए। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि होली एक आपसी समझ, समरसता और समानता का प्रतीक होना चाहिए। हमें बच्चों को इस महत्वपूर्ण पर्व के तत्वों के साथ परिचित करना चाहिए और उन्हें शिक्षा देनी चाहिए कि होली को सम्पूर्ण आनंद और संतुष्टि के साथ मनाएं और दुसरों के साथ प्यार और सम्मान का आदान-प्रदान करें।

होली हमारे साथी और पवित्र परंपराओं को जीवित रखने का एक महत्वपूर्ण तरीका है और हमें इसे समर्थन करना चाहिए और इसका आनंद लेना चाहिए।

बरसाना की लट्ठमार होली, मथुरा में धूम

तीर्थनगरी मथुरा में राधारानी की नगरी बरसाना में सोमवार को विश्व प्रसिद्ध लठमार होली खेली गई. इसमें करीब 15 लाख श्रद्धालु पहुंचे. बरसाना में सोमवार को भाव और भक्ति के अनूठे रंगों में सराबोर एक ओर नंदगांव के हुरियारे ढाल लेकर बरसाना पहुंचे तो दूसरी ओर बरसाना की हुरियारिनें लाठियां लेकर रंगीली गली में तैयार थीं. होली के गीतों के बीच लठ्ठमार होली की शुरुआत हुई।

काशी में चिता भस्म की होली

देश-दुनिया में आस्थावान सनातन धर्मी होली का पर्व एक दूसरे के साथ रंग खेलकर मनाते हैं। मगर, धर्म की नगरी काशी में सबसे पहले काशीवासी अपने ईष्ट भोले बाबा के साथ महाश्मशान पर चिता भस्म के साथ खेलकर होली की शुरूआत पहले ही कर देते हैं। इसके बाद ही काशी में होली खेली जाती है। बजते डमरू, घंट, घड़ियाल और मृदंगज साउंड सिस्टम से निकलती धुनों के बीच जलती चिताएं। फिजाओं में रंग-गुलाल के अलावा उड़ता चिता-भस्म। मोक्षदायिनी काशी नगरी के महाश्मशान हरिश्चंद्र घाट पर कभी चिता की आग ठंडी नहीं पड़ती। चौबीसों घंटे चिताओं के जलने और शवयात्राओं के आने का सिलसिला चलता ही रहता है। चारों ओर पसरे मातम के बीच साल में एक दिन ऐसा आता है, जब महाश्मशान पर होली खेली जाती है। वे भी रंगों के अलावा चिता की भस्म से। रंगभरी एकादशी पर महाश्मशान पर खेली गई इस अनूठी होली के पीछे प्राचीन मान्यता है कि जब रंगभरी एकादशी के दिन भगवान विश्वनाथ मां पार्वती का गौना कराकर काशी पहुंचे, तो अपने गणों के साथ होली खेली थी।

पकवान होली के जश्न को बना देंगे यादगार

होली सिर्फ रंगों की मस्ती का त्यौहार ही नहीं है, बल्कि इस दिन जमकर खाने-खिलाने का दौर भी चलता है। घरों में होली के मद्देनजर कई दिनों पहले से ही पकवान बनना शुरू हो जाते हैं। आप भी अगर होली पर अपनों के साथ पार्टी एन्जॉय करते हैं तो इस बार जश्न का मज़ा बढ़ाने के लिए 7 पकवान तैयार कर सकते हैं जो कि न सिर्फ होली का मज़ा बढ़ा देंगे बल्कि खाने वाले भी आपकी चॉइस की तारीफ किए बिना नहीं रह सकेंगे।

गुजिया

होली के मौके पर बनायी जाने वाली गुजिया एक पारंपरिक पकवान है। इसका स्वाद सभी लोगों को काफी पसंद आता है। मावा गुजिया सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। कई जगह बिना मावा प्रयोग किए भी गुजिया बनायी जाती हैं। गुजिया को ज्यादातर फ्राई किया जाता है लेकिन कुछ लोग इसे बेक भी कर तैयार करते हैं।

ठंडाई

होली के त्यौहार की बात हो और ड्रिंक्स में ठंडाई का जिक्र न हो, ऐसा कैसे हो सकता है। होली के दौरान पारंपरिक तौर पर ठंडाई को बनाकर सर्व किया जाता है। ठंडाई की कई वैराइटीज़ काफी फेमस हैं। इसमें क्लासिक ठंडाई, चॉकलेट ठंडाई, रोज़ ठंडाई, ड्राई फ्रूट्स ठंडाई, मैंगो ठंडाई शामिल हैं। ठंडाई का स्वाद बड़ों के साथ बच्चों को भी पसंद आता है।

मालपुआ

देसी घी में तैयार और चाशनी में डूबा मालपुआ देखकर ही कई लोगों के मुंह में पानी आने लगता है। स्वाद में लाजवाब मालपुआ होली सेलिब्रेशन के लिए एक शानदार स्वीड डिश है। मालपुआ एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है और इसे किसी खास मौके पर जरूर बनाया जाता है। आप भी इस होली सेलेब्रेशन में अपनी स्वीट डिशेस की लिस्ट में मालपुआ को शामिल कर सकते हैं।

दही भल्ले

दही भल्ले या दही वड़ा को पसंद करने वालों की लंबी फेहरिस्त है। स्नैक्स के तौर पर दही भल्लें को काफी पसंद किया जाता है। होली के रंग में सराबोर होने के बाद दली भल्लें का स्वाद तो मुंह में अलग सा ज़ायका घोल देता है। ये एक आसान रेसिपी है और होली की पार्टी के लिए एक परफेक्ट फूड डिश भी है।

बादाम फिरनी

जब मीठे की बात चलती है तो खीर के साथ ही फिरनी का जिक्र भी आ ही जाती है। खीर के मुकाबले ज्यादा गाढ़ापन लिए होती है फिरनी। इसकी कई वैराइटीज़ फेमस हैं। इनमें से एक है बादाम फिरनी जो फेस्टिवल पर खास तौर पर बनायी जाती है। इसे आसानी से तैयार किया जा सकता है। होली के दिन आप भी बादाम फिरनी से सभी का मुंह मीठा करा सकते हैं।

पकोड़ा

होली पर पकवानों की बात जब चलती है तो मीठे के साथ नमकीन में पकोड़े भी मुंह में पानी ले आते हैं। पकोड़े कई तरह से बनाए जाते हैं आलू पकोड़ा, पालक, तुरई पकोड़ा आदि काफी पसंद किए जाते हैं। कई घरों में तो होली के मौके पर भांग के पकोड़े भी खाए जाते हैं। होली सेलिब्रेशन का मज़ा दोगुना कर देते हैं घर के बने पकोड़े।

रसमलाई

हमारे यहां का कोई भी फेस्टिवल बंगाली मिठाइयों के बिना अधूरा सा रहता है। बंगाली मिठाइयों में सबसे ज्यादा लोकप्रिय रस मलाई है और आप होली के खास मौके के लिए रसमलाई से अपनों का मुंह मीठा करा सकते हैं। सभी उम्र के लोगों के बीच रसमलाई काफी लोकप्रिय है।

तुषार कपूर भी डंक गिरोह में शामिल

चंद्र मोहन शर्मा

तुषार कपूर जो एक अभिनेता के रूप में अपनी विविधता के लिए जाने जाते हैं, डंक के साथ अपनी ओटीटी

फिल्म की शुरुआत करने जा रहे हैं और जो बात इसे और भी खास बनाती है वह यह है कि तुषार का किरदार उन्हें एक गहन और दिलचस्प अवतार में प्रस्तुत करता है। डंक में उनकी भूमिका के लिए! वह वास्तव में अपनी सीमाएं लांघने और दर्शकों को आश्चर्यचकित करने वाला है। डंक के लिए बोर्ड पर आने के बारे में बात करते हुए, तुषार ने कहा, ÷एक ऐसी कहानी का हिस्सा बनना, जो हर किरदार को इतनी बारीकियों के साथ प्रस्तुत करती है, एक ऐसा अवसर है जिसके लिए मैं हमेशा तैयार रहूंगा। डंक की कहानी, इसके पात्र सभी मेरे लिए बहुत दिलचस्प हैं। मैं एक वकील की भूमिका निभाएं, जो हार नहीं मानती और सफलता पाने के लिए निरंतर प्रयास करती है। प्रेरणा की कहानियों का चयन अतीत में बड़ी हिट साबित हुई है और मुझे उसकी दृष्टि पर पूरा भरोसा है। प्रेरणा अरोड़ा, जिन्होंने पहले पैडमैन, टॉयलेट- एक प्रेम कथा, रुस्तम जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाई हैं, तुषार को इस किरदार में पेश करने के लिए उत्साहित हैं। मैं तुषार के किरदार से दर्शकों को आश्चर्यचकित करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। चाहे मैं अभी कुछ भी कहूं, जब दर्शक उन्हें इस किरदार में देखेंगे, तो उन्हें आश्चर्य होना तय है। मैं इसी की तलाश में हूं। वह इस किरदार को निभाते हैं। डंक- वंस बिटन ट्वाइस शाय एक रिवेंज ड्रामा है जिसमें निधि अग्रवाल प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म में सुचित्रा कृष्णमूर्ति और शिविन नारंग भी हैं। फिल्म प्रेरणा अरोड़ा, यूजेएस स्टूडियो और एस के जी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और अभिषेक जयसवाल द्वारा निर्देशित है।

सिल्वर स्क्रीन पर अश्वथामा का किरदार निभायेंगे शाहिद कपूर

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता शाहिद कपूर सिल्वर स्क्रीन पर 'अश्वथामा' का किरदार निभाते नजर आयेंगे। पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही फिल्म

'अश्वत्थामा द सागा कंटीन्यूज़' में शाहिद कपूर 'अश्वत्थामा' का किरदार निभाते नजर आयेंगे।यह फिल्म महाभारत के अमर योद्धा अश्वत्थामा की कहानी पर रोशनी डालती है, जिनके बारे में माना जाता है कि वह आज भी हमारे बीच मौजूद हैं। पहले इस फिल्म में विक्की कौशल थे लेकिन शाहिद कपूर को अब लीड रोल में लिया गया है।इस फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख ने अपने बैनर पूजा एंटरटेनमेंट के तहत किया है और सचिन रवि द्वारा निर्देशित है। जैकी भगनानी ने कहा,हर प्रोजेक्ट जो हम करते हैं वह एंटरटेनमेंट से कहीं ज्यादा होते है, यह एक ऐसा अनुभव बनाने का प्रयास है जो दर्शकों के दिल और दिमाग में गहरी छाप छोड़ता है और हमेशा के लिए उनकी यादों का हिस्सा बन जाता है। बड़े मियां छोटे मियां के बाद मुझे एक अनोखी फिल्म करना था और तब यह फिल्म हमारे पास आयी यह उस कहानी पर एक मॉर्डन स्पिन है जिसे हम सभी जानते हैं और इस लीजेंड की व्याख्या हासिल करना एक खुशी की बात है। निर्देशक सचिन रवि ने बताया,मेरे लिए, अमरता एक दिलचस्प कॉन्सेप्ट है जो ढेर सारी भावनाओं और ड्रामा की व्यापक रंगों को जगा देता है। महाभारत से अश्वत्थामा की कहानी, जिन्हें माना जाता है कि आज भी जीवित है, ने उनकी कथा में गहराई से जाने की मेरी इच्छा को प्रेरित किया। मेरा मकसद इस कहानी में जिंदगी भरना, उसे आज की टाइमलाइन में रखना और एक अमर आत्मा के जटिल मानसिकता को समझना कि वह उस दुनिया को कैसे देखता है जिसे उसने हजारों सालों तक देखा है। मैंने उनकी कहानी को एक एपिक स्केल एक्शन फिल्म की भव्यता के साथ पेश करने की कोशिश की।

बॉडीकॉन ड्रेस पहने एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने खींचा फैंस का ध्यान

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े आए दिन अपनी शानदार बोल्ड एंड ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक लु सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही तबाही मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बॉडीकॉन आउटफिट में तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो काफी किलर नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस पूजा हेगड़े आए दिन अपनी हॉट फोटोशूट से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर अंदाज लोगों के बीच ट्रेंड करता है। हाल ही में एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं पूजा हेगड़े ने ब्राउन कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी बोल्ड और हॉट नजर आ रही हैं। गले में नेकलेस, सटल बेस मेकअप और बालों को ओपन वेवी लुक स्टाइल देकर एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। पूजा हेगड़े का ये लुक देखकर फैंस भी खुद को लाइक्स और कॉमेंट्स करने से नहीं रोक पा रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने साउथ और बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी हर एक झलक पाने के लिए उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। पूजा हेगड़े सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड ने दिए क्रिटिक्स चॉयस अवार्ड्स

दीपक दुआ

यूं तो भारत और भारत के बाहर भी भारतीय सिनेमा को लेकर किस्म-किस्म के अवार्ड शो होते हैं लेकिन हर साल मुंबई में होने वाला 'क्रिटिक्स चॉयस अवार्ड्स' इस मायने में खास होता है कि यह भारत के चुनिंदा फिल्म क्रिटिक्स की एकमात्र रजिस्टर्ड संस्था फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड की ओर से दिया जाता है। पूरे भारत से अलग-अलग भाषाओं में अलग-अलग माध्यमों पर फिल्मों, वेब-सीरिज़, शॉर्ट-फिल्मों आदि के रिव्यू करने वाले 50 फिल्म समीक्षक इस संस्था के सदस्य हैं जो कई महीनों की जी तोड़ मेहनत के बाद इस नतीजे पर पहुंचते हैं कि भारत के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग भाषाओं में बनीं और रिलीज़ हुईं फिल्मों, वेब-सीरिज़ और शॉर्ट-फिल्मों में से किसे, कौन-सा पुरस्कार दिया जाए। हाल ही में मुंबई में आयोजित हुए एक भव्य समारोह में करण जौहर, अनिल कपूर, कोंकणा सेन शर्मा, विद्या बालन, पद्मिनी कोल्हापुरे, मीनाक्षी शेषाद्रि, दिव्या दत्ता, ऋचा चड्ढा, अली फजल, कबीर खान जैसी फिल्म इंडस्ट्री की कई नामी हस्तियों की मौजूदगी में वर्ष 2023 के लिए ये पुरस्कार दिए गए। इस दौरान फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड के भी कई सारे सदस्य-अनुपमा चोपड़ा, स्तुति घोष, अविनाश पाल सिंह, अजय ब्रह्मात्मज, अर्णव बैनर्जी, सैबल चटर्जी, मोनिका रावल, दीपक दुआ, सचिन चाटे, शोमिनी सेन, सुखप्रीत कहलों, उदिता झुनझुनवाला, तत्सम मुखर्जी, विशाल मैनन, शिलाजीत मित्रा, रोहित वत्स, भावना सोमाया, भारती प्रधान, अनुज कुमार आदि भी मौजूद रहे। शॉर्ट फिल्मों के वर्ग में सर्वश्रेष्ठ फिल्म-'नॉक्टर्नल बर्गर', निर्देशक-रीमा माया (नॉक्टर्नल बर्गर), अभिनेता- संजय मिश्रा (गिद्ध), अभिनेत्री-मिल्रो सुनका (नॉक्टर्नल बर्गर), लेखक-मनीष सैनी व अशोक सांखला (गिद्ध) और सिनेमैटोग्राफी-जिग्मे वांगचुक (लास्ट डेज़ ऑफ समर) को पुरस्कृत किया गया।

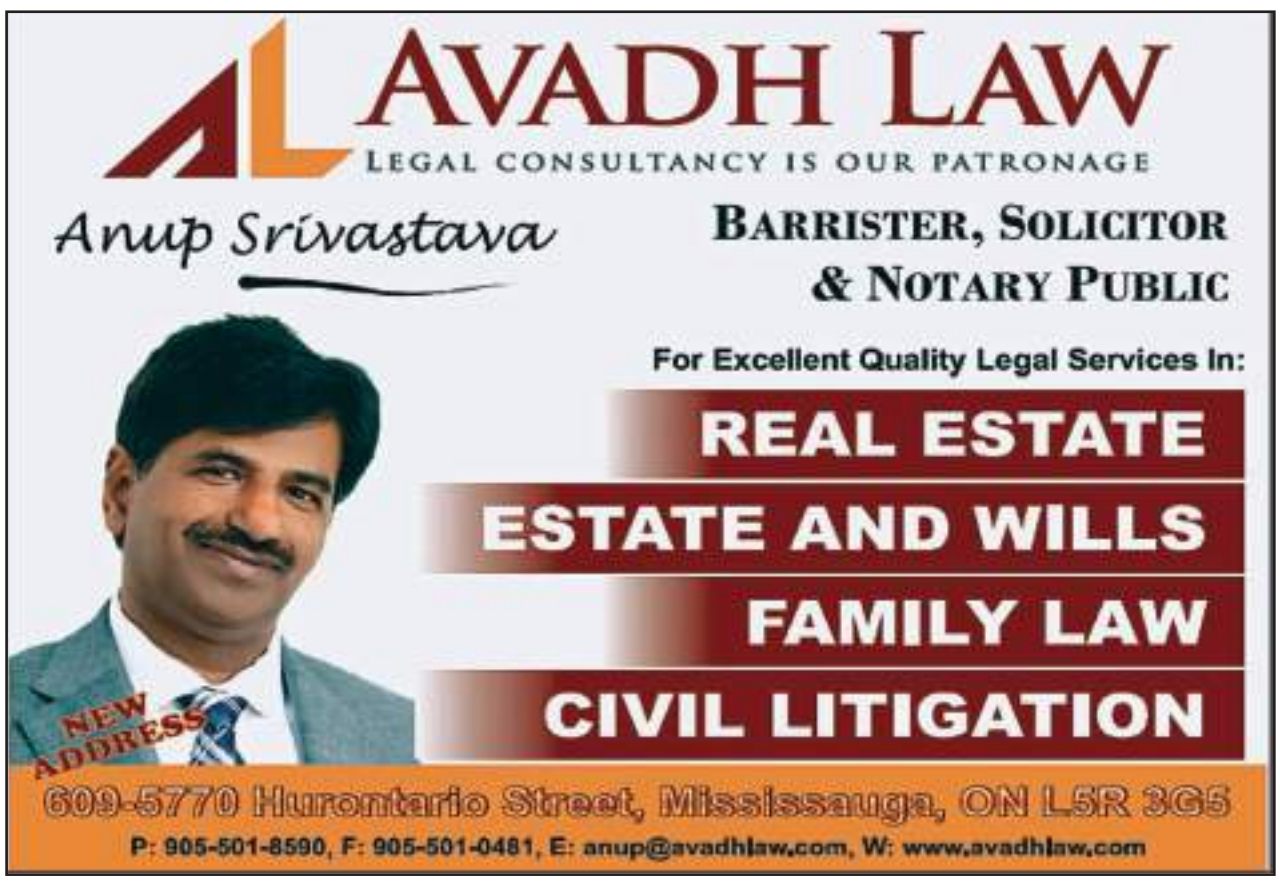

मिस एंड मिसेज इंडिया एंड नारी शक्ति सम्मान 2024 का सफ़ल आयोजन

विशेष संवाददाता

इस भव्य समारोह में- तीर्थानंद राव हास्य कलाकार, नाना पाटेकर (मुंबई) और अमिताभ बच्चन जैसे दिखने वाले ईश्वर चित्ते (अहमदाबाद), दोनों कलाकारों ने अपने परफॉर्मेंस से मिस एंड मिसेज इंडिया एंड नारी शक्ति सम्मान 2024 में समा बांध दिया।

डॉ कृष्णा चौहान द्वारा आयोजित समारोह में संगीतकार दिलीप सेन, सिंगर दीपा नारायण झा, फ़िल्म फ़ेडरेशन अध्यक्ष बीएन तिवारी, एसीपी संजय पाटिल, भारती छाबड़िया, एक्टर रमेश गोयल सहित

कई बॉलीवुड हस्तियां शामिल हुई ... मायानगरी मुम्बई में अवॉर्ड फंक्शन के शहंशाह कहे जाने वाले डॉ कृष्णा चौहान ने महिला दिवस के उपलक्ष्य पर %मिस एंड मिसेज इंडिया एंड नारी शक्ति सम्मान 2024% के तीसरे सीज़न का भव्य आयोजन महानगर के प्रसिद्ध उपनगर अंधेरी पश्चिम स्थित मेयर हॉल में किया। केसीएफ प्रस्तुत इस पुरस्कार समारोह में उनको सम्मानित किया गया जिन्होंने समाज सेवा और मानव सेवा का उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही अपनी कला और व्यक्तित्व का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए समाज को नई दिशा प्रदान की हैं।

बरसो छुपाया गया सच जानना है तो 'बस्तर' देखे

चंद्र मोहन शर्मा

माना सच को दिखाने या समझाने के लिए फिल्म मेकर को कुछ ऐसा भी अपनी फिल्म में दिखाना या सुनाना पड़ता है जिसे हर कोई नही देखना चाहता और न ही सुनना चाहता है, डायरेक्टर सुदसो और निर्माता बिपुल अमृत लाल शाह की बस्तर के करीब आधा दर्जन ऐसे ही खून से भरे और और बेहद घिनौनी हिंसा के सीन को सेंसर कमेटी ने फिल्म से अलग किया, लेकिन इसके बावजूद फिल्म में ऐसे और भी कई सीन है जिन पर कमेटी को कैंची चलाने का सुझाव देना चहिए था लेकिन ऐसा हुआ नही , ऐसा लगता है मेकर ने स्क्रिप्ट की डिमांड की दुहाई देकर इन हिंसा, मारकाट, खून खराबा और एक के बाद लाशों के गिरने और जिंदा इंसान को कुल्हाड़ी से काट कर 30 से ज्यादा टुकड़े करना, अपने पति के टुकड़ों टुकड़ों में हुए शरीर को एक बोरी में भर खून से सनी बोरी में मृत शरीर के टुकड़ों को अपने सिर पर रख कर ले जाने वाले सीन को देख आप विचलित हो जाएगे, बस्तर में मार्क्सवाद और नक्सलवाद के खूनी तांडव और गांव वालो पर जुल्म की इन्तहा करने वाले ऐसे कई सीन फिल्म में अभी भी है जिन पर कैंची चलनी चाहिए थी, फिल्म के एक सीन में नक्सली खूनी तांडव करते

हुए गांव के छोटे बच्चो से लेकर बुजुर्गो तक को को गोलियों से भून देते है, चाकुओं से गांव वालो की गर्दन धड़ से अलग करने वाले सीन इस फिल्म का हिस्सा है, जिन्हे कमेटी को फिल्म काटना चाहिए था, माना नक्सलवाद की असलियत दिखाने और उनके घिनौने काले राक्षिसी चेहरे को आम दर्शको तक ले जाने के लिए इन सींस का फिल्म में होना भी जरूरी था लेकिन इन सीन को कुछ सेकेंड में दिखाया जाना चाहिए था, ऐसा हुआ नही और ये सीन भी फिल्म में है बेशक खून की नदी बहने, महिलाओ के साथ घिनौने काम करते नक्सलियो के इन सीन पर कैंची चलना जरूरी था, सी आर पी एफ के के जवानों को आग में जिंदा जलाने और उनके शवो के साथ नाचले हुए नक्सली ये सीन भी समझ से परे है इन शहीद जवानों को कुत्ता कहने वाले सीन को फिल्म से से हटाना चाहिए था फिल्म के उस सीन को जिसमे पूरे गांव के लोगो को बेरहमी से गाजर मूली की तरह काटने के बाद एक नक्सली द्वारा 2 साल की छोटी बच्ची को उठा कर आग में फेकने वाले सीन को क्यों दिखाया गया , बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश जन जन तक ले जाने वाली सरकार का सेंसर बोर्ड क्या संदेश देना चाहता है।

इस के बावजूद मैं आपसे इस फिल्म को जरूर देखने की सिफारिश करूंगा हां अगर आप कमजोर दिल वाले हैं तो फिल्म ना ही देखे ,फिल्म में टीवी पर बेवजह डिबेट करने वाले हिंसा के दलालों और नेताओ का पर्दाफाश किया गया है किस तरह पिछली सरकारों ने मार्क्सवाद नक्सलवाद और कथित बुद्धिजीवियों जो विदेशों से आने वाले फंड को पाते है और देश के कानून का मजाक उड़ाते है अफसोस होता है शीर्ष अदालत में भी इनकी झट सुनवाई होती है गरीब तो यहां सपने में भी नही जा सकता ऐसे अनेक मुद्दे आप बस्तर में देखेंगे फिल्म की लीड एक्ट्रेस अदा शर्मा को सैल्यूट केरल स्टोरी के बाद इस बार अदा की एक्टिंग गजब है , इस फिल्म के किए उन्हे बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड मिलना ही चाहिए। सेंसर कमेटी ने कई बेहद क्रूरता से भरे सीन को काटा और 124 मिनट अवधि के साथ फिल्म को एडल्ट सर्टिफिकेट जारी किया लेकिन फिर भी सेंसर बस्तर पर कुछ ज्यादा ही मेहरबान क्यों रहा ये शायद जरूरी भी था क्योंकि सच को पर्दे पर दिखाने के लिए ये सीन जरूरी है ताजुब होता भी है कि कोई मेकर आतंक को इतने क्रूर तरीके से भी दिखा सकता है, फिल्म पर सुदीप्तो की पकड़ है. फिल्म कहीं ढीली नहीं पड़ती है, फिल्म हर थोड़ी देर में आपको चौंकाती है।

मेरी नजर में यही डायरेक्टर की कामयाबी है.विपुल ने ही द केरल स्टोरी बनाई थी जिसके बाद खूब हंगामा हुआ था. विपुल शाह की तारीफ करनी होगी कि वो ऐसी फिल्मों में सच दिखाने जी हिम्मत करते है अपनी जेब से पैसा लगा रहे हैं।

बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड जीतने पर खुशी से झूम उठीं सलमान खान की भांजी अलिजेह अग्निहोत्री

सलमान खान की भांजी अलिजेह अग्निहोत्री ने अपना पहला अवॉर्ड जीता। बीते साल नवंबर में उन्होंने फर्रे के साथ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म छप्परफाड़ कमाई नहीं कर पाई, लेकिन इसकी एक्ट्रेस को बेस्ट फीमेल डेब्यू का अवॉर्ड दिला दिया है। हाल ही में पिंकविला ने अपना स्टाइल आइकॉन अवॉर्ड होस्ट किया। जहां बॉलीवुड के कई सितारे पहुंचे। अलिजेह अग्निहोत्री को अवॉर्ड शो में फिल्म फर्रे के लिए बेस्ट डेब्यू का अवॉर्ड दिया गया। पहली ही फिल्म के साथ एक्ट्रेस ने अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रही। वहीं, आर्चीज एक्टर वेदांग रैना ने भी इवेंट में अवॉर्ड अपने नाम किया। स्टार किड्स से भरी इस फिल्म के लिए वेदांग रैना ने आउटसाइड होते हुए भी बेस्ट मेल डेब्यू का खिताब जीता। अलिजेह अग्निहोत्री अवॉर्ड नाइट में ब्राउन कलर का का गाउन पहनकर पहुंचीं और बेहद खूबसूरत नजर आईं। अवॉर्ड के साथ उन्होंने मीडिया के लिए पोज भी किया। वहीं, वेदांग रैना ऑल ब्लैक लुक में नजर आए। आर्चीज का डायरेक्शन जोया अख्तर ने किया था। बीते साल फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। वेदांग रैना के अलावा आर्चीज के साथ सुहाना खान, खुशी कपूर और अगस्त्य नंदा ने भी डेब्यू किया था। फर्रे की बात करें,तो फिल्म

का डायरेक्शन जामताड़ा फेम सौमेंद्र पाधी ने किया था। वहीं, सलमान खान फिल्म्स, माइथ्री मूवी मेकर्स और एथेना ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फर्रे में अलिजेह अग्निहोत्री के साथ जेन शॉ, साहिल मेहता, प्रसन्ना बिष्ट, रोनित बोस रॉय और जूही बब्बर सोनी भी अहम किरदारों में नजर आए। फिल्म का प्रीमियर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया 2023 में किया गया था, जहां अलिजेह अग्निहोत्री के साथ सलमान खान भी पहुंचे थे।

मनोज वाजपेयी की फिल्म भैयाजी का टीजर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता मनोज वाजपेयी की आने वाली फिल्म भैयाजी का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म भैय्या जी की कहानी वर्ष 2014 में बिहार के सीतामंडी में सेट है। 'भैया जी' के टीजर की शुरुआत में दिखाया जाता है कि एक खंडहर के आगे सुनसान इलाके में भीड़ जमा है।

भीड़ के बीच में कोई है जो बेहोश पड़ा है। उसे मारने की बात हो रही है,लेकिन कोई हिम्मैत कर के आगे नहीं बढ़ रहा। इस बीच उनमें से एक लोहे के रॉड के साथ आगे बढ़ता है। लेकिन वह हमला करने ही वाला होता है कि उस बेहोश पड़े इंसान के पैरों में हरकत होती है।

इस बीच भैया जी यानी मनोज वाजपेयी की आंखें खुल जाती हैं और लोग डर से भागने लगते हैं।वह उठकर खड़े होते हैं और एक भाग रहे बदमाश के हाथ से बीड़ी लेकर होठों पर

सुलगाते हैं। मनोज वाजेपेयी कहते हैं निवेदन नहीं नरसंहार होगा, नरसंहार। मनोज बाजपेयी ने कहा, भैया जी को एक ऐसा किरदार बनाना था जिसे दर्शक आसानी से भूल न सकें, खासतौर पर तब से जब ये मेरी फिल्म इंडस्ट्री में मेरी 100वीं फिल्म है।

मुझे खुशी है कि मुझे 'बंदा' की टीम के साथ दोबारा काम करने का मौका मिला। हमने इस किरदार और फिल्म को बनाने का खूब आनंद लिया। हमें यकीन है कि दर्शक फिल्म के हर सेकंड को पसंद करेंगे।

फिल्म भैयाजी के निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की हैं। फिल्म भैयाजी मनोज बाजपेयी के फिल्मी करियर की 100वीं फिल्म है।फिल्म 'भैया जी' का निर्माण विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, समीक्षा ओसवाल, शैल ओसवाल, शबाना रजा बाजपेयी और विक्रम खाखर ने किया है। यह फिल्म 24 मई 2024 को रिलीज होगी।

JOSHI LAW OFFICE
BARRISTER, SOLICITOR & NOTARY PUBLIC
• Real Estate Law
• Family Law
• Immigration • Wills
• Power of Attorney
• Notarization • Affidavit
416-213-8600
RAKESH JOSHI
B.A. L.L.B.
Fax: 416-213-8601
E-mail: info@joshilawoffice.com
6921 Steeles Ave. West, Unit #11
Etobicoke, Ontario M9W 6T5

घटते वन, बढ़ते प्रदूषण ने अनमोल जिंदगी कर दी कम

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मनुष्य के मूलभूत जीवनावश्यक घटकों से खिलवाड़ करके अन्य भौतिक सुख-सुविधा प्राप्त करना ही अब उद्देश्य बन गया है, तो हम किस आधार पर इस आधुनिक विकास को मनुष्य का सर्वांगीण विकास कहें? मनुष्य को स्वस्थ जीवन के लिए शुद्ध ऑक्सीज़न, स्वच्छ जल और स्वास्थ्यकर आहार सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, जिसके बिना जीवन की कल्पना बेमानी है। दुनिया में आज कितने प्रतिशत लोगो को यह आवश्यक घटक शुद्ध रूप में प्राप्त हो रहे हैं? हम सभी को पता है कि अमीर हो या गरीब सभी प्रदुषित वातावरण में जीने को मजबूर हैं। आज के समय में कोई नहीं बता सकता कि भोजन की थाली में खाद्यपदार्थ कितना शुद्ध है और यही कारण है कि गर्भवती माताओ के पेट में पल रहे शिशु से लेकर हर उम्र के व्यक्ति में जानलेवा बिमारियो में बेतहाशा वृद्धि हुई है, हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, कैंसर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं।

आज हम जिस तरह के वातावरण में सांस ले रहे हैं, निश्चित ही भविष्य में नई-नई बीमारियों का साम्राज्य बढ़ना तय है। इस स्थिति के लिए केवल मनुष्य ही जिम्मेदार है। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ खिलवाड़, नीति-नियमों की अवहेलना और स्वार्थवृत्ति ने आमजन के जीवन की डोर को बेहद कमजोर कर दिया है। पेड़ सजीवों के लिए सबसे बड़ा जीवनदाता है, पेड़-पौधो के बिना प्रकृति का अस्तित्व नहीं हो सकता और प्रकृति के बिना मनुष्य का अस्तित्व नहीं हो सकता। पेड़-पौधों के कारण ही हमें शुद्ध ऑक्सीजन, पानी, आहार प्राप्त होता है। प्रकृति मनुष्य की हर इच्छा पूरी कर सकती है, लेकिन उनकी लालच नहीं।

हर साल 21 मार्च को वनों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने ÷अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस÷ दुनिया भर में मनाया जाता है। इस वर्ष 2024 की थीम %वन और नवाचार% है। हमारे जंगल कम हो रहे हैं, वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में 6.6 मिलियन हेक्टेयर जंगल नष्ट हो गए। जनसंख्या और शहरीकरण में वृद्धि के कारण, अधिक भूमि की लगातार बढ़ती मांग के कारण, आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन व अधिक वन क्षेत्रों को ख़त्म किया जा रहा हैं। पृथ्वी के तापमान में वृद्धि से भी वनों का क्षरण हो रहा हैं। डाउन टू अर्थ के अनुसार, भारत में वनों की कटाई 1990 और 2000 के बीच 384,000 हेक्टेयर से बढ़कर 2015 और 2020 के बीच 668,400 हेक्टेयर हो गई। जब जंगल ख़त्म होते है तो इसका सीधा असर पर्यावरण के हर घटक पर पड़ता है और वह जीवन को बुरी तरह प्रभावित करता है।

पर्यावरणीय जोखिम वैश्विक बीमारी के बोझ का 12त्न कारण बनते हैं, जिसमें वायु प्रदूषण पहले स्थान पर है। बीएमजे अनुसार, सूक्ष्म कणों और ओजोन वायु प्रदूषण के कारण हर साल 83.4 लाख लोग जान गवांते है, जबकि प्रदूषण और स्वास्थ्य पर लांसेट कमीशन ने बताया कि 2015 में 90 लाख असामयिक मौतों के लिए प्रदूषण जिम्मेदार था, अर्थात दुनिया भर में छह में से एक मौत प्रदूषण से, और कुल 4क्6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (वैश्विक आर्थिक उत्पादन का 6क्2त्न) का आर्थिक नुकसान हुआ। जल प्रदूषण 14 लाख असामयिक मौतों के लिए जिम्मेदार था। सीसा और अन्य रसायन वैश्विक स्तर पर हर साल 18 लाख मौतों के लिए ज़िम्मेदार था। विषाक्त व्यावसायिक खतरे 8.7 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार थे। अनुमान है कि मृदा प्रदूषण के प्रति मानव जोखिम हर साल वैश्विक स्तर पर 5 लाख से अधिक असामयिक मौतों का कारण बनता है। विकासशील देशों में खराब प्रबंधन वाले कचरे से जुड़ी बीमारियों और दुर्घटनाओं के कारण हर साल चार से दस लाख लोग मरते हैं। प्रदूषण से संबंधित 90त्न से अधिक मौतें कम आय और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं।

जीबीडी 2019 रिसर्च अनुसार, वायु प्रदूषण, सीसा प्रदूषण और व्यावसायिक प्रदूषकों से पुरुषों की मृत्यु होने की अधिक संभावना है, जबकि जल प्रदूषण से महिलाओं और बच्चों की मृत्यु की संभावना अधिक होती है। ओजोन और पार्टिकुलेट मैटर जैसे वायु प्रदूषक फेफड़ों, हृदय रोग और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की गंभीरता को बढ़ाते हैं। बीएमजे में प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि उद्योग, बिजली उत्पादन और परिवहन में जीवाश्म ईंधन के उपयोग से उत्पन्न वायु प्रदूषण दुनिया भर में सालाना 51 लाख टाले जा सकने वाली मौतों के लिए जिम्मेदार है।

मिलावट खोरी का देश में ये हाल है कि अपने 1 रुपये के फायदे के लिए स्वार्थी लोग ग्राहकों को स्लो पाइजन के रूप में हानिकारक खाद्यपदार्थ खिलाते हैं। खाद्यतेल, मसाले, दूध, मिठाई, नमकीन, अनाज हर पदार्थ में शुद्धता का दावा झूठा साबित होता दिखता हैं। रिसर्च कहता है कि हर तीसरा व्यक्ति मिलावटी दूध का सेवन कर रहा है, खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर भरपूर मात्रा में उपलब्ध हैं। पहले ही देश के बदलते खान-पान से बहुत विपरीत प्रभाव पड़ा हैं। स्वास्थ्यकर आहार की जगह तेल मसाले नमकीन मीठे और पाचन में भारी खाद्यपदार्थों की मांग लगातार बढ़ रही हैं।

फसल उगाने से लेकर उस भोजन को थाली में पहुंचने तक भारी मात्रा में अनेक हानिकारक रासायनिक प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ता हैं। खेतों में रासायनिक खाद का छिड़काव, अनाज पर पॉलिश, चमकदार कृत्रिम रंगों का प्रयोग, फलों को पकाने में घातक रसायनों का प्रयोग, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों और पेयों में रासायनिक प्रक्रिया खाद्य को विषाक्त बनाती हैं। साथ ही बाहरी खाद्यपदार्थों में अस्वछता की समस्या भी गंभीर मुद्दा है। दुनिया में आहार संबंधी मृत्यु दर पर 'लैंसेट' पत्रिका 2019 में प्रकाशित एक अध्ययन में खराब आहार के कारण होने वाली सबसे अधिक मौतों के मामले में भारत 1,573,595 आंकड़ों के साथ चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। युवा सस्ते और अस्वास्थ्यकर भोजन विकल्पों का सहारा ले रहे हैं जिनमें मुख्य रूप से स्नैक्स शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में अनुमानित 60 करोड़ लोग, लगभग 10 में से 1 व्यक्ति दूषित भोजन से बीमार पड़ता हैं, जिसके परिणामस्वरूप 3.3 करोड़ स्वस्थ जीवन वर्ष का नुकसान होता है। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में असुरक्षित भोजन के कारण उत्पादकता और चिकित्सा व्यय में हर साल 8.65 लाख करोड़ का नुकसान होता है। 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर भोजन जनित बीमारियों का 40त्न बोझ होता है, और हर साल 125,000 मौतें होती हैं।

हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या रासायनिक पदार्थों से युक्त असुरक्षित भोजन डायरिया से लेकर कैंसर तक 200 से अधिक बीमारियों का कारण बनता है। यह बीमारी और कुपोषण का एक दुष्चक्र भी बनाता है, विशेष रूप से शिशुओं, छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों को प्रभावित करता है। खाद्य जनित बीमारियों के आर्थिक बोझ पर विश्व बैंक की रिपोर्ट 2019 ने संकेत दिया कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में खाद्य जनित बीमारी से जुड़ी कुल उत्पादकता हानि प्रति वर्ष 78,89,79,52,00,000 रुपये अनुमानित थी, और खाद्य जनित बीमारियों के इलाज की वार्षिक लागत अनुमानत 12,42,91,05,00,000 रुपये थी।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे प्रदूषित देश

अमित बैजनाथ गर्ग

बिहार का बेगूसराय दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरी क्षेत्र के रूप में उभरा है, जबकि दिल्ली सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला राजधानी शहर रहा है। वहीं दुनिया में हर नौ में से एक मौत प्रदूषण की वजह से हो रही है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, दुनिया में हर साल तकरीबन 70 लाख लोगों की वायु प्रदूषण के कारण समय से पहले मौत हो जाती है।

स्विस संगठन आईक्यूएयर की ओर से हाल ही में जारी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 के मुताबिक, बिहार का बेगूसराय दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरी क्षेत्र के रूप में उभरा है, जबकि दिल्ली सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला राजधानी शहर रहा है। औसत वार्षिक पीएम 2.5 सांद्रता 54.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के साथ भारत साल 2023 में बांग्लादेश (79.9 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) और पाकिस्तान (73.7 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) के बाद 134 देशों में से तीसरा सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला देश रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रदूषण की स्थिति लगातार बिगड़ रही है और यह दुनिया का तीसरा सबसे प्रदूषित देश बन गया है। वहीं वायु गुणवत्ता के मामले में दिल्ली फिर से दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बन गई है।

भारत की वायु गुणवत्ता केवल दो देशों बांग्लादेश और पाकिस्तान से बेहतर है। 134 देशों में से बांग्लादेश पहले और पाकिस्तान दूसरे स्थान पर रहा है। ये दोनों भारत को पछाड़कर क्रमशः दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों में शुमार हो गए। गौरतलब है कि साल 2022 में भारत इस सूची में आठवें स्थान पर था। इस साल भारत में पीएम 2.5 की औसत सांद्रता 53.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी। वहीं साल 2023 में बिहार के बेगूसराय को दुनिया का सबसे प्रदूषित महानगरीय क्षेत्र करार दिया गया है। इसकी औसत पीएम 2.5 सांद्रता 118.9 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी। दिलचस्प बात यह है कि बेगूसराय 2022 की सूची में कहीं नहीं था।

रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाली राजधानी बन गई है। 2023 में दिल्ली का पीएम 2.5 स्तर और ज्यादा खराब होकर 92.7 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर हो गया है। साल 2022 में यह 89.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। यह लगातार चौथी बार है, जब दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी के रूप में उभरी है। वहीं लगभग 1.36 अरब भारतीय नागरिकों को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से चिह्नित अनुशंसित स्तर से अधिक पीएम 2.5 सांद्रता का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डब्ल्यूएचओ ने वार्षिक दिशा-निर्देश स्तर 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर निर्धारित किया है।

लगभग 96 प्रतिशत भारतीय आबादी यानी कि करीब 1.33 अरब लोगों को पीएम 2.5 के अनुशंसित स्तर से सात गुना बढ़े हुए स्तर का सामना करना पड़ता है। 66 प्रतिशत से अधिक भारतीय शहरों में वायु प्रदूषण का वार्षिक औसत 35 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक दर्ज किया गया है। आईक्यूएयर की इस रिपोर्ट को बनाने के लिए उपयोग किया गया डाटा 30,000 से अधिक नियामक वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों और अनुसंधान संस्थानों, सरकारी निकायों, विश्वविद्यालयों और शैक्षिक सुविधाओं, गैर-लाभकारी तथा गैर-सरकारी संस्थाओं की ओर से संचालित कम लागत वाले वायु गुणवत्ता सेंसर के वैश्विक वितरण से एकत्र किया गया था।

इससे पहले साल 2022 की विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट में 131 देशों और क्षेत्रों के 7,323 स्थानों का डाटा शामिल था। साल 2023 में यह संख्या बढ़कर 134 देशों और क्षेत्रों में 7,812 स्थानों तक पहुंच गई। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, दुनियाभर में हर साल तकरीबन 70 लाख लोगों की वायु प्रदूषण के कारण समय से पहले मौत हो जाती है।

पीएम 2.5 वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से कई स्वास्थ्य स्थितियां पैदा होती हैं और बिगड़ जाती हैं, जिनमें अस्थमा, कैंसर, स्ट्रोक और फेफड़ों की बीमारी शामिल है, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि वायु प्रदूषण के कारण सूक्ष्म कणों के ऊंचे स्तर के संपर्क में आने से बच्चों का विकास रुक सकता है, मानसिक समस्याओं और मधुमेह सहित कई जटिल बीमारियां हो सकती हैं। साल 2010 में हुए एक अध्ययन में पाया गया कि कुछ घंटों से लेकर हफ्तों तक ही पीएम 2.5 के संपर्क में रहने से हृदय और फेफड़ों से संबंधित रोग के कारण होने वाली मृत्यु दर बढ़ सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक पीएम 2.5 प्रदूषक कणों की उस श्रेणी को संदर्भित करता है, जिसका आकार 2.5 माइक्रोन के करीब का होता है। मुख्य रूप से जंगल की आग, बिजली संयंत्रों और औद्योगिक प्रक्रियाओं के कारण इसका स्तर बढ़ जाता है। पीएम 2.5 के बढ़ने के कारण धुंध छाने और साफ न दिखाई देने के साथ कई गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। यह कण आसानी से सांस के माध्यम से शरीर में प्रवेश करके गले में खराश, जलन और फेफड़ों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

दुनिया में हर नौ में से एक मौत प्रदूषण की वजह से हो रही है। जो मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा पर्यावरणीय खतरा बनता जा रहा है। पीएम 2.5 वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा, कैंसर, आघात और फेफड़ों की बीमारी समेत अनेक बीमारियां हो सकती हैं। वहीं आंखों और स्किन में जलन होना आम समस्या है। कई लोगों को ज्यादा पॉल्यूशन में जाने से आंखों में जलन, आंखों से पानी आना, सांस लेने में दिक्कत, खांसी की समस्या होने लगती है। इसके अलावा छोटे बच्चों में निमोनिया की समस्या बढ़ जाती है। इसके साथ हार्ट और फेफड़ों जुड़ी बीमारियां, स्ट्रोक, क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, ब्रोन्कस और फेफड़ों के कैंसर, गंभीर अस्थमा और निचले श्वसन संक्रमण का खतरा बना रहता है।

सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुसार, प्रदूषण वाले इलाके में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है, खासकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को। उनका कहना है कि प्रदूषण से सबसे ज्यादा समस्या बुजुर्गों और छोटे बच्चों को होती है। इससे बचने के लिए प्रदूषण वाले जगहों पर जाने से बचना चाहिए।

इसके अलावा जब ज्यादा जरूरत हो तो मास्क पहन कर या किसी कपड़े से अपना नाक और मुंह ढंक कर ही बाह निकलना चाहिए। आंखों पर चश्मा पहनना न भूलें, इससे आंखों में जलन से बचाव हो पाएगा। इसके साथ ही बाहर से आने पर सबसे पहले अपने हाथों को साफ करें, इसके बाद चेहरे और आंखों को साफ पानी से धो लें। इस तरह हर संभव सावधानी बरतने से वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों से काफी हद तक बचा जा सकता है।

आईआईटी-मद्रास ने इलेक्ट्रिक स्टैंडिंग व्हीलचेयर 'नियोस्टैंड' का किया निर्माण

चेन्नई.एजेंसी

मद्रास भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-मद्रास) ने भारत की सबसे अनुकूलन योग्य इलेक्ट्रिक स्टैंडिंग व्हीलचेयर %नियोस्टैंड% बनायी है, जिसे व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं के लाभ के लिए स्वदेशी रूप से बनाया गया है। आईआईटी परिसर में बुधवार शाम को आईआईटी-मद्रास के निदेशक प्रो.वी.कामाकोटी, प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, इस परियोजना के उदार समर्थकों, संकाय, शोधकर्ताओं और इन पुनर्वास उपकरणों के उपयोगकर्ताओं की उपस्थिति में %नियोस्टैंड% को लॉन्च किया गया। नियोस्टैंड एक कॉम्पैक्ट स्टैंडिंग व्हीलचेयर है जिसमें मोटराइज्ड स्टैंडिंग मैकेनिज्म से आसान नेविगेशन संभव है। यह एक ऐसी व्हीलचेयर है जिसमें सिर्फ एक बटन के स्पर्श से उपयोगकर्ता आसानी से बैठने से खड़े होने की स्थिति में आ सकते हैं। इसकी मदद से दिव्यांग बंधुओं के लिए आसानी से खड़े होकर लोगों से आंख से आंख मिलाकर संवाद करने, किसी किताब को उठाने और काउंटर पर खड़े होकर कॉफी का मजा लेने जैसे अनुभव कर पाना संभव हो पायेगा। व्हीलचेयर तैयार करने का यह काम टीटीके सेंटर फॉर रिहैबिलिटेशन रिसर्च एंड डिवाइस डेवलपमेंट (आर2डी2) और आईआईटी मद्रास की प्रोफेसर सुजाता श्रीनिवासन के नेतृत्व में किया गया है। इस उपकरण का व्यवसायीकरण कर दिया गया है और इसे आईआईटी मद्रास-इनक्यूबेटेड स्टार्ट-अप नियोमोशन के माध्यम से बाजार में लाया जा रहा है। लॉन्च कार्यक्रम को संबोधित करते हुये प्रोफेसर कामकोटि ने कहा, ÷ यह आईआईटी मद्रास के संकाय द्वारा निर्देशित बहुत महत्वपूर्ण शोध कार्य हैं जिनका बहुत बड़ा सामाजिक प्रभाव रहेगा।÷ क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर के एसोसिएट मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, डॉ. हेनरी प्रकाश ने कहा, ÷आज जब हम पहुंच, सामर्थ्य और सामाजिक दृष्टिकोण की जटिलताओं से निपट रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की चुनाव आयुक्तों के नियुक्ति संबंधी कानून पर रोक की याचिका

नई दिल्ली.एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य दो आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति संबंधी 2023 के (संशोधित) कानून को चुनौती देने वाली याचिकाएं गुरुवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा,हम अब कानून पर रोक नहीं लगा सकते हैं।

रोक लगाने से केवल अराजकता और अनिश्चितता पैदा होगी। पीठ ने हालांकि, कहा कि चयन समिति के सदस्यों को विचार-विमर्श के लिए अधिक समय दिया जा सकता था। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को 14 मार्च को चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। इससे ठीक एक दिन पहले शीर्ष अदालत में इससे संबंधित मामले की सुनवाई होनी थी। पीठ ने आगाह करते हुए कहा, ÷ ऐसी संवैधानिक नियुक्तियों से सावधान रहना होगा। विपक्ष के नेता को बैठक से पहले उम्मीदवारों पर विचार करने के लिए कोई समय नहीं दिया गया। ऐसा लगता है कि कुछ ही घंटों में 200 नामों पर विचार किया गया। पीठ ने कहा कि जब मामला अदालत में विचाराधीन है तो सरकार चयन संबंधी बैठक को एक या दो दिन के लिए टाल सकती थी। शीर्ष अदालत ने कहा, न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिए। हम जन प्रतिनिधित्व अधिनियम से निपट रहे हैं जो मेरे अनुसार संविधान के बाद सर्वोच्च है।

पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, आपको चयन समिति के सदस्यों को उनके सामने आने वाले नामों पर अपना दिमाग लगाने के लिए समय देना चाहिए। संसद ने एक कानून बनाया और इसका मतलब है कि चयन समिति के सदस्यों को इस पर अपना दिमाग लगाना होगा। शीर्ष अदालत के समक्ष एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और अन्य ने याचिका दायर कर नए कानून में सीईसी और ईसी की नियुक्ति के लिए गठित समिति में मुख्य न्यायाधीश नहीं रखे जाने पर सवाल उठाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने 'फैक्ट चेक यूनिट' पर केंद्र सरकार की अधिसूचना पर लगाई रोक

उच्चतम न्यायालय ने भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रभाव का विश्लेषण करने को अनावश्यक बताते हुए 'फैक्ट चेक यूनिट' से संबंधित केंद्र सरकार की 20 मार्च 2024 की अधिसूचना पर गुरुवार को अंतरिम रोक लगा दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने स्टैंड अप कॉमेडियन कुणाल कामरान और एडिटर्स गिल्ड की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के संचालन को निलंबित कर दिया। पीठ ने कहा कि इससे संबंधित मामला उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। अदालत कई महत्वपूर्ण सवालों पर विचार कर रही है। पीठ ने हालाँकि, कहा, हमारा मानना है कि उच्च न्यायालय के समक्ष आने वाले प्रश्न संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के मूल प्रश्नों से निपटते हैं। उच्च न्यायालय द्वारा निर्णय लंबित होने के कारण, हम गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेने से बच रहे हैं। हमारा विचार है कि अंतरिम राहत के आवेदन की अस्वीकृति के बाद 20 मार्च, 2024 की अधिसूचना पर रोक लगाने की जरूरत है।

आंध्र प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा के लिए भाजपा ने प्रभारी बनाए

नयी दिल्ली.एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान, हरियाणा एवं आंध्र प्रदेश के लिए आज पार्टी के चुनाव प्रभारियों एवं सह प्रभारियों की नियुक्ति कर दी। भाजपा के महासचिव अरुण सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने तीनों प्रदेशों के लिए चुनाव प्रभारियों एवं सह प्रभारियों की नियुक्तियों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने राजस्थान के लिए श्री विनय सहस्रबुद्धे को प्रभारी और श्रीमती विजया राहटकर एवं श्री प्रवेश वर्मा को सह प्रभारी नियुक्त किया है। हरियाणा के लिए श्री सतीश पुनिया को प्रभारी एवं श्री सुरेंद्र सिंह नागर को सह प्रभारी तथा आंध्र प्रदेश के लिए पार्टी महासचिव श्री अरुण सिंह को प्रभारी एवं श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

मुंबई। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर व आंचल गुप्ता कालांत्री द्वारा महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में देश की महिलाओं को उनके स्वास्थ्य, वित्तीय मजबूती व महिलाओं के कानूनी अधिकारों के प्रति जागरुक करवाया गया

छाया : कबीर

तमिलनाडु लोकसभा चुनाव के लिए मतदान 7 बजे सुबह से शाम 6 बजे तक होगा

चेन्नई.एजेंसी।

तमिलनाडु की सभी 39 लोकसभा सीटों और पुडुचेरी की एकमात्र सीट के लिए मतदान 19 अप्रैल को एक चरण में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। चुनाव आयोग ने कल अधिसूचना जारी कर इसकी घोषणा की, जिसके साथ ही चुनाव के लिए नामांकन की शुरुआत हो गई। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 27 मार्च है और नामांकन पत्रों की जांच 28 मार्चा को होगी। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 30 मार्च है और मतदान 19 अप्रैल को होगा तथा वोटों की गिनती 4 जून को होगी। चुनाव आयोग के अनुसार, तमिलनाडु में 6.19 करोड़ मतदाता हैं। इसमें 3.15 करोड़ महिलाएं, 3.05 करोड़ पुरुष और थर्ड जेंडर के 8,294 लोग शामिल हैं। 18-19 आयु वर्ग में 9.18 लाख युवा पहली बार मतदान

करेंगे और 20-29 आयु वर्ग में 1.08 करोड़ मतदाता हैं। मतदाताओं में 4.33 लाख दिव्यांग, 14.66 लाख अति वरिष्ठ नागरिक और 8,765 नागरिक 100 वर्ष या उससे उपर हैं। इसमें कहा गया कि तमिलनाडु के 39 निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 68,144 मतदान केंद्र होंगे, जिनमें से 40,838 ग्रामीण और 27,306 शहरी मतदान केंद्र होंगे।

पतंजलि आयुर्वेद ने अपने भ्रामक और झूठे विज्ञापन पर मांगी माफी

नई दिल्ली.एजेंसी

'भ्रामक' विज्ञापन जारी करने के मामले में अदालत की अवमानना नोटिस का सामना कर रहे पतंजलि आयुर्वेद और उसके प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष बिना शर्त माफी की गुहार लगाई है।इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने एलोपैथी दवा को बदनाम करने के लिए बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ याचिका दायर की थी। इस मामले में शीर्ष अदालत ने उन्हें 19 मार्च को फटकार लगाई थी और दो अप्रैल को रामदेव और बालकृष्ण को अदालत के समक्ष पेश होने का आदेश दिया था। उससे पहले शीर्ष अदालत के समक्ष एक हलफनामा दायर कर बालकृष्ण ने कहा है कि वह कानून के शासन का सर्वोच्च सम्मान करते हैं और उसका पालन करने के लिए बाध्य है। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा है कि जिस विज्ञापन में केवल सामान्य बयान शामिल थे, उसमें अनजाने में आपत्तिजनक वाक्य भी शामिल हो गए। ऐसा इस वजह से हुआ कि, कंपनी के मीडिया विभाग के कर्मियों को अदालत के आदेश के बारे में जानकारी नहीं थी। योग गुरु बाबा रामदेव के शिष्य बालकृष्ण ने 21 नवंबर 2023 को पतंजलि आयुर्वेद की ओर से दिए गए एक बयान के उल्लंघन मामले में बिना

शर्त माफी मांगते हुए कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में ऐसे विज्ञापन जारी न किए जाएं।

हालाँकि, उन्होंने कहा कि ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज़ (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम 1954 की अनुसूची जे, ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज़ (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1955 के साथ पढ़ी गई, एक पुरानी स्थिति में है और आखिरी बदलाव 1996 में पेश किए गए थे। हलफनामे में कहा गया है, ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट, 1940 तब पारित किया गया था जब आयुर्वेद अनुसंधान में वैज्ञानिक साक्ष्य की कमी थी। इसमें कहा गया है कि कंपनी के पास अब आयुर्वेद में किए गए नैदानिक अनुसंधान के साथ साक्ष्य-आधारित वैज्ञानिक आंकड़े हैं, जो उक्त अनुसूची में उल्लिखित बीमारियों के संदर्भ में वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से हुई प्रगति को प्रदर्शित करेगा। शीर्ष अदालत ने 19 मार्च को अवमानना ??नोटिस का जवाब दाखिल करने में रामदेव और बालकृष्ण के विफल होने पर कड़ी आपत्ति जताई थी और उन्हें अगली सुनवाई 2 अप्रैल को इस अदालत के समक्ष व्यक्तिगत तौर पर उपस्थिति होने का आदेश दिया था।

इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने 27 फरवरी 2024 को विभिन्न बीमारियों के इलाज का दावा करने वाली कंपनी पतंजलि के भ्रामक और झूठे विज्ञापनों के खिलाफ निष्क्रियता के लिए केंद्र सरकार को फटकार लगाई थी और आरोपी कंपनी को फिलहाल ऐसी घोषणाएं करने से रोक दिया था। शीर्ष अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद को कई बीमारियों के इलाज के लिए उसकी दवाओं के बारे में विज्ञापनों में झूठे और भ्रामक दावे करने के प्रति 21 नवंबर 2023 को आगाह किया था।

नई बहू ससुराल में क्यों नहीं मनाती पहली होली?

होलिका एक दिव्य वस्त्र को ओढ़कर प्रह्लाद को जलाने के लिए आग में जा बैठी थी, जैसे ही प्रह्लाद ने भगवान विष्णु के नाम का जाप किया, होलिका का अग्निरोधक वस्त्र प्रह्लाद के ऊपर आ गया और वह बच गया, जबकि होलिका भस्म हो गई। कहते हैं कि जिस दिन होलिका ने आग में बैठने का काम किया, अगले दिन उसका विवाह भी होना था।

होली का त्योहार है और जब चारों दिशाएं इसी रंग में रंगी हुई हैं तो याद आता है कि इस पर्व की वजह भी तो किसी की करुण पुकार ही है। एक बच्चे की पुकार जो महज 11 या 12 साल का रहा होगा। प्रह्लाद नाम था उसका। दैत्यकुल में जन्मा था। ऐसा कुल, जिसकी खानदानी परंपरा ही थी विष्णु से विद्रोह, देवताओं से ईर्ष्या, मनुष्यता से बैर और सत्कर्मों से दूरी। इसी प्रह्लाद का पिता था दैत्यराज हिरण्यकश्यप।हिरण्यकश्यप ने ब्रह्मा जी से वरदान मांगा था कि न उसे कोई मानव मार सके, और न ही कोई पशु, न रात और न ही दिन में उसकी मृत्यु हो, उसे कोई भी न घर के भीतर और न बाहर मार सके। इतना ही नहीं, उसने ये भी मांगा कि न धरती पर और न ही आकाश में, न किसी अस्त्र से और किसी शस्त्र से उसकी मृत्यु हो।

हिरण्यकश्यप के घर जब प्रह्लाद का जन्म हुआ तो वह बचपन से ही विष्णुभक्त निकला। यह कथा, भागवत पुराण के सप्तम स्कन्ध में वर्णित है। हिरण्यकश्यप और उसके पुत्र प्रह्लाद की ये कहानी न केवल एक धार्मिक गाथा है, बल्कि इसमें निहित निःस्वार्थ भक्ति और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश, आज के विचलित समाज को ईश्वर की मौजूदगी और उसके न्याय के प्रति अधिक विश्वास दिलाता है। जैसे-जैसे प्रह्लाद बड़ा होता गया, उसके जन्म के संस्कार और अधिक प्रबल होते चले गए। वह पूरी तरह विष्णुभक्त बन गया। दैत्यराज हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र और श्रीहरि के परमभक्त प्रह्लाद पर भीषण अत्याचार किए। वह चाहता था कि प्रह्लाद अपने पिता यानी खुद हिरण्यकश्यप की पूजा करे। लेकिन प्रह्लाद विष्णुभक्त थे। उनके मुंह से आठों पहर श्रीहरि का नाम निकलता था। जिससे हिरण्यकश्यप नाराज हो गया। उसने अपने बेटे प्रह्लाद को हाथी के पैरों के नीचे कुचलवाने की कोशिश की, उसे जहर दिया, सर्पों से भरे तहखाने में बंद कर दिया, ऊंचाई से फिंकवा दिया, जंजीरों में बांधकर पानी में डुबा दिया। लेकिन प्रह्लाद हर बार बच गए।

फिर हिरण्यकश्यप ने होलिका के साथ मिलकर प्रह्लाद को मारने की योजना बनाई। होलिका हिरण्यकश्यप की बहन थी और उसका विवाह असुर विप्रचीति से हुआ था। एक बार, हिरण्यकश्यप की बहन होलिका ने प्रह्लाद को मारने के लिए अपने भाई का साथ दिया। भागवत कथा और विष्णु पुराण के अनुसार, होलिका को ब्रह्माजी से वरदान में ऐसा वस?त्र मिला था जो कभी आग से जल नहीं सकता था। बस होलिका उसी वस?त्र को ओढ़कर प्रह्लाद को जलाने के लिए आग में जाकर बैठ गई, जैसे ही प्रह्लाद ने भगवान विष्णु के नाम का जाप किया, होलिका का अग्निरोधक वस्त्र प्रह्लाद के ऊपर आ गया और वह बच गया, जबकि होलिका भस्म हो गई। मान्यता है, कि तब से ही बुराई पर अच्छाई की जीत के उत्साह स्वरूप सदियों से हर वर्ष होलिका दहन मनाया जाता है। होलिका दहन की कथा पाप पर धर्म की विजय का प्रतीक है।

नई बहु क्यों नहीं देखती होलिका दहन?

कई लोक कथाओं में होलिका की इसी कहानी का एक और स्वरूप मिलता है। कहते हैं कि जिस दिन होलिका ने आग में बैठने का काम किया, अगले दिन उसका विवाह भी होना था। उसके होने वाली पति का नाम इलोजी बताया जाता है।

लोक कथा के मुताबिक, इलोजी की मां जब बेटे की बारात लेकर होलिका के घर पहुंची तो उन्होंने उसकी चिता जलते दिखी। अपने बेटे का बसने वाला संसार उजड़ता देख वह बेसुध हो गई और उन्होंने प्राण त्याग दिए। बस तभी से ये प्रथा चला आ रही है कि नई बहू को ससुराल में पहली होली नहीं देखनी चाहिए। इसीलिए वह होली से कुछ दिन पहले मायके आ जाती हैं।

होली पर भद्रा का साया,सिर्फ एक घंटे का दहन मुहूत

होली 2024 की तैयारियों जोरों पर शुरू हो चुकी हैं। इस बार 24 मार्च को होलिक दहन है और 25 मार्च को धुलेंडी है। होलिका दहन फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा तिथि पर किया जाएगा। इस बार होलिका पर भद्रा का साया है। इस वजह से एक घंटे का समय ही मिलेगा जो होलिका दहन लिए शुभ होगा।

शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. अभिषेक पांडेय ने बताया कि इस बार भी होलिका दहन के अवसर पर भद्रा का साया है इस कारण होलिका दहन भद्रा की समाप्ति के बाद किया जाएगा। पंचांग शुद्धि में भद्रा का खास महत्व है। पंचांगों के अनुसार 24 मार्च को पूर्णिमा तिथि का आरंभ सुबह 9.56 बजे से होगा और 25 मार्च दोपहर 12.30 बजे तक रहेगी। 24 मार्च को पूर्णिमा तिथि के आरंभ के साथ ही भद्रा लगी रही है और रात में 11.14 बजे तक भद्रा रहेगी। ऐसे में भद्राकाल समाप्त होने के बाद ही होलिका दहन करना शुभ रहेगा। अत- होलिका दहन 24 मार्च रविवार को भद्रा समाप्ति के बाद रात्रि 11.15 से 12.20 के मध्य होलिका दहन शुभ रहेगा। वहीं होलिका का पूजन प्रदोष काल व रात्रिकाल में शुभ रहेगा।

क्या है भद्रा

पुराणों के अनुसार भद्रा भगवान सूर्य की पुत्री और शनिदेव की बहन है। यह प्राय- अशुभ दृष्टि वाली है। ज्योतिष में तिथि, वार, योग, नक्षत्र और करण से मिलकर पंचांग बनता है। इनमें से 7वें करण विष्टि का नाम ही भद्रा है। यह सदैव गतिशील होती है। वैसे तो भद्रा का अर्थ मंगल करने वाला होता है, लेकिन इस अर्थ के विपरीत विष्टि या भद्रा करण में शुभ कार्य निषेध बताए गए हैं। वैसे लगभग प्रत्येक पूर्णिमा पर भद्रा आती है, लेकिन होली तथा रक्षाबंधन पर्व पर इसका प्रभाव अधिक रहता है। भद्रा का कुछ राशियों पर शुभ तो कुछ पर अशुभ प्रभाव भी दिखेगा।

मिलेगा सिर्फ एक घंटा 20 मिनट

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि रंगों का त्योहार होली हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि के दिन बाद मनाया जाता है। होली के एक दिन पहले पूर्णिमा तिथि पर होलिका दहन किया जाता है। इस बार होलिका दहन 24 मार्च 2024 को है फिर उसके एक दिन बाद 25 मार्च को होली खेली जाएगी। हिंदू धर्म में होली का त्योहार विशेष महत्व रखता है। होली के एक दिन पहले होलिका दहन होती है। जिसमें लोग बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं। होली के दिन सभी मिलकर एक दूसरे को रंग, अबीर और गुलाल लगाते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार होलिका दहन के लिए एक घंटा 20 मिनट का ही समय रहेगा। इसकी वजह इस दिन उस दिन भद्रा प्रातः 9-55 से आरंभ होकर मध्य रात्रि 11-13 तक भूमि लोक की रहेगी। जो की सर्वथा त्याज्य है। अतः होलिका दहन भद्रा के पश्चात मध्य रात्रि 11-13 से मध्य रात्रि 12-33 के मध्य होगा। होलिका दहन के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 07-34 बजे से अगले दिन सुबह 06-19 बजे तक है। वहीं रवि योग रवि योग सुबह 06-20 बजे से सुबह 07:34 बजे तक है।

होली के एक दिन पहले पूर्णिमा की तिथि में होलिका दहन किया जाता है। वहीं पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 24 मार्च सुबह 8:13 मिनट से लेकर अगले दिन 25 मार्च सुबह 11:44 मिनट तक रहने वाली है। दिन भर उदय के कारण 24 मार्च को ही पूर्णिमा तिथि मान्य रहेगी। इस वर्ष होली का त्योहार 25 मार्च को मनाया जाएगा। जबकि इसके एक दिन पहले 24 मार्च को होलिका दहन है। होली उत्सव से आठ दिन पहले होलाष्टक लगेगा। होलाष्टक 17 मार्च से लग जाएगा।

पंचांग के अनुसार 24 मार्च को होलिका दहन के लिए लोगों के पास केवल 1 घंटा 20 मिनट का समय रहेगा। इसकी वजह इस दिन उस दिन भद्रा प्रातः 9:55 से आरंभ होकर मध्य रात्रि 11:13 तक भूमि लोक की रहेगी। जो की सर्वथा त्याज्य है। अतः होलिका दहन भद्रा के पश्चात मध्य रात्रि 11:13 से मध्य रात्रि 12:33 के मध्य होगा। उस दिन भद्रा की पूंछ शाम 06:33 बजे से शाम 07:53 बजे तक है, वहीं भद्रा का मुख शाम 07:53 बजे से रात 10:06 बजे तक है। भद्रा योग रहेगा। भद्रा को अशुभ माना जाता है।

भद्रा समाप्ति के बाद होलिका दहन मुहूर्त

साल 2024 में होलिका दहन का शुभ मुहूर्त भद्रा के पश्चात मध्य रात्रि 11:13 से मध्य रात्रि 12:33 तक है। होलिका दहन के लिए 1 घंटा 20 मिनट का शुभ समय प्राप्त होगा। होलिका दहन के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 07:34 बजे से अगले दिन सुबह 06:19 बजे तक है। वहीं रवि योग रवि योग सुबह 06:20 बजे से सुबह 07:34 बजे तक है।

नहीं होते भद्रा में शुभ कार्य

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि पुराणों के अनुसार भद्रा सूर्य की पुत्री और शनिदेव की बहन है। भद्रा क्रोधी स्वभाव की मानी गई हैं। उनके स्वभाव को नियंत्रित करने भगवान ब्रह्मा ने उन्हें कालगणना या पंचांग के एक प्रमुख अंग विष्टिकरण में स्थान दिया है। पंचांग के 5 प्रमुख अंग तिथि, वार, योग, नक्षत्र और करण होते हैं। करण की संख्या 11 होती है। ये चर-अचर में बांटे गए हैं। इन 11 करणों में 7वें करण विष्टि का नाम ही भद्रा है। मान्यता है कि ये तीनों लोक में भ्रमण करती हैं, जब मृत्यु लोक में होती हैं, तो अनिष्ट करती हैं। भद्रा योग कर्क, सिंह, कुंभ व मीन राशि में चंद्रमा के विचरण पर भद्रा विष्टिकरण का योग होता है, तब भद्रा पृथ्वीलोक में रहती है।

होलिका दहन विधि

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि होलिका दहन का तैयारी कई दिनों पहले से होने लगती हैं। होलिका दहन वाले स्थान पर लकड़ियां, उपले और अन्य जलाने वाली चीजों को एकत्रित किया जाता है। इसके बाद होलिका दहन के शुभ मुहूर्त पर विधिवत रूप से पूजन करते हुए होलिका में आग लगाई जाती है। फिर होलिका की परिक्रमा करते हुए पूजा सामग्री को होलिका में डाला जाता है।

आपका साप्ताहिक राशिफल

22 मार्च से 28 मार्च, 2024 तक

मेष

यह सप्ताह आपके लिए कुछ नया लेकर आ रहा है। आपके सारे काम एक लाइन से पूरे होते जाएंगे किंतु इसमें आपको किसी का सहयोग लेना पड़ सकता है। पारिवारिक जीवन में उतार-चढ़ाव और सदस्यों से टकराव बना रहेगा। कार्यस्थल पर अधीनस्थों का सहयोग नहीं मिलने से परेशान रहेंगे। व्यापारियों को अच्छा पैसा आएगा। नए काम प्रारंभ कर सकते हैं। स्वास्थ्य में सुधार आएगा।

वृषभ

यह सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। पुरानी परेशानियां एक बार फिर सामने आ सकती हैं। आर्थिक लाभ के अवसर आएंगे किंतु खर्च के रास्ते पहले से बन जाएंगे। संपत्ति के विवादों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य में परेशानी आ सकती है। अचानक रोग आने से धन की जरूरत लगेगी। करियर को ग्रोथ इस सप्ताह नहीं मिल पाएगी। सब सामान्य चलता रहेगा। यात्राएं हो सकती हैं।

मिथुन

यह सप्ताह सामान्य रहेगा। कुछ दिनों से चल रही भागदौड़ थमने वाली है और नए काम के सिलसिले में नए लोगों से मुलाकात होगी। नए आर्थिक समीकरण बनेंगे। साझेदारी में काम सफल होंगे। युवाओं को करियर में ग्रोथ मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। मांगलिक प्रसंगों में शामिल होने का अवसर आएगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। विवाद दूर होंगे। संपत्ति के काम पूरे होने के योग हैं।

कर्क

सप्ताह सामान्य है किंतु किसी पारिवारिक सदस्य से जोरदार विवाद मतभेद हो सकता है। आपके काम को सराहना और महत्व नहीं मिलने के कारण परेशानी पैदा होगी। शारीरिक रोग परेशान करेंगे और मानसिक स्थिति गड़बड़ा सकती है। धन को महत्व देना होगा और इस सप्ताह पैसों की बचत करें। निवेश करें और लाभ कमाएं। नौकरीपेशा का स्थानांतरण हो सकता है। बिजनेस ठीक चलेगा।

सिंह

सप्ताह में भागदौड़ रहेगी। अपने काम को लेकर परेशान होना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों का प्रमोशन होते-होते रूक जाएगा। स्वास्थ्य को लेकर चिंता करने की बात नहीं है, सेहत ठीक रहेगी। पारिवारिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। युवाओं को नई नौकरी मिलेगी। बिजनेस में लाभ के अवसर आएगा। नया काम प्रारंभ कर सकते हैं और यह काम साझेदारी में करेंगे तो ज्यादा लाभ होगा।

कन्या

यह सप्ताह आपके लिए कुछ नई सौगातें लेकर आने वाला है। आप जिन कामों को पूरा करने के लिए काफी दिनों से परेशान हो रहे थे वे पूरे होने वाले हैं। पैसों का सही जगह निवेश करेंगे। आर्थिक लाभ होगा और संपत्ति वाहन सुख की प्राप्ति होगी। सामाजिक जीवन में कोई सम्मान मिल सकता है। युवाओं को करियर में ग्रोथ मिलेगी। नए स्टार्टअप के लिए फंड का इंतजाम हो जाएगा।

तुला

यह सप्ताह आपको नई ऊंचाइयां देने वाला है। आपके काम को सर्वत्र सराहना मिलेगी और आप उन्नति के रास्ते पर अग्रसर होते जाएंगे। स्वयं के बिजनेस को आगे बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। पैसों की तंगी दूर होगी और आपके अटके काम पूरे होने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। परिवार के साथ यात्रा पर जाने के योग हैं। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी।

वृश्चिक

अपने काम और परिवार में तालमेल बिठाने की कोशिश करें। वरना दोनों तरफ से परेशान रहेंगे। स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। परिवार के सपोर्ट से बड़ी समस्याओं से पार पा जाएंगे। मानसिक स्थिति ठीक रहेगी। काम सफलतापूर्वक पूरे होंगे। पैसा आएगा और निवेश की योजना बनेगी। संतान पक्ष की ओर से कोई शुभ समाचार मिलने वाला है। पारिवारिक यात्राएं होंगी।

धनु

यह सप्ताह आपको थोड़ी मानसिक चिंताएं दे सकता है। परिवार में कोई अनपेक्षित घटना हो सकती है जिससे मन दुखी रहेगा। अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा। पारिवारिक विवाद हो सकते हैं। धन आएगा और खर्च भी अधिक होगा। नौकरी में स्थितियां आपके अनुकूल बनेंगी। प्रमोशन के साथ स्थानांतरण भी हो सकता है। नए बिजनेस में हाथ आजमाएं लाभ होगा।

मकर

इस सप्ताह आपको संभलकर चलना होगा। परिवार और बाहरी स्थितियों में किसी से विवाद हो सकता है। मानसिक चिंता रहेगी। स्वास्थ्य भी गड़बड़ा सकता है। नौकरीपेशा लोगों का प्रमोशन अटक सकता है जिससे मानसिक तनाव होगा। कार्यस्थल पर सहकर्मियों से पटरी बैठाने में मुश्किल आएगी। व्यापार ठीक चलेगा। साझेदारी में काम प्रारंभ करें लाभ होगा। पैसा आएगा खर्च भी होगा।

कुंभ

इस सप्ताह आपके सारे काम एक सिरे से पूरे होने लगेंगे। ध्यान रखें कि अपने काम स्वयं ही करें, दूसरों के भरोसे छोड़ना भारी पड़ सकता है। मुश्किलें आएंगी और उनसे निकलने का रास्ता भी मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन का प्रयोग करते समय सतर्कता रखनी होगी। कोर्ट-कचहरी के कामों में इस सप्ताह सफलता मिल सकती है। विवादों से दूर रहने का प्रयास करें।

मीन

यह सप्ताह आपके रिश्तों के लिए लाभदायक रहेगा। परिवार, बाहरी जीवन में दोस्तों से, प्रेम संबंधों में लाभ होगा। अपने पार्टनर के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। नौकरी में उन्नति होगी और नए ऑफर भी आ सकते हैं। व्यापार ठीक चलेगा। नए काम भी शुरू कर सकते हैं। धन लाभ होगा। संपत्ति सुख प्राप्त होगा। नए प्रेम संबंध मन को प्रफुल्लित करेंगे।

राशि के अनुसार होली खेलने के लिए चुनें भाग्यशाली रंग, जीवन में आएंगे सकारात्मक बदलाव

आस्था और आनंद का पर्व होली इस बार 25 मार्च को मनाई जाएगी और होलिका दहन के दूसरे दिन धुलंडी यानि रंगों का उत्सव मनाया जाता है। इस दिन सब लोग रंग,गुलाल और फूलों से होली खेलकर इस त्योहार को जीवंत रूप देते हैं। हमारे जीवन में रंगों का खास महत्व होता है। रंगों का उचित चयन हमें सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक शांति देता है। वहीं ज्योतिष शास्त्र में हर एक राशि के लिए भाग्यशाली रंग माने गए हैं जिनके इस्तेमाल से उस राशि के जातकों को हर कार्य में सफलता मिल सकती है। आइए जानते हैं राशि के अनुसार आपके भाग्यशाली रंग कौन-कौन से हैं।

मेष और वृश्चिक राशि

इन दोनों राशियों के स्वामी मंगल हैं। अतः इन राशि के व्यक्तियों के लिए होली खेलने में लाल, पीले, गुलाबी और केसरिया रंग का इस्तेमाल करना अच्छा रहेगा। ऐसा करने से आपको अपने सोचे हुए काम में सफलता मिलेगी और पति-पत्नी के बीच संबंध भी मधुर बनेंगे।

वृषभ और तुला राशि

इन दोनों राशियों के स्वामी शुक्र हैं। जन्म कुंडली में शुक्र ग्रह की प्रसन्नता के लिए इस राशि के जातकों को क्रीम, गुलाबी, हरा, फिरोजी या सिल्वर रंग या इससे मिलते-जुलते रंगों से होली खेलना बहुत शुभ रहेगा ऐसा करने से आपको अपने कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

मिथुन और कन्या राशि

इन दोनों राशियों के स्वामी बुध है अतः जन्म कुंडली में बुध के अशुभ प्रभाव को कम करके शुभता में वृद्धि के लिए इन राशि वाले जातकों को हरा, नीला, जामुनी और सी ग्रीन कलर को होली के लिए चुनना लाभकारी होगा। ऐसा करने से आपके जीवन में नई ऊर्जा शक्ति और बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। पति-पत्नी का दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा।

कर्क राशि

इस राशि के स्वामी चंद्रमा है। चंद्रदेव की प्रसन्नता के लिए कर्क राशि के जातकों को अपनी राशि के अनुसार सिल्वर, गुलाबी, क्रीम, लाल या सैफ्रॉन कलर की गुलाल और रंगों से होली खेलना श्रेष्ठ रहेगा। ऐसा करने से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और तरक्की के नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

सिंह राशि

इस राशि के स्वामी सूर्य देव है जो सभी ग्रहों और राशियों के भी स्वामी माने गए हैं। जन्म कुंडली में सूर्य जनित दोषों से मुक्ति तथा उनकी प्रसन्नता के लिए इस राशि के जातकों को लाल,केसरिया,गुलाबी,पीले या इससे मिलते हुए रंगो से होली खेलना बेहद शुभ रहेगा।इन रंगों का गुलाल उड़ाने से जहाँ आपके विचारों में सकारात्मक वृद्धि होगी वहीं आपका स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा।

धनु और मीन राशि

इस राशि के स्वामी बृहस्पति हैं। इनकी अशुभता में कमी और शुभता में वृद्धि के लिए इस राशि के जातकों को पीले, लाल, गुलाबी या केसरिया रंग से होली खेलने से जन्म कुंडली में बृहस्पति जन्म दोष शांत होंगे। इन रंगों के प्रयोग से धर्म-कर्म के मामलों में आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा।

मकर और कुंभ राशि

इस राशि के स्वामी सूर्यपुत्र शनिदेव हैं। जन्म कुंडली में शनि के अशुभ प्रभाव में कमी तथा शुभ प्रभाव में वृद्धि के लिए इस राशि के जातकों को नीला, काला, जामुनी, आसमानी तथा सफेद या मिश्रित कलर के रंगों से होली खेलना शुभ परिणामों में वृद्धि करेगा। ऐसा करने से आपके जीवन में आने वाली सभी बाधाएं दूर हो जाएंगी, करियर में नए अवसर प्राप्त होंगे और घर में सुख-शांति रहेगी।

JOBS JOBS JOBS

EMPLOYMENT AGENCY LOOKING

JOBS JOBS

WANTED Men & Women, Part Time and Full Time
Jobs at Factories in Toronto, Mississauga,
Brampton, Scarborough Areas, (Loading and
Unloading, Packaging, Production Lines).

LDA CONSULTING
206-900 ALNESS STREET, NORTH YORK, ON M3J 2H6
Tel : 647-494-4479 437-244-7559

Big Bakery located on Jane/Wilson hiring general labour, forklift drivers,
line operators for full-time positions.
Contact us for more information
647-494-4479 437-244-7559

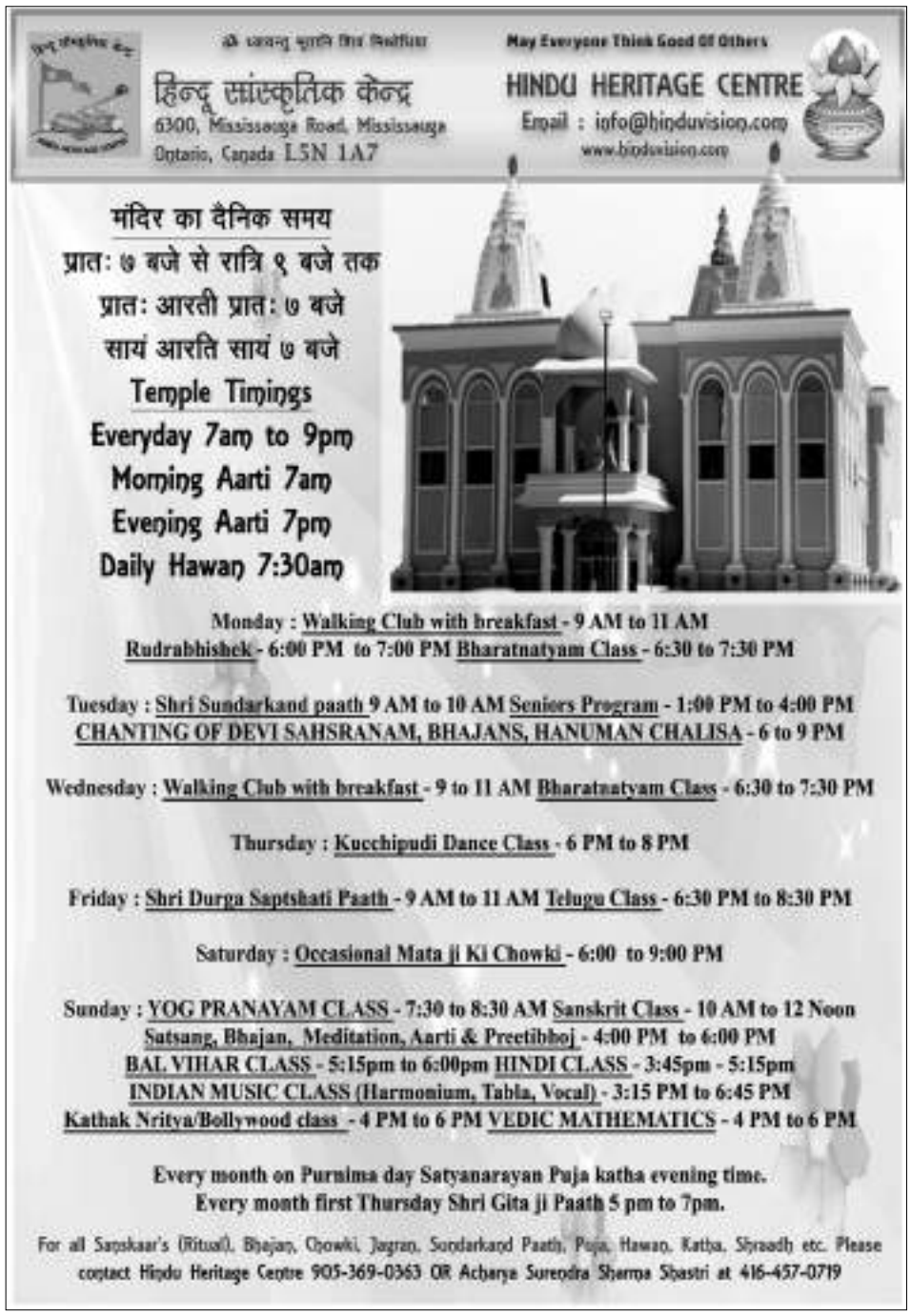

कैनेडा के सर्वश्रेष्ठ हिन्दी साप्ताहिक सामाचार पत्र

हिन्दी Abroad

में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
905-673-9929
Web : wwwhindiabroad.com

MATRIMONIAL

Male Hindu 34/5.4
Professionaly qualified or well settled match from, India based business family for fair, slim, pretty, telented girl. of Mediam status, reputed hindu family.
Looking beautiful Girl,
please respond with full details.
Contact : 971832691 vikassaini@gmail.com

Male Hindu Age 32 Born and raised In India
Speaks Fluent Hindi and English,
BA Degree & Self Business Print Media & Electronic Media - Family Business is looking
Hindu & Punjabi Girl Ages 25 to 32
E-mail : **ajeetinfo2016@gmail.com**

For Matrimonial Advertise

Contact : 905-673-9929

संक्षिप्त समाचार

ऋषि सुनक का महत्वकांक्षी रवांडा विधेयक फिर अटका

लंदन (एजेंसी)

ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक की महत्वकांक्षी योजना 'रवांडा विधेयक' एक बार फिर अटक लगया है। दरअसल बुधवार को ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में विधेयक पर मतदान हुआ, लेकिन यह विधेयक पारित नहीं हो सका। हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्यों ने विधेयक में संशोधन की मांग की है। ऐसे में विधेयक में फिर से संशोधन किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विपक्षी नेताओं के साथ ही, सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी के कुछ नेताओं ने भी विधेयक में संशोधन करने का समर्थन किया है। ब्रिटेन की सरकार का कहना है कि रवांडा विधेयक का उद्देश्य ब्रिटेन में इंग्लिश चैनल से अवैध रूप से आने वाले शरणार्थियों को रोकना है। बीते साल इंग्लिश रूट से 29,437 लोग ब्रिटेन पहुंचे। रवांडा विधेयक के तहत ब्रिटेन की सरकार शरण लेने वाले लोगों को रवांडा भेजेगी, जहां से वे ब्रिटेन में शरण पाने के लिए आवेदन कर सकेंगे।

आतंकी पन्नू के मामले पर अमेरिका ने भारत से की ये गुजारिश

वॉशिंगटन (एजेंसी)

खालिस्तानी अलगावावादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की साजिश के मामले पर अमेरिका ने एक बार फिर प्रतिक्रिया दी है। बाइडन प्रशासन ने कहा कि गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की साजिश के पीछे के लोगों को जिम्मेदार ठहराने के लिए अमेरिका, भारत के साथ काम कर रहा है। पिछले साल नवंबर महीने में भारतीय नागरिक, निखिल गुप्ता पर संघीय अभियोजकों द्वारा पन्नून की हत्या की नाकाम साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया गया था, जिसके पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है।

भारत में सीएए लागू होने की अमेरिकी सांसद ने की आलोचना

वाशिंगटन.एजेंसी

हिंदू संस्थाओं ने किया पलटवार,बताया क्यों है जरूरी

नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए को लेकर भारत के राज्यों से ही नहीं दुनिया भर के देशों से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। अब अमेरिका के एक सांसद ने भारत सरकार द्वारा सीएए के लागू करने पर चिंता जताई है। उनका सहना है कि अमेरिका और भारत के रिश्तों में गहराई के साथ यह महत्वपूर्ण है कि सहयोग सभी के मानवाधिकारों की रक्षा के साझा मूल्यों पर आधारित हो, चाहे वे किसी भी धर्म के हों। नागरिकता संशोधन विधेयक 11 दिसंबर, 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया था। एक दिन बाद ही इस विधेयक को राष्ट्रपति की सहमति मिल गई थी।

सीएए के जरिए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता लेने में आसानी होगी। ऐसे अल्पसंख्यक, 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश कर चुके हों। साथ ही सरकार ने एक बयान जारी किया था कि भारतीय मुसलमानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि सीएए उनकी नागरिकता को प्रभावित नहीं करेगा और इसका समुदाय से कोई लेना-देना नहीं है। सदन के विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष बेन कार्डिन ने चिंता जाहिर की। कहा, 'मैं भारत सरकार के विवादास्पद नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू करने के फैसले से बहुत परेशान हूं। खासकर भारत में रहने वाले मुस्लिम समुदाय पर कानून के संभावित पड़ने वाले प्रभाव से मैं चिंतित हूं। मामले को भड़काने वाला तथ्य यह है कि रमजान के पवित्र महीने में इसे लागू किया जा रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'अमेरिका और भारत के बीच गहरे संबंध होने के साथ यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हमारा सहयोग सभी लोगों के मानवाधिकारों की रक्षा के साझा मूल्यों पर आधारित हो, चाहे वे किसी भी धर्म के हों।'

पिछले सप्ताह अमेरिकी विदेश विभाग ने सीएए की अधिसूचना पर चिंता जताई थी और कहा था कि सभी समुदायों के लिए धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान और कानून के तहत समान व्यवहार मौलिक लोकतांत्रिक सिद्धांत हैं। वहीं, भारत ने सीएए की आलोचना के लिए अमेरिकी विदेश विभाग को तीखी फटकार लगाई थी और कहा था कि यह गलत जानकारी है। हालांकि, हिंदू पॉलिसी रिसर्च एंड एडवोकेसी कलेक्टिव (हिंदूपैक्ट) और ग्लोबल हिंदू हेरिटेज फाउंडेशन ने अलग-अलग बयानों में सीएए का समर्थन किया है। उनका कहना है कि यह कानून भारत के पड़ोसी देशों से सताए गए हिंदू, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी अल्पसंख्यकों को तुरंत नागरिकता दिलाने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा कि यह धार्मिक उत्पीड़न के खिलाफ व्यक्तियों और परिवारों की सुरक्षा के लिए भारत के समर्पण को रेखांकित करता है। हिंदूपैक्ट के संस्थापक और सह-संयोजक अजय शाह ने कहा, 'सीएए भारत के किसी नागरिक को प्रभावित नहीं करता है। भारत के पड़ोस में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव किया जाता है और उन्हें परेशान किया जाता है। अमेरिकियों के रूप में, हम निराश हैं कि अमेरिकी मूल्यों और उत्पीड़ित लोगों के मानवाधिकारों के लिए खड़े होने के बजाय, हमारी सरकार ने इस मानवीय प्रयास का विरोध करना चुना है।' हिंदूपैक्ट की सह-संयोजक दीप्ति महाजन ने कहा कि पाकिस्तान में हिंदू, सिख और ईसाई अल्पसंख्यक समुदायों की छोटी लड़कियों की दुर्दशा के प्रति सहानुभूति की कमी को देखना चौंकाने वाला है।

'भारत के साथ हमारे संबंध पहले से अधिक मजबूत', पेंटागन अधिकारी ने कही यह बात

वॉशिंगटन.एजेंसी

अमेरिका के शीर्ष रक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं। आज के समय में यह संबंध पहले से अधिक मजबूत हैं। साथ ही अधिकारियों ने सांसदों से कहा कि रूस के साथ संबंध होने के कारण भारत के पास कई विकल्प हैं। हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा मंत्री एली एस रैटनर ने हिंद-प्रशांत पर सदन की उपसमिति के सदस्यों से बुधवार को कहा कि अमेरिका कई क्षेत्रों में भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं कहना चाहूंगा कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं और यह पहले से कहीं अधिक मजबूत होते जा रहे हैं। एक स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के हमारे दृष्टिकोण के लिए यह बहुत जरूरी है।' बता दें, रैटनर रैंकिंग सदस्य एडम स्मिथ के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, 'हम कई क्षेत्रों में संबंध को मजबूत कर रहे हैं। हमने जेट इंजन को लेकर कुछ प्रगति की है। इसके अलावा हमारे रक्षा औद्योगिक आधार को एकीकृत करने के लिए बख्तरबंद वाहनों पर कुछ नई परियोजनाएं हैं, जो उन संबंधों को मजबूत बनाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है।' स्मिथ ने कहा, 'मैं उन्हें महत्वपूर्ण समझता हूं, लेकिन मैं निश्चित रूप से भागीदार नहीं बनूंगा क्योंकि उनका संबंध रूस के साथ है और इससे उनके पास विकल्प ज्यादा हैं। उनके दुनिया भर में हमारे कई विरोधियों के साथ संबंध हैं। मुझे लगता है कि उन्हें हमारे साथ और अधिक काम करने के लिए आगे बढ़ना हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है।' उन्होंने रैटनर से पूछा कि वह भारत के साथ अमेरिका के संबंधों को कैसे देखते हैं और इसे मजबूत करने के लिए क्या जरूरी है। स्मिथ के सवाल का जवाब-इस पर सहायक रक्षा मंत्री ने बताया कि वह अपने निजी क्षेत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं, विशेष रूप से रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में काम किया जा रहा है। इसके अलावा संबंधों को मजबूत करने के लिए हमारे पास कुछ महत्वपूर्ण नई योजनाएं हैं। यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड के कमांडर नेवी एडमिरल जॉन एक्विलिनो भारतीयों के साथ कई महत्वपूर्ण अभ्यासों और अभियानों का नेतृत्व कर रहे हैं जो हमारे परिचालन समन्वय को बढ़ा रहे हैं।

इजरायली बलों ने रफाह में किए हवाई हमले

यरुशलम (एजेंसी)

फलस्तीनी शरणार्थियों से भरे रफाह शहर में इजरायली बलों ने सोमवार रात हवाई हमले किए हैं। इसमें 14 लोगों की जान गई है। वहीं, मंगलवार को इजरायली बल ने बताया कि सोमवार को गाजा के सबसे बड़े अस्पताल अल-शिफा में की गई कार्रवाई में इजरायल ने 50 बंदूकधारी मार गिराए और 180 संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है। इधर, अमेरिका ने जानकारी दी कि सात अक्टूबर की योजना बनाने वाला हमास का नंबर तीन कमांडर मारवान इस्सा पिछले हफ्ते इजरायल द्वारा मार गिराया गया। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि रफाह में सोमवार रात मरने वाले 14 लोगों में तीन महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। गाजा सिटी और दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में इजरायली हमलों से जान बचाकर 10 लाख से अधिक लोग इन दिनों रफाह शहर में शरण लिए हुए हैं। मिस्त्र की सीमा से सटे रफाह शहर में जमीनी हमले की योजना को लेकर अमेरिका ने इजरायल से पुनर्विचार का आग्रह किया है। अगर यहां इजरायली हमले तेज हुए तो मानवीय मदद पहुंचानी मुश्किल हो जाएगी। रफाह सीमा से ही गाजावासियों को राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने मंगलवार को कहा कि गाजा में इजरायल द्वारा मानवीय मदद पर प्रतिबंध लगाना युद्ध अपराध होगा।

म्यांमार में हवाई हमले से 25 रोहिंग्या की मौत, संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुटेरेस ने बढ़ती हिंसा पर जताई चिंता

बैंकॉक (एजेंसी)

पश्चिमी म्यांमार में सैन्य हवाई हमलों में बच्चों सहित देश के मुस्लिम रोहिंग्या अल्पसंख्यक के कम से कम 25 सदस्य मारे गए हैं। बढ़ती हिंसा पर संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने भी चिंता व्यक्त की है। इसकी जानकारी स्थानीय मीडिया ने दी है।

रिपोर्टों के मुताबिक, हवाई हमले सोमवार सुबह हुए और रखाइन राज्य में मिनब्या टाउनशिप के उत्तर में थड़ा गांव को निशाना बनाया गया। हमलों में 25 अन्य लोग घायल भी हुए हैं। सैन्य सरकार ने रिपोर्टों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। एक प्रवक्ता के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ÷म्यांमार में बिगड़ती स्थिति और संघर्ष में वृद्धि÷ पर गहरी चिंता व्यक्त की। गुटेरेस के उप प्रवक्ता फरहान हक ने एक बयान में सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ÷सभी प्रकार की हिंसा की निंदा करते हैं और शत्रुता की समाप्ति और मानवीय पहुंच के लिए अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के अनुसार सहायता कर्मियों सहित नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपना आह्वान दोहराते हैं। फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सत्ता छीनने के बाद से म्यांमार की सेना अपने शासन के खिलाफ व्यापक सशस्त्र संघर्ष का मुकाबला करने के लिए हवाई हमलों का तेजी से उपयोग कर रही है। म्यांमार के अनुसंधान और वकालत संगठन, न्यान लिन थिट एनालिटिका द्वारा पिछले साल के अंत में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना के 2021 के अधिग्रहण के बाद से, 1,652 हवाई हमलों में 936 नागरिक मारे गए और 878 घायल हो गए। इसमें कहा गया है कि हवाई हमलों से 137 धार्मिक इमारतें, 76 स्कूल और 28 अस्पताल और औषधालय क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

थड़ा का रोहिंग्या गांव देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले से लगभग 340 किलोमीटर (120 मील) दक्षिण-पश्चिम में है। हालाँकि, म्यांमार के लगभग 90 प्रतिशत लोग बौद्ध हैं, विशेषकर बर्मन बहुसंख्यक, जो दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र के शासक वर्ग का गठन करते हैं। थड़ा गांव के दो ग्रामीणों ने सोमवार देर रात एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि एक जेट लड़ाकू विमान ने लगभग 1:30 बजे गांव पर दो बम गिराए।

गाजा के अल शिफा अस्पताल में 20 बंदूकधारी ढेर

रफाह (एजेंसी)

इजरायली सुरक्षा बलों ने सोमवार तड़के गाजा के मुख्य अस्पताल अल शिफा पर फिर छापेमारी की। इजरायली सेना ने कहा कि 20 फलस्तीनी बंदूकधारियों को मार गिराया गया है। कई अन्य आर्तकियों को गिरफ्तार किया गया है। सेना ने कहा कि वह अल शिफा अस्पताल से आतंकी गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करती रहेगी। इस अस्पताल से चल रही आतंकी गतिविधियों के बारे में मिली खुफिया जानकारी के बाद जब इजरायली बल जब परिसर में घुसे तो अंदर से फायरिंग की गई। इसके बाद इजरायली बलों ने उन्हें लक्षित करते हुए ताबड़तोड़ गोलाबारी की। दूसरी ओर, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस अभियान में कई फलस्तीनियों की जान गई है। गोलाबारी में एक इमारत में आग लग गई। कहा, इजरायली हमले में अब तक 31,756 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। अल शिफा अस्पताल गाजा पट्टी का सबसे बड़ा अस्पताल है। युद्ध के बाद उत्तरी गाजा में यही एक अस्पताल बचा है जहां अब भी आंशिक रूप से स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा रही हैं। इसके अलावा यहां इजरायली हमले में बेघर हुए हजारों लोग शरण लिए हुए हैं। इजरायल ने नवंबर में भी अल शिफा अस्पताल पर हमला किया था। स्थानीय निवासी मोहम्मद अली कहते हैं कि हमने पश्चिमी सड़क पर अचानक धमाकों और गोलाबारी की आवाजें सुनीं, इसके बाद जल्द ही देखा कि टैंक अल-शिफा अस्पताल की ओर बढ़ रहे हैं। इसके बाद गोलीबारी और धमाकों की आवाजें बढ़ गईं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि जैसे ही अस्पताल परिसर में गोलीबारी शुरू हुई वहां सारी सुविधाएं बाधित हो गईं।

आईपीएल 17 : ताबड़तोड़ क्रिकेट के सबसे बड़े जलसे में भारत के सितारों पर रहेंगी नजरें

नयी दिल्ली (एजेंसी)

महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास को लेकर कभी खत्म नहीं होने वाली अटकलें, 16 साल से खिताब नहीं जीत पाने की विराट कोहली की कसक, जिंदगी से दूसरा मौका पाकर मैदान पर उतर रहे ऋषभ पंत और कप्तानी छिनने का रोहित शर्मा का दर्द। ये सारी कहानियां शुक्रवार से शुरू हो रहे ताबड़तोड़ क्रिकेट के महासमर को और रोचक बनाने के लिये काफी होंगी। धोनी 42 बरस की उम्र में भी आईपीएल के सदाबहार कप्तान हैं और उनसे जब पूछा जायेगा कि क्या यह उनका आखिरी टूर्नामेंट है तो शायद एक बार फिर वह मुस्कुराकर रह जायेंगे। उनके वारिस माने जाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज पंत भयावह कार दुर्घटना में जीवनदान पाकर मैदान पर लौट रहे हैं और दुनिया को दिखाना चाहेंगे कि उनकी बाजुओं में अभी भी वही दम है। अपने बिंदास मुंबइया अंदाज के पीछे दर्द छिपाने वाले रोहित वानखेड़े स्टेडियम पर उतरेंगे लेकिन इस बार कप्तान नहीं होंगे। दर्शकों के चहेते रोहित अपने बल्ले से सारे मलाल निकालने को आतुर होंगे।

'किंग कोहली' की नजरें खिताब पर होंगी जिसके लिये वह 16 साल से इंतजार कर रहे हैं। एक ही टीम के लिये शुरू से खेल रहे आईपीएल के इकलौते खिलाड़ी कोहली का जुनून उनकी टीम के लिये टॉनिक का काम करेगा।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की महिला टीम ने हाल ही में महिला प्रीमियर लीग खिताब जीता है। कम से कम 10 से 12 खिलाड़ी चयनकर्ताओं के सामने अपनी उपयोगिता साबित करने को बेताब होंगे ताकि अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप का टिकट कटा सकें। पूरी दुनिया को क्रिकेट के रंग में रंगने वाले इस सालाना जलसे में कुछ खिलाड़ी वापसी करेंगे तो कुछ नये सितारे उभरेंगे, कुछ फर्श से अर्श तक की कहानियां निकलेंगे तो कई सितारे जमींदोज भी हो सकते हैं। एक ओवर में इस खेल में तकदीरें बदल जाया करती हैं। हर मैच के बाद खिलाड़ियों को सोशल मीडिया की बेरहमी भी झेलनी होगी। पैट कमिंस (सनराइजर्स हैदराबाद) और मिचेल स्टार्क (कोलकाता नाइट राइडर्स) जैसे महंगे बिके खिलाड़ियों पर अपेक्षाओं पर खरे उतरने का भारी दबाव होगा। एक बार फिर चेन्नई सुपर किंग्स छठे खिताब के प्रबल दावेदारों में होगी। उनके चहेते 'थाला' को विषम परिस्थितियों से निकलकर जीत हासिल करने का शऊर बखूबी आता है। रचिन रविंद्र को धोनी की कप्तानी में अपने हुनर को निखारने का मौका मिलेगा। तेज गेंदबाजी का दारोमदार दीपक चाहर पर होगा। टीम में रूतुराज गायकवाड़, मोईन अली और रविंद्र जडेजा जैसे धुरंधर भी है। वहीं 2020 तक पांच खिताब और पिछले तीन साल से ट्रॉफी नहीं जीत पाने ने मुंबई इंडियंस को कप्तान बदलने के लिये मजबूर किया।

हार्दिक पंड्या के सामने सिर्फ खिताब जीतने ही नहीं बल्कि ड्रेसिंग रूम में सभी के दिल जीतने की भी जिम्मेदारी होगी। अगर वह ऐसा कर पाते हैं तो आधी जंग जीत जायेंगे क्योंकि मुंबई के पास इतनी बेहतरीन बल्लेबाजी है कि गेंदबाजी की कमियां भारी नहीं पड़ेगी। आरसीबी के लिये सबसे बड़ी प्रेरणा महिला टीम की खिताबी जीत है। कोहली रन भले ही कम बनायें लेकिन खिताब हर हालत में जीतना चाहते हैं। धोनी और रोहित पांच बार खिताब जीत चुके हैं। केकेआर भी दो बार चैम्पियन रह चुकी है। कोहली अकेले खिताब नहीं जीत सकते। इसके लिये दिनेश कार्तिक, फाफ डु प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल को भी अच्छा खेलना होगा। केकेआर खेमे में गौतम गंभीर की वापसी हुई है जिनका जीत का जुनून जगजाहिर है। उनके और कोहली के बीच हुई लड़ाई कौन भूल सकता है।

माटेओ बेरेटिनी को हराकर मियामी ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे एंडी मरे

फ्लोरिडा (एजेंसी)

एंडी मरे ने मियामी ओपन 2024 में अच्छी शुरुआत की और हार्ड रॉक स्टेडियम में माटेओ बेरेटिनी को 2 घंटे, 48 मिनट के मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-4 से हराया। बुधवार की जीत के साथ, मरे मियामी में नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल के साथ 30 मैच जीतने वाले क्लब में शामिल हो गए। सर्बियाई खिलाड़ी ने दक्षिण फ्लोरिडा में 44 जीत दर्ज की हैं, जबकि नडाल के नाम 40 जीत दर्ज हैं। दो बार के मियामी चैंपियन ने शानदार कोर्ट कवरेज का प्रदर्शन किया और बढ़त बनाए रखी। अपने प्रतिद्वंद्वी की 44 की तुलना में केवल 20 गलतियां की और चौथी बार पहले दौर की जीत हासिल की। बेरेटिनी फीनिक्स में एटीपी चैलेंजर टूर 175 इवेंट में फाइनलिस्ट बनकर मियामी पहुंचे, जहां वह छह महीने की चोट के बाद अपना पहला इवेंट खेल रहे थे। एंडी मरे का अगला मुकाबला टॉमस मार्टिन एचेवेरी से है, जिन्होंने उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन में सीधे सेटों में हराया था। अर्जेंटीना ने अपने तीन मुकाबलों में से दो में जीत हासिल की है। इस बीच, फ्रांसीसी लुका वान एश ने बुधवार को अपने करियर में एक नया रिकॉर्ड शामिल किया।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सईद अहमद का निधन,86 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान और अपने समय के धुरंधर बल्लेबाज सईद अहमद का यहां 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। अहमद ने 41 टेस्ट खेलकर पांच शतक और 16 अर्धशतक समेत 2991 रन बनाये थे। उन्होंने आफ स्पिन गेंदबाजी से 22 विकेट भी लिये थे। उन्होंने 1958 में ब्रिजटाउन में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट के जरिये पदार्पण किया था। उन्होंने आखिरी मैच 1972 . 73 के दौरे पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में खेला था। उनके कैरियर का हालांकि उस दौरे पर विवादित अंत हुआ। पाकिस्तान बोर्ड का मानना था कि सिडनी की हरी भरी पिच पर डेनिस लिली का सामना करने से बचने के लिये उन्होंने कमर की चोट का झूठा बहाना बनाया। अहमद को अनुशासन कारणों से दौरे से बुला लिया गया और फिर पाकिस्तान के लिये कभी उनका चयन नहीं हुआ। सईद के सौतेले भाई युनूस अहमद ने भी पाकिस्तान के लिये चार टेस्ट खेले थे।

दिल्ली कैपिटल्स ने सवेरा 'रन फॉर गुड' में भाग लेकर महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरुकता बढ़ाई

नई दिल्ली.एजेंसी

नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में हाल ही में संपन्न सवेरा 'रन फॉर गुड' इवेंट के दूसरे संस्करण में मुख्य प्रायोजक रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स और सेंट्रल पार्क के बीच सफल सहयोग देखने को मिला। दिल्ली कैपिटल्स की भागीदारी ने न केवल महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरुकता बढ़ाई, बल्कि दिल्ली के लोगों के बीच एकता और करुणा की भावना को भी बढ़ावा दिया। यह सहयोग दिल्ली कैपिटल्स की सोशल रिस्पांसिबिलिटी और कम्युनिटी इंगेजमेंट के प्रति प्रतिबद्धता और दिल्ली शहर की भावना को दर्शाता है।

सवेरा 'रन फॉर गुड' जैसे इवेंट्स में सक्रिय रूप से भाग लेकर आईपीएल फ्रेंचाइजी ने जरूरतमंद लोगों के जीवन में एक ठोस बदलाव लाने के लिए अपने समर्पण को दिखाया है। दिल्ली कैपिटल्स की भागीदारी ने न केवल महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरुकता बढ़ाई, बल्कि दिल्ली के लोगों के बीच एकता और करुणा की भावना को भी बढ़ावा दिया।

इस आयोजन पर दिल्ली कैपिटल्स के अंतरिम सीईओ सुखविंदर सिंह ने कहा, 'दिल्ली के जीवंत स्वरूप के अभिन्न अंग के रूप में दिल्ली कैपिटल्स ने 'रन फॉर गुड' इवेंट के लिए सवेरा एसोसिएशन के साथ गर्व से पार्टनरशिप की। हमारी प्रतिबद्धता क्रिकेट से आगे बढ़कर हमारे समुदाय को ऊपर उठाने की है, जिसका उद्देश्य एकता, करुणा और सकारात्मक बदलाव को प्रेरित करना है, जो हमारे शहर की भावना को प्रतिध्वनित करता है।' सवेरा एसोसिएशन के सहयोग से आर्टकनेक्ट की ओर से आयोजित इस इवेंट का उद्देश्य स्थायी सकारात्मक प्रभाव डालना था। रेस से जुटाई गई राशि का सीधा लाभ उन बच्चों को मिला, जिन्होंने प्रतिभागियों के साथ दौड़ लगाई। यह समावेश और मानवता का एक जीता जागता प्रतीक है। सवेरा एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ. मीनू बख्शी ने कहा, 'सवेरा एसोसिएशन में हम वंचित बच्चों का पालन-पोषण करने, उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रन फॉर गुड बाधाओं को तोड़ता है। यह हमारे बच्चों को स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच, आशा और सशक्तिकरण प्रदान करता है।' आर्टकनेक्ट मैनेजमेंट के निदेशक और संस्थापक आनंद कंवर ने कहा, 'हम 'रन फॉर गुड' को सिर्फ एक रेस से कहीं बढ़कर मानते हैं। यह एक स्वस्थ जीवनशैली का उत्सव है। हमारा उद्देश्य इसे भारत का प्रमुख रनिंग कार्निवल बनाना है, जो आनंद, हंसी और दूसरों को कुछ देने की भावना से भरा एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करता है।' मुख्य रेस-3 के सवेरा इनक्लूसिविटी रन, 5के फैमिली रन और 10के टाइम्ड रन के अलावा सभी उपस्थित लोगों के लिए भरपूर मनोरंजन और गतिविधियां थीं।

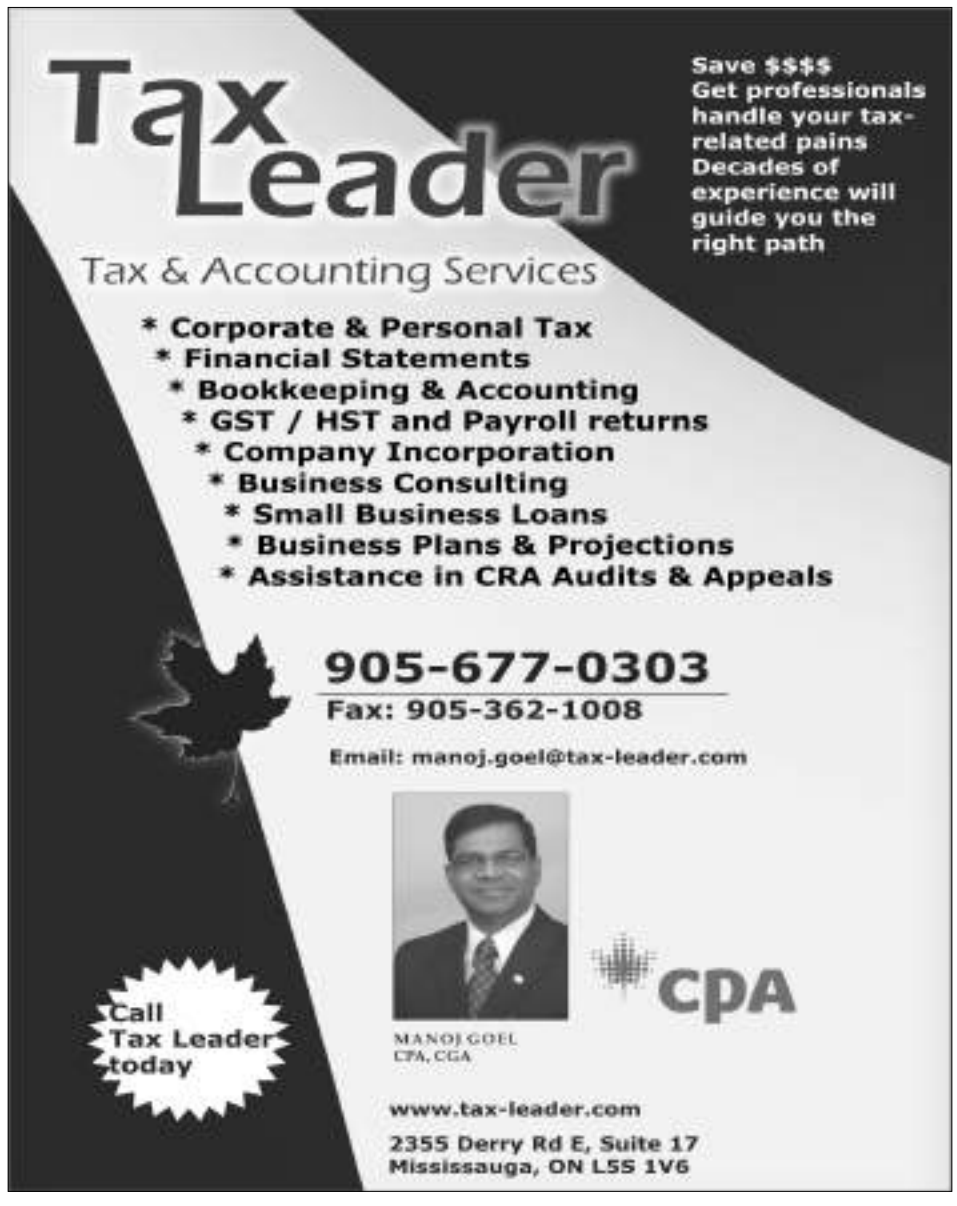

होली की मस्ती, रंग-गुलाल लगाया और हो गई होली

प्रियंका सौरभ

होली एक ऐसा रंगबिरंगा त्योहार है, जिसे हर धर्म के लोग पूरे उत्साह और मस्ती के साथ मनाते रहे हैं। होली के दिन सभी बैर-भाव भूलकर एक-दूसरे से परस्पर गले मिलते थे। लेकिन सामाजिक भाईचारे और आपसी प्रेम और मेलजोल का होली का यह त्योहार भी अब बदलाव का दौर देख रहा है। फाल्गुन की मस्ती का नजारा अब गुजरे जमाने की बात हो गई है। कुछ सालों से फीके पड़ते होली के रंग अब उदास कर रहे हैं। शहर के बुजुर्गों का कहना है कि 'न हंसी- ठिठोली, न हुड़दंग, न रंग, न ढप और न भंग' ऐसा क्या फाल्गुन? न पानी से भरी 'खेळी' और न ही होली का .....रे का शोर। अब कुछ नहीं, कुछ घंटों की रंग-गुलाल के बाद सब कुछ शांत। होली की मस्ती में अब वो रंग नहीं रहे। आओ राधे खेला फाग होली आई....ताम्बा पीतल का मटका भरवा दो...सोना रुपाली लाओ पिचकारी...के स्वर धीरे धीरे धीमे हो गए हैं।

फाल्गुन लगते ही होली का हुड़दंग शुरू हो जाता था। मंदिरों में भी फाल्गुन आते ही 'फाग' शुरू हो जाता था। होली के लोकगीत गूंजते थे। शाम होते ही ढप-चंग के साथ जगह-जगह फाग के गीतों पर पारंपरिक नृत्य की छटा होली के रंग बिखेरती थी। होली खेलते समय पानी की खेली में लोगों को पकडक़र डाल दिया जाता था। कोई नाराजगी नहीं, सब कुछ खुशी-खुशी होता था। वसन्त पंचमी से होली की तैयारियां करते थे। चौराहो पर समाज के नोहरे व मंदिरों में चंग की थाप के साथ होली के गीत गूंजते। रात को चंग की थाप पर गैर नृत्य का आकर्षण था। बाहर से फाल्गुन के गीत व रसिया गाने वाले रात में होली की मस्ती में गैर नृत्य करते थे।

पहले की होली और आज की होली में अंतर आ गया है, कुछ साल पहले होली के पर्व को लेकर लोगों को उमंग रहता था, आपस में प्रेम था। किसी के भी प्रति द्वेष भाव नहीं था। आपस में मिल कर लोग प्रेम से होली खेलते थे। मनोरंजन के अन्य साधानों के चलते लोगों की परंपरागत लोक त्यौहारों के प्रति रुचि कम हुई है। इसका कारण लोगों के पास समय कम होना है। होली आने में महज कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन शहर में होली के रंग कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। एक माह तो दूर रहा अब तो होली की मस्ती एक-दो दिन भी नहीं रही। मात्र आधे दिन में यह त्योहार सिमट गया है। रंग-गुलाल लगाया और हो गई होली।

जैसे-जैसे परंपराएं बदल रही हैं, रिश्तोंा का मिठास खत्म होता जा रहा है। जहां तक होली का सवाल है तो अब मोबाइल और इंटरनेट पर ही 'हैप्पीह होली' शुरू होती है और खत्मा हो जाती है। अब पहले जैसा वो हर्षोल्लारस नहीं रह गया है। पहले बच्चे टोलियां बनाकर गली-गली में हुड़दंग मचाते थे। होली के 10-12 दिन पहले ही मित्रों संग होली का हुड़दंग और गली-गली होली का चंदा इकट्ठा करना और किसी पर बिना पूछे रंग उड़ेल देने से एक अलग प्यार दिखता था। इस दौरान गाली देने पर भी लोग उसे हंसी में उड़ा देते थे। अब तो लोग मारपीट पर उतारू हो जाते हैं।

पहले परायों की बहू-बेटियों को लोग बिल्कुल अपने जैसा समझते थे। पूरा दिन घरों में पकवान बनते थे और मेहमानों की आवभगत होती थी। अब तो सबकुछ बस घरों में ही सिमट कर रह गया है। आजकल तो मानों रिश्तों में मेल-मिलाप की कोई जगह ही नहीं रह गई हो। मन आया तो औपचारिकता में फोन पर हैप्पी होली कहकर इतिश्री कर लिए। अब रिश्तोंग में वह मिठास नहीं रह गया है। यही वजह है कि लोग अपनी बहू-बेटियों को किसी परिचित के यहां जाने नहीं देते। पहले घर की लड़कियां सबके घर जाकर खूब होली की हुल्लूड़ मचाती थीं। अब माहौल ऐसा हो गया है कि यदि कोई लड़की किसी रिश्तेकदार के यहां ही ज्याडदा देर तक रुक गई तो परिवार के लोग चिंतित हो जाते हैं कि क्योंा इतना देर हो गया। तुरंत फोन करके पूछने लगते हैं कि क्यो कर रही हो, तुम जल्दीह घर आओ। क्योंह अब लोगों को रिश्तोंर पर भी उतना भरोसा नहीं रह गया है।

दूसरी ओर, होली के दिन खान-पान में भी अब अंतर आ गया है। गुझि?या, पूड़ी-कचौड़ी, आलू दम, महजूम (खोवा) आदि मात्र औपचारिकता रह गई है। अब तो होली के दिन भी मेहमानों को कोल्डे ड्रिंक्स? और फास्टे फूड जैसी चीजों को परोसा जाने लगा है। वहीं, होलिका के चारों तरफ सात फेरे लेकर अपने घर के सुख शांति की कामना करना, वो गोबर के विभिन्न आकृति के उपले बनाना, दादी-नानी का मखाने वाली माला बनाना, रंग-बिरंगे ड्रेसअप में अपनी सखी-सहेलियों संग घर-घर मिठाई बांटना, गेहूं के पौधे भूनना और होली के लोकगीतों को गाना। अब यह सब परंपराएं तो मानो नाम की ही रह गई हैं।

होली रोपण के बाद से होली की मस्ती शुरू हो जाती थी। छोटी बच्चियां गोबर से होली के लिए वलुडिये बनाती थी। उसमें गोबर के गहने, नारियल, पायल, बिछियां आदि बनाकर माला बनाती थी। अब यह सब नजर नही आता है। होली से पूर्व घरों में टेशु व पलाश के फूलों को पीस कर रंग बनाते थे। महिलाएं होली के गीत गाती थी। होली के दिन गोठ भी होती थी जिसमें चंग की थाप पर होली के गीत गाते थे। होली रोपण से पूर्व बसंत पंचमी से फाग के गीत गूंजने लगते थे। आज के समय कुछ मंदिरों में ही होली के गीत सुनाई देते हैं। होली के दिन कई समाज के लोग सामूहिक होली खेलने निकलते थे। साथ में ढोलक व चंग बजाई जाती थी, अब वह मस्ती-हुड़दंग कहां?

अब होली केवल परंपरा का निर्वहन रह गया है। हाल के समय में समाज में आक्रोश और नफरत इस कदर बढ़ गई है कि सभ्रांत परिवार होली के दिन निकलना नहीं चाहते हैं। लोग साल दर साल से जमकर होली मनाते आ रहे हैं। इस पर्व का मकसद कुरीतियों व बुराइयों का दहन कर आपसी भाईचारा को कायम रखना है। आज भारत देश मे समस्यायों का अंबार लगा हुआ है। बात सामाजिक असमानता की करें, इसके कारण समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा, मानवता, नैतिकता खत्म होती जा रही हैं। कभी होली पर्व का अपना अलग महत्व था, होलिका दहन पर पूरे परिवार के लोग एक साथ मौजूद रहते थे।

Happy Holi

From the management & Staff of **Hindi Abroad**

हिन्दी Abroad

Hindi Abroad Media Inc.

7071 Airport Road, Suite 204A Mississauga, ON Canada. L4T 4J3

Tel : 905-673-9929, Fax 905-673-9114

E-mail : editor@hindiabroad.com www.hindiabroad.com www.facebook.com/hindiabroad

hindi_abroad @hindiabroad Hindiabroadtv